PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, बुधवार
12.02.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 12

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ी, ऐसा करने वाला जी-20 का पहला देश : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस यात्रा के दौरान मंगलवार को वर्चुअली 'इंडिया एनर्जी वीक 2025' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की सदी है और ऊर्जा क्षेत्र इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ने, भारतीय रेलवे को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाने और हर साल 50 लाख मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ी है और यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है। गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता तीन गुना बढ़ी है, इससे भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला जी-20 देश बन गया है। इतनी ही नहीं भारत में 19 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण हो रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत, किसानों की आय में वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है। मोदी सरकार ने 'ओपन एक्रेज लाइसेंसिंग पॉलिसी' बनाई है, जिससे हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज और गैस क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी निर्माण को बढ़ावा दे रहा है। सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता 2 गीगावॉट से बढ़कर 70 गीगावॉट हो गई है। उन्होंने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का भी जिक्र कर कहा कि इससे नए ग्रीन जॉब्स के मौके बन रहे हैं।

हरित ऊर्जा और निवेश के नए अवसर : इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी निर्माण को लगातार बढ़ावा दे रहा है। सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता 2 गीगावॉट से बढ़कर 70 गीगावॉट हो चुकी है। उन्होंने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का भी जिक्र किया, जिससे नए ग्रीन जॉब्स के मौके बन रहे हैं। इसके साथ ही क्लीन ऊर्जा का भारत का सपना साकार हो रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक निवेशकों को भारत के ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने पेरिस में कहा- भारत अपने अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए तैयार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पेरिस में एआई एक्शन शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का भविष्य सभी के लिए अच्छा हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई अभूतपूर्व पैमाने और गति से विकसित हो रहा है और इसे और भी तेजी से अपनाया और लागू किया जा रहा है। सीमाओं के पार भी गहरी निर्भरता है। इसलिए, शासन और मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है जो हमारे साझा मूल्यों को बनाए रखें, जोखिमों को संबोधित करें और विश्वास का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि भारत ने बहुत कम लागत पर 1.4 बिलियन से अधिक लोगों के लिए सफलतापूर्वक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है। यह एक खुले और सुलभ नेटवर्क के इर्द-गिर्द निर्मित है। इसमें हमारी अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने, शासन में सुधार करने और हमारे लोगों के जीवन को बदलने के लिए नियम और अनुप्रयोगों की विस्तृत श्रृंखला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत एआई को अपनाने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता में तकनीकी-कानूनी आधार में भी अग्रणी है। एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और अन्य क्षेत्रों में सुधार लाकर लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि शासन का मतलब सिर्फ मतभेदों और प्रतिद्वंद्विता को संभालना नहीं है। इसका मतलब नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक भलाई के लिए इसका इस्तेमाल करना भी है। इसलिए हमें नवाचार और शासन के बारे में गहराई से सोचना चाहिए और खुलकर चर्चा करनी चाहिए। शासन का मतलब सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करना भी है, खासकर वैश्विक दक्षिण में। एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बहुत कुछ बेहतर करके लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है। हमें साइबर सुरक्षा, गलत सूचना और डीपफेक से जुड़ी चिंताओं का समाधान करना चाहिए।

'एयरो इंडिया' में इटली और ब्रिटेन के रक्षा अधिकारियों के साथ हुईं द्विपक्षीय बैठकें

एजेंसी। बेंगलुरु

- स्वदेशी प्रणालियों के विकास में भारत की बढ़ती क्षमताओं के बारे में चर्चा की गई

एयरो इंडिया में हिस्सा लेने आये मित्र देशों के रक्षा अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकों का दौर शुरू हो गया है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह द्विपक्षीय बैठकें करके भारत के साथ रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं। इटली के रक्षा उप मंत्री माटेओ पेरेगो डि क्रेमनागो के साथ बैठक में स्वदेशी प्रणालियों के विकास में भारत की बढ़ती क्षमताओं के बारे में चर्चा की गई। रक्षा सचिव ने ब्रिटेन के मंत्री लॉर्ड वर्नोन कोकर के साथ ब्रिटेन-भारत व्यापार परिषद की गोलमेज बैठक की सह-अध्यक्षता की। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने बेंगलुरु में 15वें एयरो इंडिया के अवसर पर कई द्विपक्षीय बैठकें की। इटली के रक्षा उप मंत्री माटेओ पेरेगो डि क्रेमनागो के साथ अपनी बैठक में उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। बैठक में उपकरणों के निर्माण और स्वदेशी प्रणालियों के विकास में भारत की बढ़ती क्षमताओं के बारे में चर्चा की गई। मंत्रियों ने सभी क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। ब्रिटेन के मंत्री लॉर्ड कोकर के साथ बैठक के दौरान संजय सेठ ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की समीक्षा की और दोनों देशों ने संबंधों को मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने शांति, समृद्धि और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था के लिए द्विपक्षीय रूप से और अन्य भागीदारों के साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। विशेष रूप से हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र में जहां सहयोग के आधार पर समुद्री और अन्य क्षेत्रों में बेरोकटोक नौवहन और कानून का शासन सुनिश्चित होगा। रक्षा राज्यमंत्री ने लेसोथो के प्रधानमंत्री कार्यालय (रक्षा एवं सुरक्षा) के मंत्री लिंफो ताऊ के साथ अपनी बैठक में रक्षा निर्यात के क्षेत्र में उपलब्ध अपार संभावनाओं तथा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने ब्रिटिश मंत्री लॉर्ड कोकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने दोनों देशों के बीच जारी रक्षा सहयोग, विशेष रूप से औद्योगिक और समुद्री क्षेत्र में जारी सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन और एयरो इंजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इससे पहले रक्षा सचिव ने लॉर्ड कोकर और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून के साथ ब्रिटेन-भारत व्यापार परिषद की गोलमेज बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस गोलमेज बैठक में भारतीय और ब्रिटेन की रक्षा कंपनियों के लिए वर्तमान समय में जारी और भविष्य की संयुक्त परियोजनाओं पर एक साथ काम करने के अवसरों पर चर्चा की गई। इस बैठक में ब्रिटेन के कई रक्षा उद्योगों ने भाग लिया। इसमें भारतीय उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स के नेतृत्व ने किया।रक्षा सचिव ने इटली के रक्षा उप-मंत्री माटेओ पेरेगो डि क्रेमनागो के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की।

संक्षिप्त समाचार

देश में 25 राज्यों के 286 पैक्स ने पेट्रोल-डीजल आउटलेट के लिए आवेदन किया : अमित शाह

नई दिल्ली। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 286 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) ने अब तक खुदरा पेट्रोल और डीजल आउटलेट स्थापित करने के लिए आवेदन किया है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बताया कि तेल विपणन कंपनियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 25 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 286 पैक्स ने खुदरा पेट्रोल-डीजल आउटलेट स्थापित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए हैं, जिनमें से 26 पैक्स का चयन ओएमसी द्वारा किया गया है। पैक्स थोक उपभोक्ता पंपों को खुदरा दुकानों में बदलने को लेकर ओएमसी रिपोर्ट बताती है कि 5 राज्यों के 116 पैक्स ने इस रूपांतरण पर सहमति व्यक्त की है और 56 पैक्स को चालू कर दिया गया है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप के लिए, 2 पैक्स ने झारखंड में 2 विज्ञापित स्थानों के लिए आवेदन किया है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार ने पैक्स को खुदरा पेट्रोल-डीजल आउटलेट और एलपीजी वितरकों को संचालित करने की अनुमति दी है। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नियमित और ग्रामीण खुदरा दुकानों के लिए डीलरों के चयन के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं, साथ ही एलपीजी वितरकों के चयन के लिए एकीकृत दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

शिवसेना सांसद ने लोकसभा में उठाया रणवीर इलाहाबादिया की आपत्तिजनक टिप्पणी का मुद्दा

नई दिल्ली, 11 फ़रवरी (हि.स.)। समय रैना के इंडियाज गॉट लेटेंट पर रणवीर इलाहाबादिया की विवादित टिप्पणी का मामला अब संसद तक पहुंच गया है। शिवसेना सांसद नरेश गणपत म्हस्के ने लोकसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामग्री के लिए सख्त नियम और दिशानिर्देश तय किए जाने का आग्रह किया। नरेश गणपत म्हस्के ने कहा कि सोशल मीडिया, पॉडकास्ट और ओटीटी सामग्री को विनियमित करने के लिए एक समर्पित कानून की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि ये सब भारतीय संस्कृति का अपमान करते हैं। उन्होंने कल प्रभावशाली रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इस तरह की अपमानजनक सामग्री ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्वतंत्र रूप से प्रसारित की जा रही है, जहां कोई नियामक जांच नहीं है। वे हमारे देवी-देवताओं का अपमान करने की हद तक चले जाते हैं और इन प्लेटफार्मों पर सेंसरशिप की कमी के कारण यह अनियंत्रित मज़ाक जारी है। शिवसेना नेता ने कहा कि सोशल मीडिया, पॉडकास्ट और ओटीटी सामग्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वे राजनेताओं के बारे में कुछ भी कहते हैं। उन्होंने निगरानी की कमी की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और सेंसरशिप लगानी चाहिए।

परीक्षा पे चर्चा में 12 फरवरी को मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर विशेष एपिसोड दिखाया जाएगा : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि इस वर्ष के परीक्षा पे चर्चा में 12 फरवरी को मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर विशेष एपिसोड दिखाया जाएगा। इसमें अभिनेत्री और मानसिक स्वास्थ्य वक्ता दीपिका पादुकोण एग्जाम वॉरियर्स से इस विषय पर अपने विचार साझा करेंगी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "एग्जाम वॉरियर्स जिन सबसे आम विषयों पर चर्चा करना चाहते हैं, उनमें मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती भी शामिल है। इसलिए, इस वर्ष के परीक्षा पे चर्चा में इस विषय पर विशेष रूप से समर्पित एक एपिसोड है, जो कल 12 फरवरी को प्रसारित होगा। हमारे साथ दीपिका पादुकोण हैं, जो इस विषय को लेकर बहुत भावुक हैं और इस पर बात कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि परीक्षा पे चर्चा का आठवां संस्करण नए अंदाज में आयोजित किया जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को सुंदर नर्सरी में देशभर के विद्यार्थियों से तनाव मुक्त परीक्षा के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों को सीमित नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें अपने जुनून को तलाशने की आजादी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनाव से बचने के लिए समय प्रबंधन और स्वयं को चुनौती देकर सुधार करने की सलाह दी थी।

साइबर अपराध रोकने के लिए एआई का इस्तेमाल कर म्यूल अकाउंट्स की पहचान की योजना बना रही सरकार: शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार साइबर अपराध को रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर म्यूल अकाउंट्स की पहचान करने की योजना बना रही है। गृहमंत्री शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में 'साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराध' विषय पर गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अमित शाह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और रिज़र्व बैंक तथा अन्य सभी बैंकों के साथ समन्वय से म्यूल अकाउंट्स की पहचान की व्यवस्था बनाने के लिए प्रयास जारी है। म्यूल अकाउंट को ऑपरेट होने से पहले ही बंद करने की व्यवस्था भी की जाएगी। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'रुकें, सोचें और फिर कार्रवाई करें' के मंत्र के बारे में जानकारी देकर उन्हें साइबर अपराधों के प्रति सतर्क किया जा सके। गृहमंत्री ने कहा कि आई4सी पोर्टल पर कुल 1 लाख 43 हजार एफआईआर दर्ज की गई हैं और 19 करोड़ से अधिक लोगों ने इस पोर्टल का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से 805 'ऐप्स' और 3266 वेबसाइट-लिंक को आई4सी की सिफारिश पर ब्लॉक किया गया है। इसके अलावा 399 बैंक और वित्तीय मध्यस्थ ऑनबोर्ड हो चुके हैं। साथ ही 6 लाख से अधिक संदिग्ध डेटा साझा किया गया, 19 लाख से अधिक म्यूल खाते पकड़े गए और 2038 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन रोके गए हैं।उल्लेखनीय है कि म्यूल अकाउंट-धोखाधड़ी के जरिए कमाए गए पैसे को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला बैंक खाते को कहते हैं। अमित शाह ने कहा कि आज भारत दुनिया में डिजिटल परिदृश्य के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। भारत की कुल अर्थव्यवस्था में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत है। गृह मंत्रालय का लक्ष्य साइबर अपराध के मामलों और उनकी एफआईआर को शून्य करना है। साइबर अपराध से निपटने के लिए हमने चार प्रकार की रणनीति अपनाई है, जिसमें अभिसरण, समन्वय, संचार और क्षमता शामिल है। इन सभी को स्पष्ट उद्देश्यों और रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ लागू किया जा रहा है। गृह मंत्रालय के भीतर अंतर-मंत्रालयी और अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत किया गया है, जिससे निर्बाध संचार और सूचना का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित हुआ है।

मोदी सरकार के समर्थन में उतरे शशि थरूर, बोले- पाक से बात बेहद मुश्किल

नई दिल्ली। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ अब बिना किसी बाधा के बातचीत संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई हमले जैसे घावों को भुलाया नहीं जा सकता। अब यह जताना कि जैसे कुछ हुआ ही नहीं है, बेहद मुश्किल है। वहीं जब सरकार ने पाकिस्तान से बात करने का मन बनाया भी था तो मुंबई में आतंकी हमला हो गया। ऐसे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सही ही कहा था कि पाकिस्तान के साथ अब साधारण तरीके से बात नहीं हो सकती है। संसदीय समिति की एक पुरानी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अगर आप पाकिस्तान में भारत की छवि अच्छी करना चाहते हैं तो ज्यादा लोगों को वीजा देना होगा। हम लोगों ने ही कहा था कि रणनीतिक स्तर पर पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता लेकिन पीपल टु पीपल रिलेशन को मजबूत करना जरूरी है। अगर भारत ऐसा करता है तो पाकिस्तान में भी भारत का समर्थन बढ़ेगा और शांति की मांग को लेकर वहां की आवाम आगे आएगी। शशि थरूर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के लोगों के साथ पीपल टु पीपल इंटरैक्शन बढ़ाना चाहिए।

आपराधी ठहराए जाने के बाद संसद में कैसे लौट सकता है कोई

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए किया सवाल

नई दिल्ली। देश में कई सांसद और विधायक हैं जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कोई व्यक्ति संसद में कैसे लौट सकता है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये सवाल किया है, जिसमें मांग की गई कि देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के अलावा दोषी नेताओं पर आजीवन बैन लगाने का अनुरोध किया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने इसलिए मुद्दे पर भारत के अटॉर्नी जनरल से मदद मांगी है। चुनौती देने पर केंद्र और भारत के निर्वाचन आयोग से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि एक बार जब उन्हें दोषी ठहराया जाता है और दोषसिद्धि बरकरार रखी जाती है तो लोग संसद और विधानमंडल में कैसे वापस आ सकते हैं? इसका उन्हें जवाब देना होगा। इसमें हितों का टकराव भी स्पष्ट है। वे कानूनों की पड़ताल करेंगे। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कानूनों की समीक्षा करेगा।

फिर छिड़ेगी हमास और इजरायल के बीच जंग, दोनों तरफ से तनातनी हुई शुरु

एजेंसी। तेल अवीव

हमास का आरोप है कि इजरायल ने सीजफायर से जुड़ा समझौता तोड़ा। बंधकों की रिहाई न करने के ऐलान से अब इजरायल भड़क गया है। इजरायल ने हमास के इस कदम को 'सीजफायर का पूर्ण उल्लंघन' बताया और अपनी सेना को गाजा के किसी भी तरह के हालातों को लेकर तैयार रहने को कहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी इससे भड़क गए हैं। हमास के सशस्त्र विंग कासाम ब्रिगेड के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने एक पोस्ट में लिखा कि शनिवार कोहोने वाली बंधकों की रिहाई को अगली सूचना तक टाला जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम शर्तों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जब तक कि इजरायल उनका पालन कर रहा है। हालांकि बाद में हमास ने कहा कि रिहाई प्लान के मुताबिक हो सकती है। उसने कहा कि यह कदम इजरायल के लिए एक चेतावनी की तरह है और उसका उद्देश्य इजरायल पर दबाव डालना था, ताकि वह सीजफायर समझौते का पूरी तरह सम्मान करे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास ने बयान में कहा, 'कैदी को सौंपने के निर्धारित समय से पूरे पांच दिन पहले हम यह बयान जारी कर रहे हैं। हमास का लक्ष्य है कि मध्यस्थों को अपना दायित्व पूरा करने और इजरायल पर दबाव डालने का पर्याप्त समय मिल सके। यह इस बात का विकल्प देता है कि बंधकों की रिहाई पहले की तरह ही हो। बशर्ते इजरायल सीजफायर की शर्तों का पालन करे। अबू ओवैदा ने पिछले तीन सप्ताह में इजरायल की ओर से समझौते के कथित उल्लंघन की जानकारी दी। इसमें उत्तरी गाजा पट्टी में विस्थापितों की वापसी में देरी, कई जगहों पर गोलाबारी और फायरिंग और सहमति के मुताबिक सभी तरह की राहत सामग्री की एंट्री की इजाजत न देना शामिल है। हमास का आरोप है कि इजरायल ने गाजा पट्टी में तंबू, बने-बनाए घर, ईंधन या मलबा हटाने वाली मशीनों की इजाजत नहीं दी है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र नो वीकल जोन घोषित

एजेंसी। प्रयागराज

महाकुंभ में 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा पर स्नान पर्व पर अपार भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए मेला क्षेत्र को नो-वीकल जोन घोषित कर दिया गया है। साथ ही यातायात डायवर्जन का भी रूट तैयार किया गया है। मेला क्षेत्र में 11 फरवरी को 4 बजे से आवश्यक एवं आकस्मिक सेवाओं के अतिरिक्त संपूर्ण मेला क्षेत्र में नो-वीकल जोन घोषित रहेगा। शाम 5:00 बजे से पूरे प्रयागराज शहर को भी नो वीकल जोन घोषित किया है। इससे जाम नहीं लगने पाएगा। मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष यातायात योजना 12 फरवरी को स्नान संपन्न होने तक लागू रहेगी। महाकुंभ में कल्पवास कर रहे श्रद्धालुओं के वाहनों पर भी यह नियम लागू रहेगा। प्रशासन ने सभी कल्पवासियों से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें और अधिकृत पार्किंग स्थलों का उपयोग करें। महाकुंभ आने वाले वाहनों के लिए सभी मार्गों पर कुल 36 पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। इन पार्किंग स्थलों पर श्रद्धालु अपने वाहन को खड़ी कर पैदल संगम स्नान के लिए रवाना होंगे। संगम आने वाले श्रद्धालु जीटी जवाहर से प्रवेश कर काली सड़क से काली रैम्प से होते हुए संगम अपर मार्ग से संगम तक पहुंचेंगे। वहीं वापसी के लिए पैदल संगम क्षेत्र से अक्षयवट मार्ग होते हुए इंटर लाकिंग का इस्तेमाल कर त्रिवेणी मार्ग होते हुए अपने गंतव्य को वापस जाएंगे। पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व सुगम यातायात के लिए अलर्ट किया गया है। सभी अधिकारियों व जवानों को पूरी तरह मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है।

सुरक्षा को लेकर सऊदी सरकार का फैसला, अब हज पर नहीं जा सकेंगे बच्चे

रियाद। सऊद अरब ने अब बच्चों की हज में एंट्री बंद कर दी गई। सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय ने कहा है कि हज के दौरान हर साल बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह फैसला लिया है। वहीं, बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकार ने ये फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट में सऊदी सरकार ने जानकारी दी कि साल 2025 में उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो पहली बार हज करने आ रहे हैं। बता दें कि हज 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरु हो चुके हैं। सऊदी के नागरिक और वहां रहने वाले अब नुसुक एज या आधिकारिक वेबसाइट के जरिए से 2025 हज सीजन के लिए औपचारिक रूप से आवेदन कर सकते हैं। नए नियमों के मुताबिक आवेदकों को अपने विवरण सत्यापित करने होंगे और अपने यात्रा साथियों को पंजीकृत करना होगा। 1 फरवरी, 2025 से भारत समेत 14 देशों के लोक केवल एकल-प्रवेश वीजा के लिए पात्र होंगे। इस कदम का उद्देश्य बहु-प्रवेश वीजा के दुरुपयोग को रोकना है, जिसका उपयोग कुछ यात्री आधिकारिक पंजीकरण के बिना हज करने के लिए करते हैं।

राज्यों में जल्द खुलेंगी नारी कोर्ट, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने राज्यों को लिखा पत्र

नई दिल्ली। महिलाओं से संबंधित मामलों के जल्द निपटारे के लिए अब राज्यों में नारी कोर्ट की शुरुआत की जाएगी। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सचिवों को चिट्ठी लिख कर नारी कोर्टें शुरू करने का अनुरोध किया है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मंगलवार को शास्त्री भवन में एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि नारी कोर्ट योजना स्थानीय समुदायों के भीतर महिलाओं के छोटे-मोटे विवादों के समाधान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि नारी कोर्ट शुरु करने के लिए सभी राज्यों को पत्र भेजा गया है। मौजूदा समय में असम और जम्मू-कश्मीर के 50 -50 ग्राम पंचायतों में पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर नारी कोर्टें चल रही हैं। असम में साल 2023-24 में दर्ज 102 मामलों में से 76 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में साल 2023-24 में दर्ज 180 मामलों में 144 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इस संबंध मे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव अनिल मलिक ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सचिवों को लिखी चिट्ठी में कहा कि राज्य में कम से कम 10 ग्राम पंचायतों या अपने केंद्र शासित प्रदेश में 5 ग्राम पंचायतों में पायलट आधार पर नारी कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव भेजें।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

फरवरी माह में ही राज्य में पारा पहुंचा 36 डिग्री

एजेंसीःरांची। राज्य में फरवरी माह में ही तापमान बढकर 36 डिग्री हो गया है। मंगलवार को सरायकेला में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि अभी फरवरी का महीना आधा भी खत्म नहीं हुआ है। देश भर में झारखंड की पहचान एक हरे भरे राज्य के रूप में होती है, लेकिन राज्य गठन के बाद से राज्य में वनों की तेजी से कटाई हो रही है। गांव से लेकर शहरी इलाकों में भी सड़क, पुल और आवास निर्माण समेत अन्य जरूरी विकास कार्यों के लिए हर दिन हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं, जिसका दुष्प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है और तापमान में बढोत्तरी हो रही है। वहीं सरायकेला के बाद चाईबासा और डालटेनगंज में भी तापमान 33 डिग्री पहुंच गया है। दोनों शहरों में अधिकतम तापमान क्रमशः 33.8 और 33.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची की बात करें तो यहां सुबह में हल्की ठंड महसूस की जा रही है, जबकि रात में कनकनी है। हालांकि हवा नहीं चलने से ठंड में कमी आई है। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राज्य में जिन शहरों में तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच गया है उनमें जमशेदपुर 32.2, बोकारो 31.1, गढ़वा 30.9 और गुमला 30.2 डिग्री सेल्सियस शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार आनेवाले चार पांच दिनों तक मौसम साफ रहेगा। इससे अधिकतम तापमान में आंशिक बढोत्तरी होने की संभवना है।

सम्मेद शिखर में 12 मार्च को आदिवासी समाज का जुटान

एजेंसीः गिरिडीहः जैन धर्मावलम्बियों के 20 तीर्थंकर के निर्वाण सम्मेद शिखर और प्राकृतिक उपासक आदिवासियों के प्रधान मारंग बुरु जुग जाहेरथान पारसनाथ पर्वत को लेकर प्राकृतिक उपासकों ने एक बार फिर बड़े आंदोलन का अल्टीमेटम दिया है। पारसनाथ का अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए संथालियों के पूजन स्थल मरांग बुरु दिशोम मांझीथान के सुधीर बास्के ने कहा कि आदिवासियों के पूजन स्थल मरांग बुरु का अतिक्रमण सहन नहीं होगा। आंदोलन के प्रथम चरण में 12 मार्च को देश के कई राज्यों के आदिवासी समाज के बुद्धिजीवियों का जुटान मधुबन में होगा। इसमें आंदोलन की रूप रेखा तय होगी । हालांकि अतिक्रमण का आरोप किन पर है ये सुधीर बास्के ने स्पष्ट नहीं किया है। लेकिन 12 मार्च को एक बड़े आंदोलन का अल्टीमेटम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि चार साल पहले भी सम्मेद शिखर मधुबन के पारसनाथ पहाड़ को लेकर विवाद हुआ था । एक तरफ जैन समाज ने बड़े व्यापक पैमाने पर आंदोलन करते हुए देश भर में प्रदर्शन किया था । दूसरी तरफ झारखंड, बिहार, ओड़िशा और बंगाल के हजारों की संख्या में आदिवासी नेताओं के साथ युवाओं का जुटान मधुबन में हुआ था। इस दौरान मामले की गंभीरता को समझते हुए जिला पुलिस प्रशासन ने शांतिपूर्ण माहौल में दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर विवाद बढ़ने से रोक दिया था। लेकिन एक बार फिर चार साल बाद 12 मार्च को संताली समाज आंदोलन का बिगुल फूंकने की तैयारी में है। पारसनाथ पर्वत को आदिवासी समाज मारंगबुरु पर्वत के रूप में मानते हैं । पर्वत पर प्राचीन जुग जाहेरथान - माझीथान जहां प्राकृति उपासकों की पूजा अर्चना की परम्परा रही है। दूसरी ओर जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों की निर्वाणधरा सम्मेद शिखर है। जहां जैनाचार्यो ने मोक्ष प्राप्त किया । जैन समाज के लिए सम्मेद शिखर तीर्थराज माना जाता है।

तेरह दिवसीय कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

पाकुड़ : सदर प्रखंड के सोनाजोड़ी में स्थित भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी)पाकुड़ की ओर से आयोजित तेरह दिवसीय कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त 31 प्रशीक्षुओ को निदेशक आर्सेटी पाकुड़ श्री राजेश कुमार मिश्रा,जिला प्रबंधक(आजीविका)जेएसएलपीस श्री विरेंद्र कुमार, जेएसएलपीएस महेशपुर और अमरापारा के फूलों झानो योजना के ब्लॉक लीड राजेश कुमार महतो, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मोहन साहा एवं संस्थान के वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने संयुक्त रुप से प्रमाणपत्र दिए। राजेश कुमार मिश्रा ने सभी प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। आर्सेटी द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दिए। कृषि उद्यमी मे प्रशीक्षुओ को कृषि की नई तकनीकी, पशुपालन, बानिकी सह समेकित जानकारी दी गई। विरेंद्र कुमार ने दीदियों को कृषि में उन्नत तकनीकी को अपनाने की सलाह दिए। उन्होंने जेएसएलपीएस द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताए। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अमित कुमार बर्धन ने कहा कि दीदियों को समेकित कृषि के अलावा प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैकिंग, बीमा आदि के संबंध मे विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया।आरसेटी द्वारा ऐसे कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जो ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाती हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र के लिए किया था समर्पित : बाबूलाल

एजेंसीःरांची

प्रदेश भाजपा ने मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को बूथ स्तर पर समर्पण दिवस के रूप में मनाया। नेता एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की तथा राष्ट्र सेवा के लिए समर्पण भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने दीनदयाल को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद कहा कि एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता, भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान कर्मयोगी पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने अपना सम्पूर्ण जीवन जरूरतमंदों की सेवा और राष्ट्रोत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल का बलिदान कार्यकर्ताओं को राष्ट्रसेवा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि स्व. उपाध्याय का आदर्श जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। प्रदेश कार्यालय में स्व दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि पंडित दीनदयाल हमसभी कार्यकर्ताओं के प्रेरणा पुरुष हैं। आज देश भारी मन से उनकी जीवनलीला की असामयिक हत्या को याद कर रहा है। आज भी उनकी हत्या का रहस्य देश के लिए चुनौती है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल का चिंतन एकांगी नहीं था बल्कि उनके चिंतन में शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समावेशी चिंतन है। एक व्यक्ति का संपूर्ण विकास इन चारों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस चिंतन के द्वारा धर्म,अर्थ,काम ,मोक्ष की प्राप्ति के साथ व्यक्ति,समाज,परिवार,राष्ट्र के साथ संपूर्ण ब्रह्मांड का कल्याण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल के चिंतन में अंत्योदय के साथ एकात्म मानव दर्शन समाहित है। गांव ,गरीब,किसान भारत के हैं प्राण। इनकी उन्नति ही अंत्योदय है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसी चिंतन पर तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने,फिर से सोने की चिड़िया बनाने तक भाजपा कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल का विचार युगों युगों तक कार्यकर्ताओं को अनुप्राणित करता रहेगा।<प्रदेश कार्यालय में श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में विधायक सीपी सिंह, प्रदेश मंत्री सीमा पासवान, किशुन दास, सुबोध सिंह गुड्डू, प्रदीप सिन्हा, शिवपूजन पाठक, प्रेम मित्तल, शोभा यादव, संदीप वर्मा, वसंत मित्तल, मुकेश मुक्ता, संजय जायसवाल, संजय चौधरी आदि शामिल हैं।

शादी समारोह में गोली चलने से युवक घायल

एजेंसीःरांची

रांची के धुर्वा इलाके में एक शादी समारोह के दौरान फायरिंग का मामला सामने आया है। इसमें एक युवक को गोली लगी है। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सोमवार देर रात की है। युवक की पहचान गुलशन पांडेय उर्फ मेडी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शादी समारोह में डांस के दौरान अचानक फायरिंग की आवाज आई और गुलशन जमीन पर गिर पड़ा। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि कई लोग डांस कर रहे थे, तभी हादसा हुआ। गोली किसने चलाई, यह किसी ने नहीं देखा। गोली गुलशन की पीठ में लगी है। घटना की सूचना मिलते ही धुर्वा थाना प्रभारी विमल किंडो अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फायरिंग में एक युवक घायल हुआ है लेकिन अभी उसका बयान दर्ज नहीं किया जा सका है। तलाशी के दौरान कोई हथियार भी बरामद नहीं हुआ है। पुलिस को जानकारी मिली है कि गुलशन का डैम किनारे रहने वाले कुछ युवकों से विवाद था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके पर मौजूद

लोगों ने पुलिस को बताया कि भीड़ का सहारा लेकर गोली चलाई गई। जब गोली चली, तो सभी लोग गुलशन को अस्पताल ले जाने में व्यस्त हो गए, जिससे गोली चलाने वाले पर किसी का ध्यान नहीं गया। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

संजय आनंद लाठकर मुंबई में परमाणु ऊर्जा विभाग के आईजी सिक्योरिटी नियुक्त

एजेंसीःरांची

झारखंड कैडर के सीनियर आईपीएस संजय आनंद लाठकर को केन्द्र सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग में आईजी सिक्योरिटी नियुक्त किया गया है। आईपीएस संजय आनंद लाठकर मुंबई स्थित परमाणु मुख्यालय में अपना योगदान देंगे। केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर इस संबंध में मंगलवार को जानकारी दी गई है। झारखंड पुलिस के एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर वर्ष 1995 बैच के आईपीएस हैं और एक तेज तर्रार व ईमानदार पुलिस अधिकारी माने जाते हैं। इससे पहले लाठकर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सीआरपीएफ में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए आईपीएस लाठकर झारखंड चैप्टर के आईजी भी रह चुके हैं। अब संजय आनंद लाठकर एक बार फिर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने लाठकर को एडीजी स्तर और वेतन पर परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत आईजी सुरक्षा के पद पर नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि संजय आनंद महाराष्ट्र के रहने वाले हैं, इसलिए उन्हें एक बार फिर अपने ही राज्य में रहने या यूं कहें

कि रिटायरमेंट तक का मौका मिला है। आईपीएस संजय आनंद के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के बाद झारखंड में एडीजी रैंक के अधिकारियों की कमी हो जाएगी। संजय फिलहाल एडीजी अभियान के पद पर पदस्थापित है।

मंदिर निर्माण के लिए किया पांच लाख का सहयोग

एजेंसीःरांची

सिमडेगा में बने श्री श्याम मंदिर में खाटू वाले श्याम बाबा के भक्त अजय मयंक जैन और आनंद गोयल (नेहा ट्रैक्टर) वाले रांची से मंगलवार को सिमडेगा पहुंचे और श्याम मंदिर का अवलोकन किया और बाबा की मोर छड़ी का मोर पंख जो अपने साथ लाए थे उसका पूजन किया। अजय मयंक जैन परिवार द्वारा अपने हाथों द्वारा पांच लाख रुपए मंदिर निर्माण में सहयोग दिया और मंदिर निर्माण में और सहयोग करने का आश्वासन दिया। मोहन दास महाराज खाटू वाले से फ़ोन पर स्वीकृति भी मिल गई है उनके सानिध्य में ही प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम कराया जाएगा। उनका बहुत जल्द आगमन सिमडेगा में होगा। वहीं रांची से पहुंचे श्याम प्रेमियों का श्री श्याम मित्र मंडल सिमडेगा की ओर से स्वागत किया गया। मंदिर में संरक्षक अमरनाथ वामलिया, अध्यक्ष पवन जैन, सचिव संजय शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, रजनीश अग्रवाल, सरत वामलिया, अमित अग्रवाल, पिंकुल अग्रवाल, मुरारी वामलिया, मुन्ना अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, संतोष देवी उपस्थित रहे। श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति, रांची के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने रांची के श्याम भक्त द्वारा सिमडेगा में श्री श्याम मंदिर का निर्माण के पुन्य कार्य में दिए गए सहयोग की प्रशंसा की है।

सीओ तकनीकी कारणों का हवाला देकर आवेदन रिजेक्ट किया तो होगी कार्रवाई : मंत्री

एजेंसीःरांची

भू–राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि अंचलों में तकनीकी कारणों का हवाला देकर रैयतों के आवेदनों को बेवजह रिजेक्ट करने वाले सीओ पर अब कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अंचलों में दाखिल खारिज संबंधित मामलों पर आवेदनों की अस्वीकृत या आपत्ति के कारणों को सीओ को स्पष्ट कारण बताना अनिवार्य होगा। मंत्री बिरुआ मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में भू–राजस्व, भूमि सुधार विभाग की समीक्षात्मक बैठक में संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार तकनीकी कारणों से झारभूमि साइट नहीं खुलने की बातें लिखकर, अंचल अधिकारी आवेदनों को जिस तरह रिजेक्ट करने का बहाना बनाते हैं। अब ऐसा नहीं चलेगा। जमीन मामले में अंचलों में कई गड़बड़ियां हैं। इसका भुगतान सरकार को उठाना पड़ता है। इसलिए सभी अंचल अधिकारी पदाधिकारी सचेत होकर ईमानदारी से अपने कार्य दायित्व का निर्वहन करें। मंत्री ने कहा कि कई मॉडर्न रिकॉर्ड रूम से खतियान निकालने पर सही छपाई नहीं होती। खतियान फोटो कॉपी नहीं दिखता है। ऐसी विसंगतियों को दुरुस्त किया जाए। स्पष्ट स्कैनिंग नहीं होने पर रैयतों को अपने जमीन की सही जानकारी नहीं मिलती। खतियान निकालने के बाद भी रैयतों को परेशानी नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मॉडर्न रुम में कैथी और बंगला भाषा में लिखी खतियान को ट्रांसलेट करने सुविधा देने की आवश्यकता है। एनएचएआई कार्य परियोजना को लेकर मंत्री ने दो टूक कहा कि जहां तहां आरओबी बनाने के चक्कर में ग्रामीण सड़कों को छोड़ दिया जाता है, जो गलत है। आरओबी ऊपर में बनने और नीचे जगह छूटने से आमजनों को परेशानियां होती है। उन्होंने लैंड एक्वीजेशन को लेकर समय पर मुआवजा दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि एनएचएआई की जिम्मेदारी है कि पदाधिकारी लैंड एकयूजेशन संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान करें। विभागीय सचिव चंद्रशेखर ने कहा कि राजस्व संग्रहण का वार्षिक लक्ष्य के तहत कार्य किया जाए। कमजोर प्रदर्शन करने वाले अंचलों की समीक्षा कर सुधारात्मक रणनीति अपनाई जाएगी। उन्होंने एलआरडीसी और एसी को अंचलों में लगनेवाले कैंप की विशेष निगरानी करने का खास निर्देश दिया। मौके पर भू राजस्व विभाग के निदेशक भोर सिंह यादव ने दाखिल खारिज करने के अनुचित कारणों और इसके अद्यतन स्थिति, वेब पीएन की सुविधा दिलाने, जिलों में भू–लगान के निर्धारण एवं ऑनलाइन भुगतान करने, भूमि सीमांकन के लंबित मामलों की स्थिति समेत अन्य विभागीय कार्यों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मी ससमय सभी कार्यों के निष्पादन के लिए समन्वय स्थापित कर काम करें। बैठक मंत्री दीपक बिरुआ के अलावा सचिव चंद्रशेखर, विशेष सचिव शशि प्रकाश झा, भूमि निदेशक भोर सिंह यादव समेत जिलेभर से आए एलआरडीसी, एडिशनल कलेक्टर समेत अन्य अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

पैनम कोल के खिलाफ याचिका में झारखंड सरकार के जवाब से हाई कोर्ट असंतुष्ट

एजेंसीःरांची

पैनम कोल माइंस के अवैध खनन की सीबीआई जांच और विस्थापितों के पुनर्वास की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के जवाब से असंतुष्टि जाहिर करते हुए दोबारा बिंदुवार और स्पष्ट जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब हाई कोर्ट 19 फरवरी को इस मामले में सुनवाई करेगा। पैनम माइंस नाम की कंपनी को वर्ष 2015 में सरकार ने पाकुड़ और दुमका जिले में कोयला खनन का लीज दिया था, लेकिन उस पर यह आरोप है कि उसने लीज से ज्यादा खनन किया जिससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। इस संबंध में हाई कोर्ट के अधिवक्ता राम सुभग सिंह ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच इस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला हुई आयोजित

एजेंसीःलोहरदगा

नेशनल इनफॉरमेटिक्स सेंटर (एनआईसी) की ओर से मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस-2025 के अवसर पर टुगेदर फॉर अ बेटर इंटरनेट डे विषय पर नगर भवन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत समेत अतिथियों की ओर से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान युग में हम सभी इंटरनेट पर अधिकतर कार्यों के लिए निर्भर हो चुके हैं। सोशल मीडिया, ऑनलाईन बैंकिंग, ऑनलाईन पेमेंट या कई ऐसे कार्य हैं जो इंटरनेट के बिना संभव नहीं है। 99 प्रतिशत युवा सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक है

कि कोई भी निजी जानकारी सोशल मीडिया पर साझा ना की जाए। इंटरनेट की स्पीड एमबीपीएस प्रति सेकेंड की स्पीड से मिल रही है। कुछ वर्षों पहले हमें काफी धीमा इंटरनेट मिलता था लेकिन डेटा लीक होने का खतरा कम या नहीं के बराबर था। स्पीड इंटरनेट में कोई भी डेटा कहीं भी तुरंत ट्रांसफर किया जा सकता है। डेटा लीक होने का खतरा बढ़ा है। मोबाईल एक पावरफुल गैजेट बन गया है। चुटकी बजाते ही दुनिया के किसी कोने में बैठे व्यक्ति से संवाद स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा अधिकतर समय मोबाईल पर व्यतीत कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर हमेशा उपलब्ध हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि अपना सोशल मीडिया अकाउंट सुरक्षित रखा जाय। युवा अपनी जिम्मेवारी निभाते हुए अपना डेटा सुरक्षित रखें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अगर आपके साथ किसी भी प्रकार का साइबर क्राईम हो जाता है तो पुलिस का तुरंत इसकी सूचना दें। डायल 1930 का विकल्प आपके पास है। नजदीकी थाने या साइबर थाने में संपर्क कर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इंटरनेट का उपयोग बहुत आम हो गया है। कोई भी इससे अछूता नहीं है लेकिन जरूरत है अपना विवेक इस्तेमाल करने और अपना अकाउंट सुरक्षित रखने की। आपके साथ फोन पर कॉल के माध्यम से, व्हाट्सअप कॉल के माध्यम से, मैसेज में लिंक के माध्यम से आपको फंसाने की कोशिश की जाती है। इससे आप सावधान रहें। कभी भी किसी के द्वारा कोई भी बैंक खाता संबंधी, एटीएम कार्ड संबंधी, आधार कार्ड संबंधी आदि की सूचना फोन पर मांगे जाने पर उसे ना दें। यह साइबर फ्रॉड हो सकता है। व्हाट्सअप ग्रुप में कोई भी लिंक पर क्लिक नहीं करें। कोई नया एप किसी लिंक के माध्यम से डाउनलोड और इंस्टॉल नहीं करें।उप विकास आयुक्त ने कहा कि युवा आयोजित कार्यशाला से स्वयं भी जागरूक हों और अन्य को भी जागरूक करें। कार्यशाला में बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

केंद्र की योजनाओं को राज्य में क्रियान्वित करने के प्रति उदासीन है हेमंत सरकार: प्रतुल शाह देव

एजेंसीःरांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर केंद्र की योजनाओं को धरातल में उतारने के प्रति उदासीन होने बड़ा आरोप लगाया। प्रतुल ने कहा कि दिखावा के लिए मुख्यमंत्री और राज्य के वित्त मंत्री केंद्रीय मंत्रियों को मांग पत्र सौंपते हैं, लेकिन पहले से चल रही केंद्रीय योजनाओं का राज्य में बुरा हाल है। मंगलवार को प्रदेश भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि सर्वप्रथम मनरेगा में केंद्र सरकार के हिस्सेदारी के पैसे का यूटिलिटी सर्टिफिकेट राज्य ने नहीं सौंपा। जिसके कारण लंबे समय तक केंद्र के अंशदान पर ग्रहण लग गया था। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना में भी केंद्र और राज्य का संयुक्त योगदान होता है। केंद्र ने इस योजना में जो पैसा दिया उसका राज्य सरकार ने फिर से समय पर यूटिलिटी सर्टिफिकेट नहीं दिया, जिसके कारण प्रधानमंत्री आवास योजना में

भी झारखंड काफी नीचे के पायदान पर है। प्रतुल ने कहा कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान योजना में केंद्र से अंशदान मिल जाने के बावजूद राज्य सरकार ने अनेक निजी अस्पतालों को समय पर भुगतान नहीं किया था। इसके कारण सैकड़ों निजी अस्पतालों ने आयुष्मान कार्ड के बदौलत मरीजों का दाखिला लेना बंद कर दिया। प्रतुल ने कहा कि हर घर में नल से जल योजना का झारखंड में हेमंत सरकार ने बुरा हाल कर दिया। इस योजना में एक समय झारखंड नीचे से एक पायदान ऊपर था। आज भी राज्य के 28 लाख घरों में नल से जल नहीं पहुंच पाया है। केंद्र की यह स्कीम भी भ्रष्टाचार के आरोप में चढ़ गई थी और तत्कालीन मंत्री के करीबियों सहित अनेक लोगों के यहां छापा पड़ा था। प्रतुल ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। परंतु राज्य सरकार केंद्र के पैसे का हिसाब नहीं देती। जिसके कारण पूरा मामला खटाई में फंस जाता है। प्रतुल ने मुख्यमंत्री से अपील की कि वह केंद्र के पैसे का सदुपयोग करें। क्योंकि प्रधानमंत्री, अमित शाह, नितिन गडकरी समेत कई मंत्रियों ने अनेक बार कहा है कि वह राज्यों को पैसे की कमी नहीं होने देंगे बशर्ते नियम कानून का पालन हो।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

बेहतर स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार जरूरी : डॉ श्रवण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा सत्र 2024-25 में पीपीएच के अंतर्गत अपना तीसरा कैंप अमृत पार्क, फेज-5 में लगाया गया। कैंप में चिकित्सकों द्वारा लोगों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की गई। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष विनोद चोपड़ा ने बताया कि शिविर द्वारा नियमित जांच कराकर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रेरित किया गया। चोपड़ा ने खान-पान पर भी ध्यान देने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

जांच शिविर में उपस्थित बीजीएच के सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ श्रवण कुमार ने कहा कि जंक फूड से दूर रहें एवं फल सब्जियों सेवन से वे काफी हद तक स्वस्थ रह सकते हैं। डॉ श्रवण ने कहा कि मोटापा आज विश्व की सबसे बड़ी बीमारी हो गई है। उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार लेने पर जोर दिया। डॉ सुमन कुमार ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ भारत एवं विकसित भारत का निर्माण कर सकता है। डॉ सुमन ने कहा कि समय पर पता चलने से कई बीमारियों के इलाज संभव है।

रोटरी क्लब के सचिव मुकेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर में 35 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। मुकेश ने बताया कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, वजन इत्यादि की निःशुल्क जांच के बाद चिकित्सा सलाह दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ श्रवण कुमार, डॉ सुमन कुमार, विनोद चोपड़ा, मुकेश अग्रवाल, ललिता चोपड़ा, डॉ पुष्पा, डिंपल कौर आदित्य सराहनीय योगदान रहा।

जे.ई.ई.मेंस में चिन्मय विद्यालय का शानदार रिजल्ट

» 99.35 परसेंटाइल के साथ अतिन गौरव बना टॉपर
» 95 परसेंटाइल से अधिक 23 छात्र अब तक सफल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : 2024-25 के जे.ई.ई.मेंस के पहले फेज में चिन्मय विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रर्दशन करते हुए बाजी मारी। विद्यालय का परिणाम उत्कृष्ट रहा है। विद्यालय का छात्र अतिन गौरव (99.35) परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय में पहले स्थान पर आया हैं, जबकि अश्विन (99.33) एवं रजनीश (98.99) परसेंटाइल लाकर क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे है।

अतिन गौरव, अश्विन कुमार, आर्यन , नारायण राय, वेद कुमार, अभ्यास मल्लिक आदित्य राज, मीनाक्षी कुमारी, शिवम रंजन, हर्ष लक्षीरामका, रजनीश कुमार, शरण्या रंजन, इशान गोप, भव्या विक्रम, सत्यम सोनी, एकांश महावार, श्रेयांश मिश्रा, अदित्या, आकर्श देव, रिशी प्रसाद, आदर्श राय, अभिषेक, प्रेम कुमार, रोहित राज, प्रिंस रॉय, एकता आकृति, अंकित कुमार, शुभम कुमार, रितु राज, अमृत कुमार सहित समाचार लिखे जाने तक 42 से अधिक बच्चे ने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किये।

विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के वरीय शिक्षको के मार्गदर्शन एवं बच्चे के कड़ी मेहनत के कारण यह शानदार सफलता मिली है। उन्सहोंने सभी सफल छात्रों, उनके अभिभावको एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों को इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए हार्दिक बधाई दी है। साथ ही, उम्मीद जताई कि दूसरे फेज एवं आई.आई.टी0 एडवांसड में और भी बेहतर परिणाम होगा। उन्होने सभी सफल छात्रों का हौसला बढाते हुए कहा कि आने वाले समय में पूरा ध्यान एवं पूरा समय पढ़ाई पर दें। साथ ही, समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। यही परिश्रम कभी पीछे मूड़कर देखने का मौका नहीं देगा। समाचार लिखे जाने तक प्राप्त सूचना के अनुसार 42 से अधिक छात्र-छात्राओं के 90 से अधिक परसंटाइल आया है, जबकि आधे से अधिक छात्रों के बारे में समाचार आना बॉकी है।

प्राचार्य सूरज शर्मा के साथ-साथ परम पूज्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती (आचार्या चिन्मय मिशन,बोकारो), बिश्वरूप मुखोपाध्याय (अध्यक्ष), महेश त्रिपाठी (सचिव) एवं उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार एवं वरीय शिक्षक अजय कुमार सिंह, देवज्योती बराल, ए एन उपाध्याय, प्रफुल्ल कुमार सिंह , कुमोद रंजन सिंह, अशोक चैबे ,राज कुमार, चंदन कुमार सिंह एवं आदि ने सभी सफल छात्रों को बधाई दिया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अनियंत्रित ट्रैक्टर के चाहरदीवारी से टकराने से चालक की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधाराः पलामू। जिले हरिहरगंज थाना क्षेत्र के भगत तेंदुआ गांव के समीप एनएच 139 पर मंगलवार को सीमेंट लोड एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे चालक की मौत हो गयी।

ट्रैक्टर सड़क किनारे बने नाले पर चढ़ते हुए चाहरदीवारी से जा टकराया। इसी क्रम में ड्राइवर उछलकर नीचे जा गिरा, जिससे ड्राइवर की मौत हो गयी। मृत चालक की पहचान कटैया पंचायत के बांसों गांव निवासी कृष्णा राम के पुत्र राजू राम के रूप में हुई।

मिली जानकारी के अनुसार चालक ट्रैक्टर पर सीमेंट लोड कर कौवाखोह की ओर जा रहा था। तभी भगत तेंदुआ के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नाले पर चढ़ते हुए इंडेन गैस एजेंसी की चाहरदिवारी में जा टकराया, जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली और इंजन के बीच हिंच टूट गया और चालक गिरकर बुरी तरह से घायल हो गया। आसपास के लोगों की मदद से उसे घायलावस्था में सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वीर शहीद तिलका मुर्मू की जयंती पर सेंगेल अभियान का श्रद्धांजलि कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : मंगलवार को जरीडीह प्रखंड के खुटरी पंचायत, ठाकुर टांड़ (रांगाघुटू) में आदिवासी सेंगेल अभियान के तहत वीर शहीद तिलका मुर्मू की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने वीर योद्धा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया।

तिलका मुर्मूः भारत के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी– कार्यक्रम में उपस्थित झारखंड प्रदेश संयोजक करमचंद हांसदा ने कहा कि तिलका मुर्मू भारत के पहले स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने 1771 से 1784 तक अंग्रेजी शासन के खिलाफ आदिवासियों के हक और अस्तित्व की लड़ाई लड़ी। उन्होंने अपने लोगों को संगठित कर गुलामी और अन्याय के खिलाफ विद्रोह किया। हांसदा ने कहा कि आज के समय में भी आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के लिए जागरूक और एकजुट होने की जरूरत है।

आदिवासी समाज के सामने बढ़ती चुनौतियां– बोकारो जिला अध्यक्ष सुखदेव मुर्मू ने कहा कि आज आदिवासी समाज अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। सरना धर्म कोड, CNT/SPT कानून, विस्थापन, झारखंडी डोमिसाइल, संताली भाषा-संस्कृति जैसे मुद्दे खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर नशापान, अंधविश्वास, डायन प्रथा, धर्मांतरण, वोटों की खरीद-फरोख्त जैसी समस्याओं से आदिवासी समाज ग्रसित है, लेकिन समाज के पढ़े-लिखे युवा, छात्र, नौकरीपेशा लोग और राजनीतिक नेता इस पर चुप्पी साधे हुए हैं।

21 फरवरी को संताली भाषा के लिए होगा रैली– सुखदेव मुर्मू ने घोषणा की कि 21 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर झारखंड में संताली भाषा (ओलचिकी) को प्रथम राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए रैली निकाली जाएगी। उन्होंने सभी आदिवासी संगठनों से इस अभियान में शामिल होने की अपील की।

उपस्थित गणमान्य लोग– इस अवसर पर झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन, जिला संयोजक गोपीनाथ मुर्मू, युवा मोर्चा चास प्रखंड से कालीचरण किस्कू, विजय मार्डी, मालोती टुडू, ललीता सोरेन सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ के दो जवानों पर जमीन कारोबारी की हत्या का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः चमसोबाद निवासी 50 वर्षीय जमीन कारोबारी चंडीचरण शर्मा की संदेहास्पद मौत के मामले में चास मुफस्सिल पुलिस ने मंगलवार को दो सीआईएसएफ जवानों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है।

आरोपी जवानों की पहचान बरमसिया निवासी राजकुमार उर्फ पप्पू रवानी और चंद्रपुरा निवासी नारायण साव के रूप में हुई है। दोनों मध्य प्रदेश सीआईएसएफ यूनिट में कार्यरत थे।

परिजनों के मुताबिक, जमीन विवाद के कारण दोनों आरोपियों ने चंडीचरण शर्मा को घर से बुलाया और चांदनकियारी, धनबाद ले गए। वहां खाने-पीने के दौरान उनकी हत्या कर दी गई।

हत्या के बाद मृत शरीर को सदर अस्पताल में रखकर परिजनों को फोन पर सूचना दी गई। इस बीच, परिजन एक थाने से दूसरे थाने चक्कर लगाते रहे।

मामले में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

चंद्रपुरा में चोरों का आतंकः पुलिस की निष्क्रियता से बढ़ रहा अपराध

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः चंद्रपुरा थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है, और पुलिस की अकर्मण्यता के चलते अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला चंद्रपुरा मध्य विद्यालय के प्रिंसिपल के घर का है, जहां चोरों ने नगद समेत करीब 20 लाख रुपये के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह घटना थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई, लेकिन पुलिस फिर भी मूकदर्शक बनी रही।

पुलिस की निष्क्रियता ने बढ़ाई चोरों की हिम्मत– स्थानीय लोगों के अनुसार, चंद्रपुरा क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बावजूद पुलिस अब तक किसी भी मामले का उद्भेदन नहीं कर पाई है। पुलिस की इस निष्क्रियता से अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे खुलेआम चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

डर और आक्रोश में लोग, पुलिस पर उठे सवाल– डीवीसी चंद्रपुरा के आवासीय क्वार्टरों में चोरी की घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। पीड़ित परिवार ने बताया कि चोरी की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है, और वे पुलिस प्रशासन से जवाब मांग रहे हैं।

कानून-व्यवस्था पर संकट, क्या जागेगी पुलिस?– अगर पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो जनता का कानून-व्यवस्था से भरोसा उठ सकता है। सवाल यह है कि चंद्रपुरा पुलिस सिर्फ मूकदर्शक बनी रहेगी या अपराध पर लगाम लगाने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी? अपराधियों को खुली छूट देने वाली इस लापरवाही का जवाब आखिर कौन देगा?

बीएसएल से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को दी गई एक नए सफर की जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट से फरवरी 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से मंगलवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में एक नए सफ़र की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन - अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया। डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) और योग विशेषज्ञ कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया।

उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) सुश्री दीपशिखा ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। नगर प्रशासन विभाग से दिवाकर शरण, कनीय प्रबंधक ने आवास प्रतिधारण नीति के बारे में बताया। बैंक ऑफ़ इंडिया के अधिकारी अजय कुमार तथा उनकी टीम के लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सीनियर सिटीजन के लिए धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। सुश्री फिजा परवीन, ओ.सी.टी.(मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक श्रीमती कल्पना के धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ।

बोकारो में इंटर स्टील प्लांट क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बीएसएल के क्रिकेट स्टेडियम में इंटर स्टील प्लांट क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) कुंदन कुमार, महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) सी.आर.के. सुधांशु, महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) ए.के. अविनाश, सहायक महाप्रबंधक (स्पोर्ट्स एंड सीए) सुभाष रजक सहित अन्य अधिकारी तथा क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे।

उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) ने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेल स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करते हैं, जो न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए, बल्कि पेशेवर जीवन में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इंटर स्टील प्लांट क्रिकेट चैंपियनशिप एक ऐसा अवसर है, जो टीम भावना को सशक्त बनाता है और कर्मचारियों के बीच सहयोग, एकता और सौहार्द का वातावरण उत्पन्न करता है।

इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें दो समूहों में बांटा गया है। पहले समूह में दुर्गापुर स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, इस्को स्टील प्लांट और भिलाई स्टील प्लांट की टीमें हैं, जबकि दूसरे समूह में आरआईएनएल-विशाखापत्तनम, वीआईएसएल-भद्रावती, सलेम स्टील प्लांट और बोकारो स्टील प्लांट की टीमें प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। यह टूर्नामेंट आगामी 15 फरवरी 2025 तक चलेगा।

भिलाई को हराकर बोकारो बना विजेता– आज पहले दिन खेले गए मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। बोकारो स्टील प्लांट ने भिलाई स्टील प्लांट को 5 विकेट से पराजित किया, वहीं सेलम स्टील प्लांट ने राउरकेला स्टील प्लांट को 6 विकेट से हराया। आरआईएनएल ने इस्को स्टील प्लांट को 7 विकेट से मात दी, जबकि दुर्गापुर स्टील प्लांट ने वीआईएसएल को 10 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस चैंपियनशिप का मुख्य उद्देश्य स्टील प्लांट्स के बीच खेल भावना को बढ़ावा देना और आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना है।

तांतरी में तिलका मांझी को दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास प्रखंड मानगो दामोदर नदी नया पुल के समीप तांतरी तिलका मांझी चौक में स्थानीय लोगों ने पूर्व मुखिया मंतोष सोरेन के नेतृत्व में देश की आजादी में अंग्रेजों से लोहा लेने वाले वीर योद्धा तिलका मांझी के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका जयंती समारोह मनाया। पूर्व मुखिया ने कहा कि मानगो भंडारीदह चौक पर विगत कई वर्षों से प्रत्येक साल बाबा तिलका को लोग याद करते आ रहे हैं। इसी स्थान पर बाबा की प्रतिमा लगाई जाएगी। ऐसे स्वतंत्रता सेनानी खुद कुर्बानी देकर हमें आजाद भारत दे गए। मौके पर दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

जेईई मेन -1 में डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने फिर लहराया कामयाबी का परचम

99.76 परसेंटाइल के साथ आरुष बना टॉपर, 50 से अधिक विद्यार्थियों ने मारी बाजी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित देश की प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी कामयाबी का परचम लहराया है। इस साल आयोजित जेईई मेन के प्रथम सत्र में विद्यालय के 50 से अधिक विद्यार्थी सफल रहे। विद्यालय के मेधावी छात्र आरुष बनर्जी ने सर्वाधिक 99.76 परसेंटाइल अंक हासिल कर सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है। जबकि, प्रिंस कुमार पांडेय 99.65 पर्सेंटाइल लाकर दूसरे तथा उज्ज्वल सिंह 99.20 पर्सेंटाइल के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

समाचार लिखे जाने तक प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट सफलता पाई है, उनमें आरुष बनर्जी (99.76), प्रिंस कुमार पांडेय (99.65), उज्ज्वल सिंह (99.20), अपूर्व झा (98.99), अक्षित (98.86), आकर्ष दुबे (98.66), रितेश कुमार महतो (98.62), ख्याति सिन्हा (98.60), अभिनीत शरण (98.05), अभिनव कश्यप (98), नितिन कुमार सिंह (97.93), आदित्य शर्मा (97.76), आशीष कुमार (97.01), अर्पित कुमार सिंह (96.97), रिषिमा तिवारी (96.83), अनुप झा (96.76), कनिष्ठ शर्मा एवं शिवम कुमार (96.44), अधृत सिंह (96.06), मयंक राज (95.51), सिद्धांत शर्मा (95.39), बंदिता महता (94.89), मनीष कुमार (93.64), मृत्युंजय कुमार (93.55), शिवम (93.28), सुदर्शन आरोही (92.10), अनंत दुबे (92.08), पलक्ष (91.61), उत्कर्ष (91) सहित 50 से अधिक ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्होंने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल किए हैं।

ज्ञातव्य है कि एनटीए जेईई मेन का दो सत्रों में आयोजन कर रही है। परीक्षा का पहला सत्र 22 जनवरी से 31 जनवरी के बीच हुआ था, जबकि दूसरा सत्र आगामी 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 की अवधि में आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बोकारो में जेईई मेन- 1 के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। पहला सेंटर चास में नवाडीह मूर्तिटांड़ स्थित आरआर टेक्नोलॉजी और दूसरा चिकसिया (चास) में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर को बनाया गया था। परीक्षा में कुल 3350 अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. ए.एस. गंगवार ने इस शानदार परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सफल विद्यार्थियों को बधाई दी तथा कहा कि हमारे छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता गरिमा में चार चांद लगाया है। प्राचार्य ने आगामी परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

तालझारी पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः तालझारी थाना क्षेत्र की पुलिस ने मंगलवार को दहेज प्रताड़ना मामले के फरार वारंटी मो. नसीम अंसारी उम्र 42 वर्ष पिता मो. मकबूल साकिन छोटी भगियामारी को गिरफ्तार करने के बाद मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. मुकेश कुमार ने आरोपी का मेडिकल जांच किया। उधर मामले को लेकर तालझारी थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी किया गया था जहां आरोपी अपने घर से फरार चल रहा था। उधर गुप्त सूचना मिली कि आरोपी जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के आजाद नगर रोड में बिजली पोल लगाने का काम कर रहा है जहां मौके वारदात पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हथियार और गांजा के साथ एक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः<पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के टेल्को थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार की रात गश्ती के दौरान अवैध हथियार और गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को एसएसपी किशोर कौशल ने पत्रकारों को बताया कि सोमवार रात पुलिस गश्त कर रही थी। तभी थीम पार्क के पास एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने उसे पीछा कर पकड़ लिया। युवक की पहचान करमू मानकी उर्फ करण माझी के रूप में हुई, जो घाटीडूबा, घाटशिला का रहने वाला है। तलाशी में उसके पास से हथियार व दो जिंदा कारतूस और 1.865 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने करमू को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी कौशल ने बताया कि गश्ती दल की सतर्कता के चलते आरोपित पकड़ा गया।

दिल्ली को जनता ने आपदा से मुक्ति दिला दीः बाबूलाल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः धनबाद। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने धनबाद के सरायढेला गोल बिल्डिंग चौक पर महान स्वतंत्रता सेनानी बाबा तिलका मांझी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी का झारखंडी नृत्य के साथ भव्य स्वागत किया गया। बाबूलाल ने मंगलवार को बाबा तिलका मांझी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ अपने अदम्य साहस और संघर्ष से उन्होंने न केवल झारखंड, बल्कि सम्पूर्ण भारत को स्वतंत्रता की ओर प्रेरित किया। उनका बलिदान और संघर्ष हमें हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता रहेगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर उन्होंने कहा कि आप पार्टी दस वर्षों तक दिल्ली की जनता से झूठ बोलती रही। दिल्ली की जनता को केवल ठगने का ही काम किया। भाजपा को एक शानदार जीत मिली है और प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि दिल्ली को इस बार दिल्ली की जनता ने आपदा से मुक्त करने का काम की है। पिछले दिनों धनबाद में आयोजित झामुमो के स्थापना दिवस समारोह के मंच से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का यह भाषण कि केंद्र सरकार अगर झारखंड सरकार का बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ नहीं देती है तो राज्य से कोयला बाहर नहीं जाने देंगे, उनके इस भाषण पर पलटवार करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इसमें चिंता करने की बात नहीं है, जब कोयला रोकेंगे तब देखा जायेगा, उसके लिए केंद्र सरकार है। कार्यक्रम के दौरान बाबा तिलका मांझी स्मारक समिति, धनबाद के सौजन्य से स्थापित प्रतिमा का निर्माण करने वाले मूर्तिकार अर्जुन राम पाल को मंच से बाबूलाल मरांडी के हाथों मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

नाबालिग पर आया दिल, तो कर लिया अगवा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रामगढ़। एक तरफा प्यार हमेशा भारी पड़ता है। यह कहावत रामगढ़ में एक बार फिर चरितार्थ हुई है। यहां एक युवक ने अपने दोस्तों और परिजनों के साथ मिलकर एक ऐसी वारदात को अंजाम दिया, जो लोगों के लिए एक सबक बन गया। एक नाबालिग पर एक युवक का दिल आया, तो उसने अपने दोस्तों और परिजनों के साथ मिलकर उसका अपहरण कर लिया। यह मामला जब रामगढ़ थाने पहुंचा तो पुलिस भी सक्रिय हो गई। उन्होंने पुलिस को बताया था कि उनकी बेटी छह फरवरी को अपने घर पलामू से नानी के घर रामगढ़ जिले के सिरका अरगड्डा, चौहान मोहल्ला में रहने आई थी। नौ फरवरी को नवाडीह जयपुर निवासी तौकीर आलम अपने दोस्त शमशेर आलम के साथ बाइक (जेएच 03 एएन 3576) से चौहान मोहल्ला पहुंचा और उनकी बेटी का अपहरण कर लिया। यह अपहरण शादी की नीयत से किया गया था। उसने उनकी बेटी के साथ गलत कार्य भी किया है। रामगढ़ पुलिस के जरिये वायरल किए गए तस्वीरों के आधार पर खलारी स्टेशन पर तौकीर और अपहृत युवती की पहचान हुई। रामगढ़ पुलिस खबर मिलते ही वहां पहुंची। पुलिस को देख तौकीर युवती को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने नाबालिग युवती को बरामद तो कर लिया पर तौकीर आलम की तलाश जारी है। पीड़िता के पिता ने इस मामले में तौकीर आलम समेत छह लोगों पर प्राथमिकी 44/25 दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अपहरण में तौकीर के दोस्त और उनके परिजन भी शामिल हैं। इस प्राथमिकी में पलामू जिले के रुदीडीह निवासी रजिया खातून उर्फ़ मुन्नी, नावाडीह जयपुर निवासी शमशेर आलम, हसनैन अंसारी, तौकीर के मामा मसरूर अंसारी और मंजूर अंसारी को अभियुक्त बनाया गया है।

बोकारो में सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर दी गई डिजिटल सुरक्षा की जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय सभागार में मंगलवार को उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देशानुसार सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर एक कार्यशाला आयोजित कर उसमें लोगों को डिजिटल सुरक्षा पर विशेष जानकारी दी गई। इस वर्ष की थीम- साथ मिलकर एक बेहतर इंटरनेट के लिए पर आधारित इस कार्यक्रम में इंटरनेट सुरक्षा और जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी धनंजय कुमार ने उपस्थित लोगों से इंटरनेट का सावधानीपूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंटरनेट का उपयोग करते समय यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि साइटें प्रामाणिक हों। उन्होंने यह भी सलाह दी कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी को फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अनावश्यक रूप से साझा करने से लोगों को बचना चाहिए।

उन्होंने बताया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसके डोमेन की जांच करना बेहद जरूरी है। फर्जी साइटों से बचने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी भी एसएमएस के माध्यम से प्राप्त लिंक को खोलने से पहले उसकी जांच-पड़ताल कर लेनी चाहिए। इंटरनेट का उपयोग करते समय अन्य महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की अपील की। कहा कि इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के लिए सामूहिक प्रयास और जागरूकता अति आवश्यक है।

इससे पूर्व, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस के संबंध में सभी को बताया। कहा कि, यह हर साल फरवरी के दूसरे सप्ताह के मंगलवार को मनाया जाता है। मौके पर साइबर थाना बोकारो के एसआई कृष्णा कुमार कुशवाहा ने कहा कि इंटरनेट एक शक्तिशाली माध्यम है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराध, डेटा चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर बुलिंग जैसी समस्याएं भी बढ़ी हैं। उन्होंने साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्राइवेसी और इंटरनेट के सकारात्मक उपयोगों, कंट्री कोड को देखते हुए कॉल को रिसीव करने, निजी सूचना किसी के साथ शेयर नहीं करने के संबंध में बताया। वहीं, साइबर अपराध से संबंधित कोई भी शिकायत अविलंब 1930 पर एवं साइबरक्राइम.गव.इन पर करने की बात कहीं। कार्यशाला में एडीआईओ अमरेश कुमार, यूआईडी डीपीओ शैलेंद्र मिश्र, नेटवर्क इंजीनियर पल्लव घोष, सहायक जन-संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि ने अपने विचार रखे।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग व नगर थाना क्षेत्र की पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

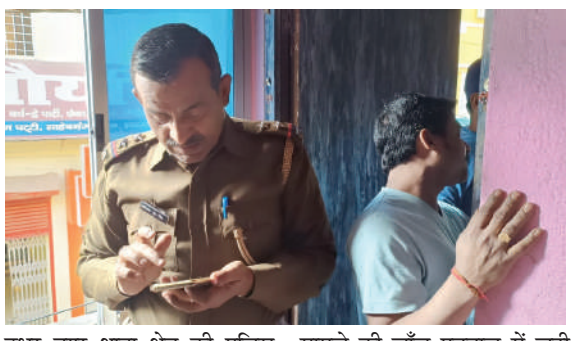

साहिबगंजः नगर थाना क्षेत्र के चौक बाजार महाजन पट्टी में मंगलवार दोपहर शॉर्ट सर्किट के कारण एसी में आग लगने से पुरे कमरे में आग लग गई जिससे मकान मालिक को हजारों रुपए की क्षति हुई हैं। उधर आग लगने की सुचना मिलने के बाद नगर थाना पुलिस व अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बताया जाता हैं की चौक बाजार महाजन पट्टी निवासी ललित अग्रवाल के घर उनके बेटे अंकित अग्रवाल के बेडरूम में अचानक आग लग गई जिससे एसी सहित कमरे का सारा फर्नीचर जल गया। वही गनीमत अच्छी थी की उस वक्त कमरे में कोई नहीं था। उधर जब आग का धुंआ कमरे से बाहर निकलने लगा तब घर के लोगों को इसका पता चला जिसके बाद आस पड़ोस की मदद से आग पर काबू पाया गया। उधर नगर थाना क्षेत्र की पुलिस व अग्निशमन विभाग की टीम पूरे मामले की जाँच पड़ताल में जुटी हुई है।

समिति करा रही निःशुल्क महाकुंभ और अयोध्या यात्रा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची

रांची के साउथ रेलवे कॉलोनी में श्री श्री मां काली मंदिर एवं शिव मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क महाकुंभ और अयोध्या दर्शन यात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा 12 फरवरी दोपहर एक बजे छह बसों के माध्यम से अयोध्या और महाकुंभ के लिए प्रस्थान करेगी और 15 फरवरी को वापस रांची आएगी। इस यात्रा में कुल 250 श्रद्धालु शामिल होंगे, जो महाकुंभ में गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेना है। यात्री 13 फरवरी को श्रद्धालु अयोध्या में प्रवास करेंगे। वहीं भोजन की व्यवस्था श्री राम जानकी तपोवन मंदिर द्वारा की गई है और रात्रि विश्राम कनक भवन में होगा। 14 फरवरी को श्रद्धालु प्रयागराज में महाकुंभ में गंगा स्नान करेंगे। मंदिर समिति की ओर से यात्रा, भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है। 15 फरवरी को सभी श्रद्धालु रांची वापस लौटेंगे। वहीं सभी छह बसों की अलग-अलग पहचान के लिए रंग निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक यात्री को बस के रंग के आधार पर पहचान पत्र दिया गया है ताकि किसी भी तरह की परेशानी न हो। आयोजन समिति के प्रमुख सदस्यों में संरक्षक रोशन कुमार सिंह, अध्यक्ष राम कुमार सिंह, उज्जवल आनंद, अमित कुमार, राकेश कुमार, अजय कुमार गोंड, शशि मुखी, राहुल कुमार सहनी, जितेंद्र मंडल, बाबू संतोष कुमार सिंह, गौर चंद्र, राजू राम सुमित कुमार, पपली ओझा, कृष्ण केशव समेत अन्य का नाम शामिल है। वहीं मंदिर समिति के संरक्षक रोशन कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह यात्रा धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रद्धालु महाकुंभ में भाग लेकर अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करेंगे और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करेंगे।

राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला प्रमंडल स्तर का होगाः राधाकृष्ण किशोर

समाज की बेहतरी के लिए शिक्षा जरुरीः चमरा लिंडा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः पलामू

पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला मंगलवार से शुरू हुआ। मेदिनीनगर सदर प्रखंड के दुबियाखाड़ में लगे मेले का वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने इसका शुभारंभ किया। मेले में परिसंपतियों का वितरण किया गया। योजनाओं की जानकारी देने के लिए विभिन्न विभागों के 46 स्टॉल लगाए गए थे। मेला 12 फरवरी तक आयोजित है। मौके पर वित्त मंत्री ने कहा कि समाज का हर वर्ग आगे बढ़े। आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी, अल्पसंख्यक समाज का भी उत्थान हो। इसके लिए सरकार कार्य कर रही है। झारखंड में आदिवासी समाज का साक्षरता दर 52 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से नीचे है। ऐसे में शिक्षा सभी के लिए आवश्यक है। शिक्षित होने से आदिवासियों के बच्चे विधानसभा एवं लोकसभा के सदस्य बनेंगे। इससे गर्व की अनुभूति होगी। उन्होंने हर वर्ग-समुदाय के शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एकजुट रहेंगे,तो आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से यह मेला प्रमंडल स्तर पर होगा। इसमें तीनों जिले पलामू, लातेहार व गढ़वा जिले के आदिवासी समाज भाग लेंगे, इसके लिए सरकार के स्तर पर तैयारी की जा रही है। उन्होंने मंईया सम्मान योजना के लाभ से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सम्मान राशि से महिलाएं अपनी जरूरतों को पूरा कर रहीं हैं। बच्चों की पढाई में खर्च कर उन्हें आगे बढ़ा रहीं हैं। इस अवसर पर कल्याण मंत्री ने कहा कि समाज की बेहतरी के लिए शिक्षा जरुरी है। विकास के लिए समाज को एकजुट रहना भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा से समाज में जागरूकता आती है और विकसित समाज का सपना साकार होता है। सरकार आदिवासियों सहित समाज के हर वर्ग के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है। राजा मेदिनीराय ने विकसित समाज निर्माण का कार्य किया। एकजुटता पर बल दिया। आदिवासी समाज भी एकजुटता में कमी नहीं आने दें। एकता और दृढ़ता के साथ रहने से अधिकार खुद मिल जायेगा। समाज को आगे बढ़ाने की सोच रखनी होगी। मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने मेला को और भव्यता प्रदान करने की बातें कही। उन्होंने कहा कि मेला राज्य स्तर पर हो और प्रयास होगा कि इसके माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाए। पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि दो दशकों से लगातार मेला का आयोजन होता है, जो चेरो राजवंश को याद दिलाता है। राजा मेदिनीराय की याद में आयोजित इस मेले में सरकार के विभागों के स्टॉल लगाये जाते हैं। योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जाता है। कार्यक्रम में नगर आयुक्त जावेद हुसैन, वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीना आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि दुबियाखाड़ में विभाजीत बिहार के समय पिछले 34 वर्ष से आदिवासी विकास महाकुंभ मेला का आयोजन होता रहा है।

गंगा नदी में तैरता मिला अज्ञात महिला का शव, मुफस्सिल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा सदर अस्पताल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस ने मंगलवार को थाना क्षेत्र के कबूतर खोपी जनता घाट के गंगा नदी में पानी में तैरता हुआ एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया। जहां अज्ञात महिला के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। उधर गंगा नदी में पानी में तैरता हुआ मिले अज्ञात महिला के शव की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। जहां मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस यह पता लगाने के प्रयास में जुटी हुई है कि उक्त महिला कहां की रहने वाली है और उसका शव गंगा नदी में कैसे पहुंचा है। फिलहाल अज्ञात महिला के शव को मुफस्सिल पुलिस ने सदर अस्पताल भेज दिया है।

कबूतर खोपी में बंद घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने की चोरी, दिया आवेदन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के कबूतर खोपी चानन के रहने वाले युवक प्रेम कुमार चौधरी पिता स्व. महेंद्र चौधरी ने अपने बड़े भाई मनोज कुमार चौधरी के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों के द्वारा सामानों की चोरी करने के मामले में मंगलवार को थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़ित युवक ने जिक्र किया है कि उसका बड़ा भाई अपने पूरे परिवार के साथ बीते 9 फरवरी 2025 को कुंभ स्नान करने के लिए प्रयागराज गया हुआ है। वही उसने अपने घर में पाल रखें बकरियों को चारा देने का जिम्मा उसे सौंपकर गया हुआ है जहां मंगलवार की सुबह जब वो अपने बड़े भाई के घर बकरियों को चारा देने के लिए गया तो पाया कि घर में लगा हुआ ताला टूटा हुआ है और इनवर्टर बैटरी, मिक्सर एवं बक्सा को तोड़कर उसमें रखे हुए पैसे व गहनों की चोरी अज्ञात चोरों के द्वारा कर ली गई है। वही उन्होंने अंदेशा जताया है कि उक्त घटना सोमवार की मध्य रात्रि 12 बजे से लेकर सुबह के 4 बजे तक में अंजाम दिया गया है। उधर चोरी मामले में आवेदन मिलने के बाद पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

स्थानीयता को जल्द परिभाषित करे राज्य सरकार : बी एल पासवान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : अखिल भारतीय दुसाध कल्याण परिषद के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बी एल पासवान ने झारखंड की वर्तमान सरकार से स्थानीयता को जल्द परिभाषित करने की मांग की है। उन्होंने झारखंड अलग राज्य के गठन के पूर्व से यहां बिहार या अन्य प्रदेशों से आकर नौकरी-पेशा करने वाले या रहने वाले लोगों के बच्चों के भविष्य के लिए स्थानीयता के मुद्दे को महत्वपूर्ण बताया है।

उन्होंने कहा कि बिहार से अलग होकर झारखंड राज्य का निर्माण 15 नवम्बर 2000 को हुआ। उसके बाद विधानसभा, राज्यसभा, लोकसभा, पंचायत चुनाव, नगर निगम के चुनाव कई बार हुए, जिसमें लोगों ने अपने मताधिकार का उपयोग कर माननीयों को विजयी बनाया, जो राज्य के मंत्री से लेकर विभिन्न पदों पर सुशोभित होते रहे। लेकिन, दूसरे राज्यों से यहां आए लोगों या नौकरी पेशा करने वाले सरकारी कर्मी, जो सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं, वे स्थानीयता प्रमाण-पत्र के अभाव में अभी तक दर-दर भटक रहे हैं। जबकि, 15 नवम्बर, 2000 को ही मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड अलग राज्य का निर्माण हुआ, जहां महज दो वर्ष की अवधि के भीतर ही स्थानीयता का निर्णय लेकर जनता को राहत दी गई, जिससे दो राज्य की जनता खुशी-खुशी है और वहां बाहरी-भीतरी का कोई बवाल नहीं। लेकिन 24 वर्ष बीतने के बाद भी झारखंड राज्य में डोमिसाइल (स्थानीयता) का मुद्दा आज तक खड़ा है। जिन राजनेताओं ने वोट को बांटने के लिए बाहरी-भीतरी का सहारा लिया, वे आज अपनी जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैं और खुद भी राजनीति से की मुख्यधारा से अलग होकर पश्चाताप कर रहे हैं।

श्री पासवान ने कहा कि स्थानीयता के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय झारखंड में पीआईएल दायर किया गया, लेकिन मुख्य रूप से पीआईएल नंबर 2919/02, जिसमें न्यायालय ने अपना अपना फैसला भी दिया, जिसके आधार पर पीआईएल नंबर 4080/02 दायर किया गया। उक्त वाद में दिनांक 27.11.2002 को माननीय उच्च न्यायालय, झारखंड द्वारा कतिपय आदेश पारित किए गए और उक्त आदेश के आलोक में राज्य सरकार द्वारा स्थानीय व्यक्ति को परिभाषित कर उनकी पहचान करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय समिति गठित की गई थी और विचार विमर्श किया गया था। किन्तु कतिपय कारणों से इसे मूर्त रूप नहीं दिया जा सका।

उन्होंने बताया कि दिनांक 7 अप्रैल 2015 को सरकार ने विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों की एक बैठक आहूत की, जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा मौखिक रूप से सभी राजनीतिक दलों एवं बुद्धिजीवियों से विचार विमर्श भी किया गया था। उसके बाद न्यायालय के आदेश के पश्चात झारखंड राज्य के स्थानीय निवासी को परिभाषित किया गया, जिसमें मुख्यतः छह बिंदुओं का विस्तृत वर्णन है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखंड सरकार ने पत्रांक-4650, दिनांक- 02 जून 2016 एवं 4080 दिनांक- 07.07. 2022 द्वारा इसे लागू करने का पत्र सभी संबंधित अधिकारियों को भेजा। लेकिन स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है।

सिविल अपील संख्या-13473/2020 पंकज कुमार बनाम स्टेट ऑफ झारखंड एवं अन्य में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 19.08.2021 में पारित आदेश संदर्भित है, लेकिन आज तक स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। किसी भी राजनेता को यह डोमिसाइल (स्थानीयता) का लंबित मामला दिखाई नहीं पड़ती है। स्थानीय समाचार पत्रों एवं पत्र पत्रिकाओं में स्थानीयता को लेकर विभिन्न तरह के आलेख प्रकाशित किए गए, लेकिन 24 वर्षों से लोग स्थानीयता के निर्णय के इंतजार में आंखें बिछाए हुए हैं।

श्री पासवान ने कहा कि आखिर राज्य सरकार स्थानीयता कब तक परिभाषित करेगी, क्योंकि इसके लंबित रहने के कारण झारखंड में अन्य राज्यों से आए लोग जाति प्रमाण-पत्र, स्थानीयता प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र के लिए विभिन्न कार्यालयों का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर जगह उन्हें निराशा हाथ लग रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस समस्या का निराकरण करने का अनुरोध किया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, बुधवार, 12 फरवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

जिला स्थापना समिति की बैठक में 10 लिपिकों का प्रमोशन

गोड्डा , एजेंसी। गोड्डा जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में कार्यरत 10 निम्न वर्गीय लिपिकों को सोमवार को प्रोन्नति दी गई. उन्हें उच्च वर्गीय लिपिक बनाया गया. डीसी जिशान कमर की अध्यक्षता में समाहरणालय में हुई जिला स्थापना समिति की बैठक में इस पर मुहर लगी. बैठक में प्रोन्नति से संबंधित 12 आवेदनों पर विचार किया गया. अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू ने बताया कि वरीयता सूची के आधार पर प्रोन्नति पर निर्णय लिया गया. स्थापना समिति की बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम सहित स्थापना विभाग के कर्मी मौजूद थे.

रांची में बारात के दौरान फायरिंग, एक युवक को लगी गोली

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के धुर्वा इलाके में एक शादी समारोह में हुई फायरिंग में एक युवक को गोली लग गई. घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वारदात सोमवार देर रात की है. रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह में डांस करने के दौरान गुलशन पांडेय उर्फ मेडी नामक युवक को गोली लग गई. सोमवार रात करीब 11 बजे हुई इस घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि कई लोग डांस कर रहे थे और इसी दौरान फायरिंग की आवाज सुनाई दी और गुलशन जमीन पर गिर पड़ा. लेकिन गोली किसने चलाई यह कोई नहीं देख पाया. अफरा-तफरी के बीच घायल गुलशन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के मुताबिक गोली गुलशन की पीठ में लगी है. धुर्वा थाना प्रभारी विमल किंडो ने बताया कि शादी समारोह में फायरिंग की घटना हुई है, एक युवक को गोली लगी है. हालांकि घायल युवक का बयान अभी नहीं लिया जा सका है. तलाशी के दौरान हथियार भी बरामद नहीं हुआ है. पूछताछ में यह जरूर पता चला कि गुलशन का डैम किनारे रहने वाले कुछ युवकों से विवाद था. उस एंगल पर भी जांच की जा रही है.

पत्नी की हत्या के आरोपी हजारीबाग के तत्कालीन एसडीओ अशोक कुमार रांची से अरेस्ट

हजारीबाग, एजेंसी। पत्नी की हत्या के आरोपी हजारीबाग के तत्कालीन एसडीओ अशोक कुमार को रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद एसडीओ को पुलिस हजारीबाग सीजेएम कोर्ट में प्रस्तुत करेगी। आरोपी एसडीओ पिछले एक माह से फरार थे। एसडीओ की गिरफ्तारी को लेकर कोर्ट ने वारंट जारी किया था। इसी आधार पर हजारीबाग पुलिस ने तत्कालीन एसडीओ को गिरफ्तार किया है। हजारीबाग लोहसिंहना थाना प्रभारी संदीप कुमार मंडल ने बताया कि आरोपी अशोक कुमार की गिरफ्तारी को लेकर उनके परिवारवालों पर लगातार दबाव बनाये हुए थे। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी एसडीओ जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में रिश्तेदार के घर छिपे हुए हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार होटल बदल रहे थे। रविवार की शाम सात बजे सदर एसडीओ सड़क पर घूम रहे थे, इसी दौरान उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि तत्कालीन एसडीओ पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए एक माह से मोबाइल से दूरी बना लिया था। जिसके कारण पुलिस को उनके एग्जैक्ट लोकेशन पता नहीं चल पा रहा था। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में एसडीओ को उनके दोस्त और परिजन मदद कर रहे थे। 26 दिसंबर 2024 की सुबह झील परिसर स्थित एसडीओ अशोक कुमार के सरकारी आवास में उसकी पत्नी अनिता कुमारी गंभीर रूप से झुलस गयी थी। इलाज के लिए तत्काल उसे हजारीबाग के आरोग्यं अस्पताल ले जाया गया। वहां से अनिता कुमारी को बोकारो अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे रांची रेफर कर दिया था। 28 दिसंबर की अलसुबह रांची स्थित देवकमल अस्पताल में अनिता कुमारी की मौत हो गयी ।इस संबंध में मृतका के भाई राजकुमार गुप्ता ने लोहसिंघना थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इस मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया गया है।

झारखंड को चाहिए 1 एम्स और 05 मेडिकल कॉलेज

मंत्री इरफान अंसारी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के सामने रखी मांग

रांची, एजेंसी। देश को 2027 तक फाइलेरिया मुक्त करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से देश भर में फाइलेरिया उन्मूलन एमडी अभियान शुरू हुआ. राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने ऑनलाइन किया. इसके बाद राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन जुड़े. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ ऑनलाइन बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और कई मांगें रखी.

झारखंड पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बहुल और पिछड़ा हुआ राज्य है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने की जरूरत है. डॉ इरफान अंसारी ने रांची में एम्स की स्थापना, पांच नए मेडिकल कॉलेजों एवं एक मेडिकल सिटी बनाने की मांग रखते हुए केंद्र से विशेष पैकेज की गुहार लगाई.

वेब मीटिंग के दौरान डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्र सरकार से झारखंड जैसे

आदिवासी बहुल एवं पिछड़े राज्य के लिए विशेष पैकेज की मांग की. उन्होंने कहा कि यहां के स्वास्थ्य ढांचे को और सशक्त करने की जरूरत है. डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मैं मंत्री से पहले एक डॉक्टर हूं और मेरा एकमात्र लक्ष्य है कि हमारे झारखंड के लोगों को बेहतरीन इलाज की सुविधा मिले. कोई भी व्यक्ति इलाज के अभाव में दम न तोड़े. स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. मैंने जो बदलाव लाने का संकल्प लिया है, उसे पूरा करके ही दम लूंगा.

फाइलेरिया उन्मूलन में अपनी भागीदारी निभाएं राज्यवासी : स्वास्थ्य मंत्री ने झारखंड की जनता से अपील की कि फाइलेरिया उन्मूलन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, दवा अवश्य लें और अपने परिवार को सुरक्षित रखें. उन्होंने केंद्रीय मंत्री को झारखंड आने का न्योता देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बजाय सभी मंत्रियों को दिल्ली बुला लिया जाए या फिर झारखंड में आयोजित किया जाए, जिससे बेहतर संवाद हो सके और राज्य सरकार की जरूरतों पर विस्तृत चर्चा संभव हो.

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार फाइलेरिया उन्मूलन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कई रणनीतिक कदम उठाए गए हैं. इस बार राज्य के 14 जिलों में बड़े पैमाने पर फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें लगभग 1.80 करोड़ लक्षित जनसंख्या को दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है.

स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बताया कि वर्ष 2024 में 9 जिलों (चतरा, दुमका, गोड्डा, हजारीबाग, जामताड़ा, लातेहार, पलामू, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम) में 1.13 करोड़ लोगों को दवा खिलाई गई थी. अभियान की सफलता के लिए 17 जनवरी 2025 को राज्य स्तरीय टास्क फोर्स बैठक आयोजित की गई, जिसमें 24 विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक द्वारा अभियान की लगातार समीक्षा की जा रही है.स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों में दवा का विरोध अधिक है, वहां के लिए विशेष रणनीति बनाई गई. सभी 14 जिलों को आइभरमेक्टिन, डी.ई.सी. एवं अल्बेन्डाजोल दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं. अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में सुपरवाइजर की निगरानी में 100प्रतिशत दवा सेवन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. 14 जिलों के 91 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को प्रशिक्षण का काम पूरा कर लिया गया है.

ट्रेन में महाकुंभ की भीड़ के कारण नहीं चढ़ पाए ? अब रेलवे ने जारी किया 2 विकल्प

धनबाद, एजेंसी। प्रयागराज स्टेशन बंद होने की अफवाह इंटरनेट मीडिया पर फैलाई जा रही है। यात्री इस पर ध्यान न दें। यात्रियों की सुविधा के लिए हर चार मिनट पर ट्रेन चलाई जा रही है। रेलवे, राज्य प्रशासन व मेला प्रशासन की ओर से पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

प्रयागराज समेत रामबाग, सुबेदारगंज, फाफामऊ, झूसी जैसे आठ स्टेशन पर 45 कियोस्क गाइड बहाल किए गए हैं। यह जानकारी एडीअरएम आपरेशन विनीत कुमार व सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान बाहर से आनेवाली ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण जिन यात्रियों को यात्रा में असुविधा हो रही है। उनके लिए तात्कालीक दो सुविधाएं बहाल की गई हैं।

कंफर्म टिकट के बाद भी अगर भीड़ की वजह से यात्रा नहीं कर पा रहे हैं तो संबंधित स्टेशन मास्टर से संपर्क कर वैकल्पिक ट्रेन से यात्रा की अनुमति ले सकते हैं। अगर दूसरी ट्रेन में भी ऐसी समस्या है तो उन्हें फुल रिफंड किया जाएगा। एडीआरएम इंफ्रा अमित कुमार मौजूद थे।

एडीआरएम विनीत कुमार ने कहा कि कुंभ के दौरान होनेवाली भीड़ की वार रूम से मानिटरिंग की जा रही है। सुबह से देर रात तक हर ट्रेन पर नजर रखी जा रही है। भीड़ बढ़ते ही मुख्यालय से बात कर अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। धनबाद से अब तक कई स्पेशल ट्रेन चलाई जा चुकी है। माघी पूर्णिमा और शिवरात्रि से पहले ट्रेनों की स्थिति की मानिटरिंग कर अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएंगी।

12 फरवरी को माघी पूर्णिमा है। इस वजह से सोमवार को यात्रियों की अधिक संख्या को ध्यान में रख कर धनबाद से टुंडला के लिए कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाई गई। धनबाद, गोमो, पारसनाथ, कोडरमा जैसे स्टेशन पर ठहराव के साथ ट्रेन चली। इससे पहले रविवार को भी धनबाद से कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाई गई।

पत्नी को जलाकर मारने का मामला, पूर्व एसडीएम रांची से गिरफ्तार

हजारीबाग, एजेंसी। अनीता देवी हत्याकांड में पूर्व एसडीएम अशोक कुमार को लोहसिंघना थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह रांची स्थित बिरसा चौक में शरण लिए थे, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तारी संध्या करीब सात बजे हुई है और स्वयं थाना प्रभारी लोहसिंघना टीम को लेकर छापेमारी की थी। सूचना के मुताबिक पुलिस आरोपित पूर्व एसडीएम को लेकर हजारीबाग पहुंची और फिर पूछताछ के बाद सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी।

अपनी पत्नी को जलाकर मार देने के आरोप में पूर्व एसडीएम अशोक कुमार की गिरफ्तारी हुई है। जानकारी के अनुसार पिता दुर्योधन साव के निशानदेही पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है।

दो दिन पूर्व लोहसिंघना थाना की पुलिस ने दुर्योधन साव को सके ससुराल सदर प्रखंड के सलैया से हिरासत में लिया था। इसके बाद पूर्व एसडीएम को लेकर पुलिस में छापेमारी अभियान चला रही थी।

जानकारी के अनुसार शादी के एक दशक बाद से पति और पत्नी में विवाद चल रहा था। विवाद कुछ इस प्रकार था कि सरकारी आवास

में पत्नी को एसडीएम के शयनकक्ष में जाने तक पर रोक थी।

सारा विवाद एक अन्य तीसरे महिला को लेकर खड़ा हुआ था, जिससे अशोक कुमार की दोस्ती गिरिडीह में पदस्थापना के दौरान बढ़ी थी।

इधर 26 दिसंबर 2024 को सुबह करीब साढ़े छह बजे एसडीएम आवास में पत्नी अनीता देवी रहस्यमयी तरीके से जल गई थी। इस दौरान उन्हें लगभग 7:30 बजे आरोग्यम हॉस्पिटल ले जाया गया था। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बोकारो जनरल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया था।

यहां चिकित्सकों ने बताया था कि वह 65 फीसदी जल गई हैं। उन्हें वहां से रांची रेफर कर दिया गया था, फिर अनीता देवी को रांची के देवकमल हॉस्पिटल में एडमिट किया गया।

जहां 27 दिसंबर की रात उसने दम तोड़ दिया था। इस संबंध में एसडीएम के साला राजू कुमार गुप्ता ने एफआईआर दर्ज कराया था, जिसमें एसडीएम, एसडीएम के पिता, छोटा भाई और देवरानी को जलाकर मारने का आरोप लगाते हुए नामजद आरोपी बनाया गया था।

झारखंड में बदलेगा मौसम का मिजाज, आईएमडी ने दिया खुश करने वाला अपडेट

रांची/ जामताड़ा, एजेंसी। झारखंड में बदले मौसम के मिजाज से अधिकतम व न्यूनतम पारे में बढ़ोतरी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, झारखंड के लोगों को अब ठंड से राहत मिलनी शुरू हो जाएगी। प्रदेश में रविवार से हवा के रूख में बदलाव हो सकता है।

इससे अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री और न्यूनतम तापमान तीन से चार डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। इससे सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी लेकिन दोपहर में धूप की तपिश धीरे-धीरे बढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबित अब ठंड में धीरे-धीरे कमी आएगी।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि रांची, जामताड़ा समेत पूरे प्रदेश में मंगलवार को तापमान में बदलाव आने की संभावना है। इस दौरान तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। सोमवार को जहां जामताड़ा का अधिकतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया वहीं न्यूनतम पारा 16 डिग्री रहा।

आज पलामू जिला में सोमवार की सुबह ठंड से शुरू हुई। दिनभर धूप खिली रही। हवाओं में हल्की नमी रही। पूरा दिन गर्म रहा। इस लिए पिछले दिनों की तुलना में अपेक्षाकृत ठंड का काफी कम एहसास हुआ। मंगलवार को मौसम खुला रहेगा। सुबह की शुरुआत ठंड से होगी।

अगले कुछ दिनों के दौरान जामताड़ा समेत आसपास के इलाके में ठंड घटने के आसार हैं। मौसम में आए इस बदलाव की वजह से अधिकतम व न्यूनतम पारे में भी बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। अधिकतम व न्यूनतम पारे का तापांतर 15 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जाएगा। हवा नौ किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

जमशेदपुर में मौसम विभाग के अनुसार 11 फरवरी को आसमान पूरी तरह से साफ रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान पिछले दिन की तरह रहेगा। लोगों को ठंड से राहत मिलेगी। हालांकि, इस मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखने की जरूरत है। बच्चे तेजी से बीमार पड़ रहे हैं।

बुजुर्गों को भी अभी गर्म कपड़ में रहने की जरूरत है नहीं तो ठंड की चपेट में आ सकते हैं। हालांकि, दोपहर के समय में राहत रहेगी।

राज्य सरकार का पर्यटन विभाग निकालेगा देवघर में शिव बारात

देवघर, एजेंसी। बाबा नगरी देवघर में प्रत्येक वर्ष शिवरात्रि के अवसर पर धूमधाम से शिव बारात निकाला जाता रहा है. लेकिन इस वर्ष बारात को लेकर शिव बारात समिति में आपसी खींचतान चल रही थी. जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि अब देवघर में शिवरात्रि के अवसर पर राज्य सरकार का पर्यटन विभाग शिव बारात का आयोजन करेगा.

बता दें कि वर्ष 1994 से देवघर में शिवरात्रि के अवसर पर शिव बारात निकालने की परंपरा चली आ रही है. इसका आयोजन शिव बारात समिति करती थी. जिसमें शहर के प्रबुद्ध लोगों और पंडा समाज के लोगों की भागीदारी होती थी. लेकिन इस वर्ष से शिव बारात का आयोजन राज्य सरकार का पर्यटन विभाग करेगा.

इस संबंध में देवघर के डीसी विशाल सागर ने बताया कि देवघर में शिवरात्रि के अवसर पर शिव बारात आयोजन इस बार पर्यटन विभाग कर रहा है. जिला प्रशासन शिव बारात और इस अवसर पर लगने वाले मेले में लॉ एंड आर्डर सुनिश्चित करेगा.

आपको बता दें कि देवघर में आयोजित होने वाले शिव बारात की तैयारी को लेकर पिछले दिनों शिव बारात समिति के सदस्य अधिकारी के पास पहुंचे थे. लेकिन अध्यक्ष को लेकर आपसी सामंजस्य नहीं बन पाया.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की रांची में थ्री लेयर रहेगी सिक्योरिटी, 1000 पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात, बदलेगी ट्रैफिक व्यवस्था

रांची, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 फरवरी को रांची आ रही हैं। वह बीआईटी मेसरा के हीरक जयंती समारोह में 15 फरवरी को शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सुरक्षा के लिए रांची पुलिस ने चाक-चौबंद व्यवस्था की है। राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे राजभवन जायेंगी। राष्ट्रपति की सुरक्षा तीन लेयर में होगी। उनकी सुरक्षा में 1000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जायेगा। सुरक्षा में 10 आइपीएस अधिकारी की भी तैनाती होगी। 14 व 15 फरवरी को ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया जायेगा। 14 फरवरी को राष्ट्रपति एयरपोर्ट से हरमू बाइपास होकर राजभवन पहुंचेंगी। इस दौरान आधा से एक घंटा पहले ट्रैफिक रोक दिया जायेगा।

राष्ट्रपति का काफिला जैसे-जैसे आगे बढ़ता जायेगा, ट्रैफिक को उसी हिसाब से खोल दिया जायेगा। ट्रैफिक रोकने के लिए कई जगह बैरिकेडिंग भी की जायेगी। कई जगह ड्रॉप गेट बनाये जायेंगे। ट्रैफिक संभालने के लिए ट्रैफिक डीएसपी, इंस्पेक्टर व पुलिसकर्मियों को हर रोड में तैनात किया जायेगा। उनकी सुरक्षा को लेकर डीआइजी सह एसएसपी, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, ट्रैफिक एसपी, एएसपी सीसीआर सहित 10 आइपीएस, 20 से अधिक डीएसपी और काफी संख्या में जिला बल, स्पेशल ब्रांच के इंस्पेक्टर भी लगाये जायेंगे। सुरक्षा में रांची पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बल, सेना के जवान की भी तैनाती रहेंगे। रांची पुलिस, रैपिड एक्शन पुलिस, जैप, इको, जिला बल की लाठी पार्टी तैनात रहेगी। ऊंची इमारतों से भी सुरक्षाकर्मी निगहबानी में लगे रहेंगे। साथ ही स्पेशल ब्रांच के पुलिसकर्मी सादे लिबास में विभिन्न इलाकों में तैनात रहेंगे। सेना के जवान भी अपने स्तर से जगह-जगह तैनात रहेंगे।

बजट सत्र से पहले स्थानीय और नियोजन नीति पर गरमाई सियासत

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता जेबी तुबिद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्य में जल्द सर्वमान्य स्थानीय और नियोजन नीति लागू करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि स्थानीय नीति एक ज्वलंत मुद्दा है और पिछले 20-25 वर्षों में जिस तरह से स्थानीय नीति को लाया गया या उसका प्रयास हुआ, उससे जनता के बीच माहौल विषाक्त हो गया है. ऐसे में सरकार की ओर से निर्णय लेने की जरूरत है.

जेबी तुबिद ने कहा कि जब अर्जुन मुंडा की सरकार थी और हेमंत सोरेन उप मुख्यमंत्री थे, उस समय स्थानीय नीति पर कोई फैसला नहीं लेने पर हेमंत सोरेन ने विधायकों के साथ समर्थन वापस ले लिया था. जिससे अर्जुन मुंडा की सरकार गिर गई थी. उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार चल रही है. ऐसे में उन्हें स्थानीय नीति बनानी चाहिए. बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि मुद्दा दो है. पहला आप झारखंड में रहने वाले किन लोगों को स्थानीय कहेंगे और दूसरा यह है कि नियोजन की दृष्टि से किसे प्राथमिकता देंगे.

आम धारणा यह है कि झारखंड आदिवासियों और मूलवासियों का राज्य है.

लेकिन जो नियोजन की दृष्टि या बेहतर भविष्य के लिए पुराने समय में धनबाद, बोकारो या जमशेदपुर में आए हैं, वह स्थानीय हैं या स्थानीय की श्रेणी से बाहर हैं. जिसको लेकर हमेशा विवाद चलता है. जेबी तुबिद ने कहा कि सरकार को यह समझना होगा कि जो संयुक्त बिहार राज्य के समय बड़े शहरों में आए उन्हें क्या मानेंगे! इसलिए सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अपनी नियोजन नीति और स्थानीय नीति में क्या तय करेंगे. क्योंकि इसे एक दूसरे के साथ नहीं जोड़ सकते हैं.

जेबी तुबिद ने कहा कि जो हमेशा से झारखंड के भौगोलिक सीमा में रहे हैं वह स्थानीय हैं, लेकिन नियोजन नीति के लिए विंडो खोलना पड़ेगा और स्पष्ट करना होगा कि हम किसे नौकरी देना चाहते हैं. क्योंकि झारखंड के बच्चे भी दूसरे राज्य में जाकर नौकरी पाते हैं. ऐसे में जब तक हम रेसीप्रोकल अप्रोच कहने का मतलब कि दूसरे राज्यों के लोगों को भी एक निश्चित प्रतिशत में नियोजन नहीं देते हैं तब तक यह विवादित रहेगा.

झारखंड का स्थानीय कौन! इसका कट ऑफ को लेकर कुछ मतभेद हो सकते हैं, यह एक राजनीतिक निर्णय का विषय है कि आप कट ऑफ वर्ष 2000 रखेंगे या 2014 रखेंगे. सामान्यतः दूसरे राज्यों के नीतियों को देखेंगे तो जो व्यक्ति 15 वर्षों तक किसी राज्य में रहा हो उसे कुछ शर्तों के साथ उस राज्य का मान लिया जाता है. राज्य सरकार को इस पर शीघ्र निर्णय लेना होगा ताकि राज्य के युवाओं का भला हो सके.बीजेपी प्रवक्ता के बयान को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि जेबी तुबिद खबरों में बने रहने के लिए इस तरह की बातें करते हैं. झामुमो नेता ने कहा कि जेबी तुबिद को स्थानीय और नियोजन नीति को लेकर अपने विचार भाजपा में रखने चाहिए. भाजपा ने ही पहले त्रुटिपूर्ण नीति बनाई और जब जब मौका मिला आपस में लोगों को लड़वाने का काम किया. उन्होंने कहा कि यहां के आदिवासियों-मूलवासियों के अधिकारों पर बीजेपी ने कुठाराघात किया.

जेएमएम प्रवक्ता ने कहा कि हमारी बनाई स्थानीय और नियोजन नीति लागू नहीं हो, इसलिए अड़ंगा डालने के लिए इनके लोग हाईकोर्ट चले गए और वहां से स्टे लग गया. भाजपा के नेताओं को दोहरा चरित्र का बताते हुए झामुमो प्रवक्ता ने जेबी तुबिद से कहा कि अगर वह इस मुद्दे के समाधान के लिए ईमानदारी से पहल करना चाहते हैं तो सर्वदलीय बैठक बुलाएं.

लातेहार में कार ने मोटरसाइकिल सवार को मारी टक्कर, पति-पत्नी समेत 3 घायल

लातेहार, एजेंसी। जिले के मनिका प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को मोटरसाइकिल और कार में टक्कर हो गई. इस घटना में पति-पत्नी और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. घटना का लाइव वीडियो भी सीसीटीवी के माध्यम से कैद हो गया है. दरअसल मनिका थाना क्षेत्र के लाली गांव निवासी फुलेश्वर यादव अपनी पत्नी प्रभावती देवी और पुत्र अंकुश कुमार के साथ मोटरसाइकिल से मुख्य सड़क पर जा रहे थे. मोटरसाइकिल सवार के द्वारा अचानक गाड़ी को बाएं से दाहिनी और मोड़ा जाता है. इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी.

टक्कर के बाद मोटरसाइकिल पर सवार प्रभावती देवी हवा में उछल कर सड़क पर गिर गई. वहीं फुलेश्वर यादव और उनका बच्चा सड़क के दूसरी ओर मोटरसाइकिल के साथ जा गिरे. इस घटना में फुलेश्वर यादव और उनकी पत्नी प्रभावती देवी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया. बताया जाता है कि प्रभावती देवी के सिर में गंभीर चोट आई है, वहीं फुलेश्वर यादव का पैर पूरी तरह टूट गया है.

घटना का वीडियो हुआ सीसीटीवी में कैद

इधर घटना का लाइव वीडियो पास के दुकान में लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गया है. सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि मोटरसाइकिल पर सवार पति-पत्नी सड़क पर जा रहे हैं. अचानक मोटरसाइकिल सवार के द्वारा मोटरसाइकिल को सड़क के दूसरी ओर ले जाने के क्रम में एक अनियंत्रित कार आकर सीधे मोटरसाइकिल को टक्कर मार दे रही है. इसके बाद प्रभावती देवी गाड़ी के दूसरी ओर हवा में उछलकर जमीन पर गिरती है और बेहोश हो गयी. जबकि फुलेश्वर यादव और उनका बच्चा सड़क के दूसरी ओर गिर गए. इधर घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया है. थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप

कई दशकों से देखने में आया है कि गणतंत्र या स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को नमन कर देशवासियों को लंबे-चौड़े वादों की सौगात देकर देश का भला करने के संकल्प लिए जाते हैं परंतु इन सब से क्या देश का भला हो सकता है? कई देशों में प्रवासी भारतीयों ने कई क्षेत्रों में बुलंदियों को छुआ है। इसका मतलब हुआ कि भारतीयों में योग्यता की कोई कमी नहीं है। यदि सभी को सही मौका और प्रोत्साहन मिले तो कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। अगर यह बात सही है तो फिर क्या वजह है कि खिलाड़ियों पर खर्चा करने की बजाय खर्चीले खेल आयोजनों पर अरबों रुपया बर्बाद किया जाता है? कुछ हजार रुपये का कर्जा लेने वाले किसान आत्महत्या करते हैं और लाखों करोड़ का बैंकों का कर्जा हड़पने वाले उद्योगपति ऐश। आधी जनता भूखे पेट सोती है और एफसीआई के गोदामों में करोड़ों टन अनाज सड़ता है। विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका और मीडिया भी ऐसी अव्यवस्था का नंगा नाच दिखाने में पीछे नहीं रहते। नतीजतन, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम सीमा पर पहुंचता जा रहा है। सरकार के पास विकास के लिए धन की कमी नहीं है पर धन का सदुपयोग कर विकास के कामों को ईमानदारी से करने वाल पैसे-पैसे के लिए धक्के खाते हैं और नकली योजनाओं पर अरबों रुपया डकारने वाले सरकार का धन बिना रुकावट खींच ले जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस का क्या अर्थ लिया जाए? यही न कि हमने आजादी के नाम पर गोरे साहबों को धक्का देकर काले साहबों को बिठा दिया। पर काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप निकले। स्विटजरलैंड के बैंकों में सबसे ज्यादा काला धन जमा करने वालों में भारत काफी आगे है। इसलिए जरूरत है हमारी सोच में बुनियादी परिवर्तन की। 'सब चलता है और 'ऐसे ही चलेगा कहने वाले इस लूट में शामिल हैं। जज्बा तो यह होना चाहिए कि 'देश सुधरेगा क्यों नहीं? 'हम ऐसे ही चलने नहीं देंगे। अब सूचना क्रांति का जमाना है। हर नागरिक को सरकार के हर कदम को जांचने-परखने का हक है। इस हथियार का इस्तेमाल पूरी ताकत से करना चाहिए। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न हो उसमें में जो लोग बैठे हैं, उन्हें भी अपना रवैया बदलने की जरूरत है। एक मंत्री या मुख्यमंत्री रात के अंधेरे में मोटा पैसा खाकर उद्योगपतियों के गैर- कानूनी काम करने में तो एक मिनट की देर नहीं लगाता। पर यह जानते हुए भी कि फलां व्यक्ति या संस्था राज्य के बेकार पड़े संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर सकती है, उसके साथ वही तत्परता नहीं दिखाता। आखिर क्यों? जब तक हम सही और अच्छे को बढ़ावा नहीं देंगे, उसका साथ नहीं देंगे, उसके लिए आलोचना भी सहने से नहीं डरेंगे तब तक कुछ नहीं बदलेगा।

आखिर दिल्ली में क्यों ढहा 'आप' का किला?

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढह गया। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्लीमें जीत का चौका लगाने से रोक दिया।ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई? दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई। केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं 'वीआईपी कल्चर' के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे। भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली। पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी लेकिन विपक्ष ने इसे 'रेवड़ी संस्कृति' कहकर आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया। इसके अलावा, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में आई समस्याओं ने जनता के बीच नकारात्मक धारणा बनाई, जिससे 'आप' की लोकप्रियता में गिरावट आई। दिल्ली में सड़क, परिवहन और स्वच्छता के क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। इसके अलावा प्रदूषण, जलभराव और कूड़े के ढेर जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता में केजरीवाल सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी थी। इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने मतदाताओं को निराश किया। दिल्ली में आप की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को माना जाता रहा लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा ने भी 'आप' वाला ही दांव खेला और अपने चुनावी संकल्पों में महिलाओं, बच्चों व युवाओं से लेकर ऑटो रिक्शा चालकों तक के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की ही, साथ ही यह ऐलान भी किया कि वह सत्ता मिलने पर आप द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जारी करेगी। भाजपा की इन घोषणाओं से आप की चुनौती बहुत बढ़ गई थी। विपक्ष और खासकर भाजपा की मजबूत रणनीति तथा भाजपा का मुखर प्रचार आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना। भाजपा ने आप सरकार की तमाम कमजोरियों को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कांग्रेस ने भी इस तरह टिकट बांटे, जिसने कई सीटों पर आप को आसान जीत से रोकने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार, विकास की कमी और अन्य मुद्दों पर केंद्रित अभियानों ने जनता के बीच आप के प्रति नकारात्मक धारणा बनाई। भाजपा ने सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को भी पुरजोर तरीके से उठाया, जिससे आप के समर्थन में बड़ी कमी आई। चुनाव से पहले कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन

की चर्चाएं थी लेकिन हरियाणा विधानसभा में दोनों के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण दिल्ली में भी दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो सका, जिसके चलते विपक्षी मतों का विभाजन हुआ और इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने के फैसले ने आप की रणनीतिक कमजोरी को उजागर किया और विपक्षी एकता की कमी का स्पष्ट संकेत दिया। इसका भी दिल्ली के मतदाताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ा। पिछले दो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक भी सीट नहीं जीती थी। 2015 में कांग्रेस को 9.7 प्रतिशत मत मिले थे लेकिन 2020 में मतों का प्रतिशत गिरकर महज 4.3 फीसद रह गया था लेकिन इस बार कांग्रेस के मत प्रतिशत में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका नुकसान भी आप को भुगतना पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर चुनावी सभा में 'आप' को ऐसी 'आपदा' करार देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने का भरपूर प्रयास किया, जिसने जनता के फायदे के लिए मिलने वाली केंद्र की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया, उससे मतदाताओं के बीच आप की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा और प्रधानमंत्री के 'आपदा' वाले नारे से भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कई गुना बढ़ा। दिल्ली की आबादी में पूर्वांचल (बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड) से आए लोगों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है और विपक्ष ने इस समुदाय की समस्याओं को नजरअंदाज करने के आरोप लगाते हुए आप सरकार को इस मुद्दे पर घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में जहरीले झाग की समस्या, आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने देना, बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों ने पूर्वांचली समुदाय में असंतोष बढ़ाया। इस उपेक्षा के कारण इस समुदाय का समर्थन आप से हटकर अन्य दलों की ओर गया और इसका नुकसान आप को भुगतना पड़ा। बहरहाल, केजरीवाल का दावा था कि वे नैतिकता और शुचिता की राजनीति करने आए हैं लेकिन उन्होंने दूसरे राज्यों के चुनावों में जिस तरह से पैसा खर्च किया और दिल्ली में कोरोना काल के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर जो 'शीशमहल' बनवाया, उसे लेकर उन पर लगातार लगते रहे आरोपों का पार्टी के पास ही कोई कारगर जवाब नहीं था। देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के बड़े-बड़े दावों के बीच शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के छींटे, केजरीवाल की तानाशाहीपूर्ण नेतृत्व शैली, उनका अड़ियल रवैया, इस तरह की बातों से मतदाताओं का केजरीवाल से मोहभंग होता गया और भाजपा मजबूत विकल्प के रूप में उभरती गई।

सूडोकु नवताल- 7339

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7338 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

कैब चालक-डिलीवरी ब्वाय कामगारों की स्थिति पर चिंता

कुमार समीर

भारतीय कामगारों का वर्किंग कल्चर, स्टाइल, काम करने के घंटे हमेशा से बहस का मुद्दा रहे हैं। इस कड़ी में स्किल्ड, अन-स्किल्ड को केंद्र में रखकर विभेद की भी बात सामने आती रहती हैं। हाल में जारी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट भी इस बात की तस्दीक करती है। काम के घंटे को लेकर कुछ दिनों पहले काफी विवाद देखा गया। इससे इतर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की हाल में जारी कैब चालक-डिलीवरी ब्वाय जैसे कामगारों (गिग वर्कर्स) की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में साफ साफ शब्दों में माना गया है कि गिग वर्कर्स यानी ऐप आधारित कैब चालक, डिलीवरी ब्वाय या इसी तरह का अन्य काम करने वाले 83 फीसद कामगार रोजाना चुनौतियों का सामना करते हुए औसतन दस घंटे से भी अधिक काम कर रहे हैं। नतीजतन इन कामगारों को न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में टारगेट डिलीवरी को खतरनाक माना गया है और कहा गया है कि गिग वर्कर्स को एक निश्चित समयावधि में समान की डिलीवरी करनी होती है। समय पर टारगेट पूरा नहीं होने से शारीरिक, मानसिक रूप से तनाव बढ़ता है। रिपोर्ट में गिग वर्कर्स के लिए मौजूदा रेटिंग प्रणाली पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की गई है और इसे मनमानी करार देते हुए इसकी समीक्षा पर बल दिया गया है। कई बार बेहतर काम करने के बावजूद इन गिग वर्कर्स को खराब रेटिंग मिलती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इन गिग वर्कर्स की चुनौतियों को दूर करने व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए नियामक ढांचा तैयार करने और इसके जरिए लक्षित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया है। इनकी चुनौतियों में लंबे समय तक काम करना, वित्तीय तनाव और शारीरिक थकावट शामिल है। इनके लिए थोड़ी राहत वाली बात यह है कि झारखंड, कर्नाटक और राजस्थान जैसे कुछ राज्य इन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य बीमा, न्यूनतम मजदूरी, तनाव मुक्त कार्य स्थितियों से संबंधित उनकी अन्य चिंताओं को दूर करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। हालांकि केंद्र सरकार ने इस आगामी 2025-26 वित्तीय वर्ष के बजट में देश के गिग वर्कर्स जिनकी संख्या एक करोड़ से भी अधिक है, उन सभी कामगारों को पहचान देने के लिए पंजीकरण करने और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इससे उम्मीद जगी है और इसी तरह की उम्मीद कारपोरेट जगत के कामगारों में जगाने की जरूरत है क्योंकि यहां के कर्मचारी भी जबरदस्त तनाव में रहते हैं। ये लोग औसतन दस घंटे से कहीं अधिक समय तक काम करने को मजबूर हैं। इनके नारायण मूर्ति, एस.एन. सुब्रमण्यम जैसे मालिकानों की सोच बदलनी होगी और उन्हें अहसास दिलाना होगा कि उनकी इस तरह की सोच, नजरिया से न तो उनका और ना ही कामगारों का भला होने वाला है। आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस के दौर में जब दुनिया बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के खतरे को महसूस कर रही है, तब काम के घंटे बढ़ाने के कारण देश में और भी बेरोजगारी बढ़ेगी, यह तय है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि अर्थनीति की दिशा बदली जाए काम के घंटे घटाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया जाए और रोजगार को संवैधानिक अधिकार बनाकर राज्य की जिम्मेदारी तय की जाए कि वह नौजवानों के लिए रोजगार/नौकरी को सुनिश्चित करे। स्वीडन ने छह घंटे कार्यदिवस की नीति अपनाई, जिससे कर्मचारियों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर हुई। जर्मनी ने भी कार्य घंटों को सीमित कर कर्मचारियों को दक्षता और कुशलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि कार्य घंटों को घटाने से कर्मचारियों की संतुष्टि और उत्पादकता दोनों में सुधार होता है, जो संगठनों की दीर्घकालिक प्रगति के लिए भी फायदेमंद है। भारत में इस दिशा में सुधार के लिए व्यापक नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है। श्रम कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए, ताकि कार्यदिवस के घंटे तय हों और कंपनियां इन नियमों का सख्ती से पालन करें। 'स्मार्ट वर्क के विचार को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे कर्मचारी अपनी दक्षता और तकनीकी उपकरणों का उपयोग करते हुए कम समय में बेहतर परिणाम दे सकें। अंततः संगठनों को यह समझना होगा कि उत्पादकता केवल काम के घंटों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह कर्मचारियों की प्रेरणा, कौशल-सम्मान और प्रोत्साहन पर आधारित होती है। कर्मचारियों को बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित करना और उनकी क्षमताओं का सही आकलन करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके ऊपर भगवान की कृपा बनी रहेगी और आप अच्छे काम करेंगे। आज आपका मन भावनत्मक तौर पर अधिक मजबूत रहेगा। आपका दिन परोपकार के कार्यों में लग सकता है। आज आप अपने किसी सहकर्मी या मित्र की सहायता कर सकते हैं जिससे आपके मन को बहुत संतुष्टि मिलेगी। नौकरी करने वाले लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आप किसी प्रकार की किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं, जहां आपको व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे और कोई बड़ी डील भी प्राप्त हो सकती है, जिससे आपकी आर्थिक समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। आज का दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप का मन आज किसी बात को लेकर बहुत अधिक प्रसन्न रहेगा। आप मन ही मन फूले नहीं समाएंगे। आध्यात्मिकता से अपने मन को बहुत अधिक शांत रखने की कोशिश करेंगे। आज अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए थोड़ा सा उलझनों भरा हो सकता है।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका आपके जीवन साथी के साथ किसी बात को लेकर चल रहा वाद विवाद आज समाप्त हो सकता है। अपने परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर आप थोड़ा सा चिंतित हो सकते हैं। आप अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखेंगे। व्यापार करने वाले लोगों के लिए दिन सामान्य रहेगा, आप अपने व्यापार में किसी प्रकार का फेर बदल न करें।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आपको आज समाज में मान सम्मान मिलेगा जिससे आपका मन बहुत ही संतुष्ट रहेगा। आपका मन धार्मिक कार्यक्रमों में लगा रहेगा। आप किसी मंदिर में दान पुण्य का सामान बांट सकते हैं। छात्रों की बात करें, तो छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करनी चाहिए।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कार्यस्थल की व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। टूर एंड ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा। आज कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करन पड़ेगा। पति-पत्नी का आपसी सहयोगात्मक व्यवहार आपसी नजदीकियां बढ़ाएगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। व्यापार बढ़ाने की योजनओं पर एक बार फिर से विचार करेंगे। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते समय किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, आज किसी को दिए पैसे की वापसी भी हो सकती है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। यदि किसी कारण से कुछ खोने का डर है तो आप निश्चिंत हो जाए ऐसा कुछ नही होने वाला क्योंकि आज आपका दिन आपके फेवर में है। आज जीवनसाथी का आपके प्रति पूर्ण सहयोग रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चों के प्रति सावधान रहन होगा। आप व्यर्थ के खर्चो पर अधिक ध्यान न दें, अपने सामानों को खरीदने से पहले एक आवश्यक कार्यों के लिस्ट बनएं कि किस समान की अधिक आवश्यकता है, केवल उसी समान को अधिक खरीदे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपका धन आज किसी शुभ काम में अधिक खर्च होगा, जिससे आपका मन भी प्रसन्न होगा, जिससे उनको शांति भी मिलेगी। आपके परिवार में आपके कामों को देखते हुए आपकी प्रसिद्धि बहुत अधिक बढ़ सकती हैं। नौकरी करने वाले लोगों के लिए आज का दिन थोड़ा सा सावधानी से रहने वाला रहेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। अगर आपका किसी कारण से मन परेशान है, तो उसे शांत रखने के लिए आप अपने बच्चों के साथ थोड़ा सा समय बताएं, तो आपका मन अच्छा हो जाएगा। आप अपने संतान की सेहत को लेकर लापरवाही न बरते अन्यथा आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। थोड़ी सी भी परेशानी होने पर अपनी संतान को चिकित्सक के पास अवश्य लेकर जाएं।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। काम क्षेत्र में आपके कामों की वाहवाही होगी और आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा, लेकिन आपका कोई धन संबंधित मामला आपके लिए समस्या लेकर आ सकता है।

प्रतिस्पर्धा नहीं बालमन को चाहिए मोटिवेशन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बड़ी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अति महत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवनलीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। कोचिंग हब कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम है पर कोटा से अधिक आत्महत्या देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर, प्रधानमंत्री मोदी ने जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों को भी स्पष्ट संदेश दिया है। इसमें दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि कुछ दशक पहले तक दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक रहते थे, उसके बाद लगभग दोगुने द्वितीय श्रेणी व बाकी तीसरी श्रेणी पाकर संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर

से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बलि चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चे की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं। परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत डालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया। सबसे खास बात यह कि बच्चों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। हमें दूसरे के स्थान पर स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी है। स्वयं से प्रतिस्पर्धा करेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। दरअसल होता यह है कि दूसरे से प्रतिस्पर्धा के चक्कर में नकारात्मकता अधिक आती है। होना यह चाहिए कि अपनी कमियों को ही सबक बनाकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है। आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदीजी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश न होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। मोदीजी ने मन की बात में बच्चों, परिजनों और टीचर्स तीनों को संदेश देने का प्रयास किया है। होता यह है कि जो बच्चे होशियार होते हैं या प्रभावशाली परिवार के हैं, उनपर टीचर्स का विशेष ध्यान होता है और जो बच्चे कमजोर होते उनके मामले में पीटी मीटिंग के माध्यम से पैरेंट्स को नीचा दिखा कर इतिश्री कर लेते हैं। बच्चों की नाकामी पर कभी किसी स्कूल या टीचर ने जिम्मेदारी ली हो, यह आज तो लगभग असंभव है। चाहे आप पढ़ाई के नाम पर स्कूल को कितनी ही फीस देते हो आप पर बच्चे को ट्यूशन कराने का दबाव आ ही जाता है। यदि शिक्षण संस्थानों में कमजोर और औसत बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाए तो तस्वीर बदल भी सकती है। इसी तरह से पैरेंट्स को भी नसीहत देने में मोदी जी पीछे नहीं रहे। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मियों ने किया विरोध, बकाया वेतन की मांग

अररिया, एजेंसी। अररिया में सोमवार शाम को शिक्षा विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मियों ने एक प्रेस वार्ता के माध्यम से अपनी नाराजगी जाहिर की। कर्मचारियों का मुख्य विरोध 31 मार्च 2025 को उन्हें सेवा से हटाने के आदेश को लेकर है। प्रेस वार्ता में जेडी यादव ने कहा कि वे बीपीआर पदों को

आउटसोर्सिंग से सरकारी संविदा में बदलने और लंबित वेतन के भुगतान की मांग कर रहे हैं। 2023 में डीपीएम, बीपीएम, बीआरपी, जेई, ऑपरेटर, नाइट गार्ड और आईसीटी प्रशिक्षक के पदों पर निविदा के माध्यम से नियुक्तियां की गई थीं।

समय पर वेतन नहीं मिलने से आर्थिक स्थिति खराब– कर्मचारियों का कहना है कि जहां सरकार रोजगार सृजन की बात करती है। वहीं, दूसरी ओर मौजूदा कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि विभाग के सभी निर्देशों का पालन करने के बावजूद उन्हें न केवल सेवा से हटाया जा रहा है, बल्कि समय पर वेतन भी नहीं मिल रहा है। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि बकाया वेतन नहीं मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई है कि दैनिक जीवन चलाना मुश्किल हो गया है। इस प्रेस वार्ता में अखिलेश कुमार, मुनाजिर आलम, नियाज़ आलम, प्रणव कुमार, मिर्तुजय कुमार, साकिब अनवर, विशाल प्रिया समेत कई अन्य आउटसोर्सिंग कर्मी मौजूद थे।

शारीरिक रूप से अनफिट जवानों की होगी छुट्टी: 8 साल से एक जगह तैनात कर्मियों का होगा ट्रांसफर

किशनगंज, एजेंसी। बिहार पुलिस में अब सिर्फ शारीरिक रूप से फिट जवान ही सेवा में रह सकेंगे। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। बिहार पुलिस मैनुअल 1978 के नियम 809 के मुताबिक, स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य पाए जाने वाले पुलिस अधिकारियों और जवानों को सेवानिवृत्त किया जा सकता है। किशनगंज के

एसपी सागर कुमार ने बताया अनफिट पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई सिविल सर्जन की अध्यक्षता वाले मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर होगी। गंभीर बीमारियों से पीड़ित कर्मियों को पहले इलाज की सुविधा दी जाएगी। इलाज के बाद भी अगर वे फिट नहीं होते हैं, तो मेडिकल बोर्ड की जांच के बाद उन्हें सेवानिवृत्त कर दिया जाएगा।

इसके साथ ही, पुलिस मुख्यालय ने एक ही रेंज में लंबे समय से तैनात कर्मियों के स्थानांतरण की योजना बनाई है। विभाग ने 15 फरवरी तक ऐसे पुलिसकर्मियों की सूची मांगी है, जो एक ही जिले में 8 वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत हैं। इस मूल्यांकन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तय की गई है। यह आदेश पुलिस मुख्यालय के अतिरिक्त महानिदेशक द्वारा सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को भेजा गया है।

मधुबनी और समस्तीपुर में स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव

समस्तीपुर, एजेंसी। जयनगर से नई दिल्ली जाने वाली स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस पर सोमवार की शाम मधुबनी और समस्तीपुर स्टेशन पर पथराव किया गया। स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। लोग एसी कोच में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अंदर से यात्रियों ने गेट बंद कर दिया था। इससे नाराज

यात्रियों ने प्लेटफॉर्म पर जमकर हंगामा किया। इस दौरान पत्थरबाजी भी की। इससे करीब 12 एसी कोच के कांच टूटे हैं। कुछ यात्रियों को हल्की चोट भी लगी है। बताया जा रहा है कि ट्रेन समस्तीपुर स्टेशन पहुंची। यहां महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की काफी भीड़ थी। लोग ट्रेन में चढ़ने की कोशिश रहे थे, लेकिन अंदर से गेट नहीं खोला गया। घटना की सूचना मिलने के बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची।

आरपीएफ ने हंगामा करने वाले 2 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, मधुबनी स्टेशन पर भी तोड़फोड़ हुआ। इसमें घायल हुए यात्रियों ने समस्तीपुर स्टेशन पर आपबीती सुनाई। कहा कि रेल प्रशासन पूरी तरह से विफल है। ट्रेन के अंदर बैठे अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि जयनगर से प्रयागराज जा रहे थे। कांच तोड़ने वाले भी प्रयागराज जाना चाह रहे थे।

सीएम नीतीश का चुनावी साल में मास्टर स्ट्रोक, कई जिलों में बनेंगे नए पुल और आरओबी

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ने बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के खाते में नए प्रोजेक्टों की भरमार कर दी है। आने वाले बजट में बिहार में नए पुलों के लिए बड़ी राशि का प्रविधान संभव है। अब तक जिन पुलों के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हुई है वह डेढ़ हजार करोड़ रुपए है।

पूर्वी चंपारण जिले के लालबकेया नदी पर बलुआ गुआबारी के समीप 72.34 करोड़ रुपए की लागत से आरसीसी पुल का निर्माण कराए जाने को अनुमति मिली है। आरसीसी पुल के अतिरिक्त कई जगहों पर आरओबी के निर्माण के लिए भी प्रगति यात्रा के दौरान राशि की मंजूरी दी गयी है।

167 करोड़ रुपये से होगा आरओबी का निर्माण– मुजफ्फरपुर के गोबरसही चौक के पास लेबल क्रॉसिंग संख्या 4 ए बदले आरओबी निर्माण को अनुमति दी गयी है। इस पर 167 करोड़ रुपए खर्च होंगे। नाबार्ड ऋण परियोजना के तहत मुजफ्फपुर में बूढ़ी गंडक नदी पर सोडा गोदाम चौक से अहियापुर के बीच पहुंच पथ सहित आरसीसी पुल का निर्माण कराया

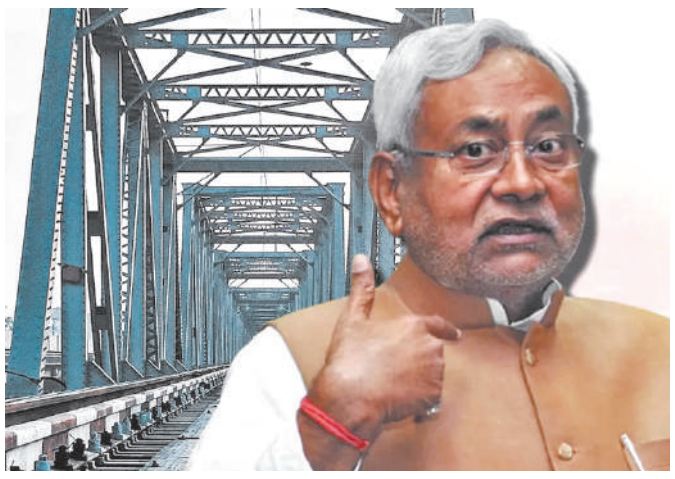

जाएगा। इस पर 98.72 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मुजफ्फरपुर में इसके अतिरिक्त 120 करोड़ रुपए की लागत से एक और पुल का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम की देखरेख में किया जाएगा। छपरा शहर में भिखारी ठाकुर ढाला पर नए आरओबी का निर्माण की घोषणा प्रगति यात्रा के दौरान की गयी है पर अभी यह तय नहीं हुआ है कि इस प्रोजेक्ट की राशि क्या होगी।

सारण मे ही गड़खा ढाला पर आरओबी सहित फुट ओवर ब्रिज निर्माण को भी प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी है। रामवगगर ढाला पर भी आरओबी सहित फुट ओवर ब्रिज बनाने को प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी है। इन दोनों प्रोजेक्ट का निर्माण भी बिहार राज्य पुल निर्माण निगम द्वारा कराया जाएगा।

मधुबनी में खजौली रेलवे स्टेशन से जयनगर रेलवे स्टेशन के बीच एक आरओबी का निर्माण कराया जाएगा। इस पर 178 करोड़ रुपए खर्च आएंगे। वहीं, समस्तीपुर के शिवाजी नगर प्रखंड में करेह नदी पर शंकरपुर घाट पर आरसीसी पुल बनाया जाएगा। इस पर 62 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

खगड़िया जिले में बूढ़ी गंडक नदी पर रहीमपुर एवं खगड़िया बाईपास पथ के बीच आरसीसी पुल बनेगा। इसकी लागत 99 करोड़ रुपए है। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम को ही इसकी जिम्मेवारी दी गयी है।

खगड़िया के अलौली प्रखंड में ही 63 करोड़ रुपए की लागत से एक आरसीसी पुल निर्माण को स्वीकृति है। सुपौल के सिमराही बाजार में एक फ्लोईओवर का निर्माण होना है। इसकी लागत 188 करोड़ रुपए है।

प्रगति यात्रा के दौरान सीमांचल में भी कई जिलों में पुल निर्माण को स्वीकृति दी गयी है। किशनगंज में कनकई नदी पर असुराघाट एवं निसंदरा घाट के बीच 48 करोड़ रुपए की लागत से पुल बनेगा। अररिया में 115 करोड़ रुपए के खर्च पर फारबिसगंज बथनाहा स्टेशन के बीच आरओबी बनेगा। कटिहार में 193 करोड़ की लागत से आरओबी बनेगा।

एसपी ने रात में सदर थाना का किया औचक निरीक्षण: किशनगंज में गश्त बढ़ाने और अपराध नियंत्रण का निर्देश

लंबित मामलों को जल्द निपटाने का आदेश

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने सोमवार की रात सदर थाना का औचक निरीक्षण कर थाना व्यवस्था की गहन समीक्षा की। इस दौरान एसपी ने थाने के सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों और पंजियों की बारीकी से जांच की और कई अहम निर्देश दिए। एसपी ने

अनुसंधानकर्त्ताओं को लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश देते हुए अपराध नियंत्रण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने प्रभावी गश्ती, सघन वाहन जांच और मद्यनिषेध कानून के कड़े क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही जमीनी विवादों और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों को प्राथमिकता से निपटाने का निर्देश दिया।

थानाध्यक्ष संदीप कुमार की मौजूदगी में हुए निरीक्षण के दौरान पैंथर मोबाइल और डायल-112 सेवा से जुड़े कर्मचारियों को भी विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी ने अभिलेखों के रखरखाव में पाई गई कमियों को तत्काल दूर करने का आदेश दिया। थाने में तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपराध नियंत्रण के लिए सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि थाना स्तर पर कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा।

ट्रेनों में यात्रियों का रेला, मगर टिकट कटाने में हो रहा खेल, सामने आई चौंकाने वाली खबर

आरा, एजेंसी। में स्नान के लिए जाने की होड़ मची है। ट्रेनों में यात्रियों का रेला जा रहा है। आरा जंक्शन पर इतनी भीड़ हो रही है कि कई बार खड़ा होने की जगह भी नहीं बच रही है। इतनी भीड़ के बाद भी लिए स्टेशन का टिकट काउंटर खाली है। राजस्व के आंकड़े भी इसकी गवाही देते हैं।

महाकुंभ शुरू होने के बाद यात्रियों की भीड़ बढ़ी है, लेकिन राजस्व में कोई खास अंतर नहीं आया है। दूसरी ओर, यह भीड़ अपने जरूरी कार्यों से यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। आरा जंक्शन पर रोज रिजर्वेशन का टिकट होने के बावजूद कई यात्रियों की ट्रेन छूट रही है। वह ट्रेन पर चढ़ नहीं पा रहे हैं। स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आरा जंक्शन से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सोमवार को एक स्पेशल ट्रेन 02116 कुंभ स्पेशल को रात 12 बजे चलाया गया। जिसमें अधिकांश यात्रियों के पास टिकट नहीं था। आस्था के नाम पर बड़ी संख्या में लोग बिना टिकट चल रहे हैं। वहीं, अब सोमवार से भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल के जवान लगातार माइक से अनाउंसमेंट कर रहे हैं। स्टेशन पर मिले अखिलेश राय ने बताया कि उनका मगध में टिकट था, लेकिन परिवार के साथ वो उसमें सवार नहीं हो सके।

प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में आरक्षण का कोई मतलब नहीं रह गया है। हालात ये हैं कि चढ़ पाओ तो जहां जगह मिले, खड़े होकर-बैठकर जाओ। मंगलवार को आरा स्टेशन पर कुछ ऐसा ही नजारा दिखा। आरा जंक्शन पर श्रमजीवी, लोकयमान्य तिलक एक्सप्रेस, पटना मथुरा, दानापुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल, मगध एक्सप्रेस, दानापुर आनंद विहार जनसाधारण एक्सप्रेस, भागलपुर आनंद विहार विक्रमशिला एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों में भीड़ देखी गई।

खगड़िया-अलौली वालों के लिए खुशखबरी, सवारी गाड़ी चलाने को लेकर आया नया अपडेट

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया-कुशेश्वर स्थान रेल लाइन बीते 27 वर्षों से लंबित है। हालांकि अलौली गढ़ स्टेशन तक पटरी बिछाई जा चुकी है। खगड़िया से अलौली गढ़ तक मालगाड़ी का परिचालन लगभग 20 माह से हो रहा है। लेकिन सीआरएस (कमीश्नर आफ रेलवे सेफ्टी) नहीं मिलने के कारण सवारी गाड़ी आजतक नहीं चल पाई है।

अब एकबार फिर सवारी गाड़ी चलने की आस जगी है। खगड़िया- कुशेश्वर स्थान रेल लाइन के आइडब्लूओ पिंटू कुमार ने बताया कि तकनीकी समस्या के कारण सीआरएस लंबित थी, लेकिन अब जल्द ही सीआरएस कर कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद सवारी गाड़ी का परिचालन हो सकेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल मालगाड़ी का परिचालन हो रहा है।

अलौली गढ़ से कुशेश्वर स्थान के बीच बनने वाले पुल निर्माण के लिए सर्वे का कार्य चल रहा है। आगे के कार्य के लिए टेंडर होना बाकी है। उन्होंने बताया कि इस बीच बिशनपुर रेलवे स्टेशन का निर्माण का कार्य चल रहा था। जिसे पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में बिशनपुर स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज का काम चल रहा है।

मालूम हो कि, खगड़िया से अलौली गढ़ के बीच सवारी गाड़ी के परिचालन और खगड़िया- कुशेश्वर

स्थान रेल परियोजना को पूरी करने को लेकर खगड़िया सांसद राजेश वर्मा मुखर रहे हैं। उन्होंने संसद में भी इसको लेकर आवाज उठाई है।

खगड़िया- सन 1998 में खगड़िया कुशेश्वर स्थान रेल परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। लेकिन 27 साल बीत गए, आज भी कोसी और मिथिला के बीच बनने वाली खगड़िया-कुशेश्वर स्थान रेल लाइन अधर में लटकी हुई है। इन 27 वर्षों में मात्र 18.8 किलोमीटर ही रेल पटरी बिछाई जा सकी है।

जिस पर लगभग 20 माह से सिर्फ मालवाहक ट्रेन चलाई जा रही है। खगड़िया से अलौली गढ़ स्टेशन के बीच अबतक सवारी गाड़ी नहीं दौड़ सकी है। 44 किलोमीटर की खगड़िया-कुशेश्वर स्थान रेल परियोजना कछुए की गति से चल रही है।

खगड़िया से कुशेश्वर स्थान 42.308 किलोमीटर रेल परियोजना के तहत 7 स्टेशनों का निर्धारण किया गया है। इन 7 स्टेशनों में पांच स्टेशन खगड़िया जिले में पड़ेंगे, दो स्टेशन दरभंगा जिले व एक स्टेशन समस्तीपुर जिला क्षेत्र में आएगा। खगड़िया जिला अंतर्गत आने वाली स्टेशनों में बिशनपुर, कामाथान, अलौली, चेराखेरा, शहरबन्नी, (स्व रामविलास पासवान का गृह पंचायत) के अलावा समस्तीपुर जिले के अंतर्गत सुगरैन व दरभंगा जिले के अंतर्गत कुशेश्वर स्थान के अलावा तिलकेश्वर स्टेशन का निर्धारण किया गया है।

नेपाल से आए छह हाथियों ने बिहार में उत्पात मचाया, कई मकान गिराए-फसलें बर्बाद की

किशनगंज, एजेंसी। बिहार के किशनगंज के दिघलबैंक प्रखंड क्षेत्र में आठ गछिया पंचायत के नेपाल से सटे सीमावर्ती गावों में जंगली हाथियों का उत्पात जारी है. यहां हाथियों ने कई गांवों में फसलें बर्बाद कर दीं. किसानों के कच्चे घरों को गिरा दिया. हाथियों के हमले में कई परिवार बाल-बाल बच गए. सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. वन कर्मी हाथियों के समूह को नेपाल की ओर खदेड़ने की कोशिश कर रहे हैं.

किशनगंज में हाथियों का उत्पातः बताया जाता है कि बीती रात के अंधेरे में हाथियों ने सरहद पार कर तलवार बंधा और डोरिया गांव में प्रवेश किया. झुंड में आधे दर्जन से ज्यादा हाथी थे. हाथियों ने निशारन निशा नाम की विधवा महिला के आवासीय घर को क्षतिग्रस्त करने के साथ-साथ घर के अंदर रखे अनाज को भी बिखेर डाला. यही नहीं हाथियों ने तलवार बंधा के

किसान शाफिउर रहमान, मुबैर आलम, आजाद अंसारी और सजाबुद्दीन के मक्का और केला की खेती को रौंद दिया है.

गांव में घुसा 6 हाथियों का समूह– जंगली हाथियों का एक समूह जंगल से आकर मोहल्ले में घुस आया. हाथियों ने यहां जमकर तांडव मचाया. हाथियों के एक समूह ने गांव के कई कच्चे घरों को नष्ट कर दिया.बता दें किशनगंज के भारत नेपाल सीमा से सटे इस इलाके में हर साल नेपाल से घुसे हाथियों द्वारा उत्पात मचाया जाता है. स्थानीय लोग एलिफेंट कॉरिडोर बनाने के लिए लगातार मांग कर रहे हैं. वहीं वन विभाग के द्वारा भी अब तक हाथी के उत्पाद को गंभीरता से नहीं लिया है.

खाने की तलाश में नेपाल से आ जाते हैं हाथी

इस इलाके में आए दिन हाथियों का झुंड खाने की तलाश में नेपाल से आ जाता है. किशनगंज के दिघलबैंक के सीमावर्ती क्षेत्रों में हाथी काफी उत्पात मचाते हैं और बाद में नेपाल चले जाते हैं. इस इलाके के किसानों की फसलों का नुकसान हो जाता है.

दिघलबैंक थानाध्यक्ष सोमेष कुमार का कहना है कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी. वहीं इसकी सूटना वन विभाग को दी गई है. वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है.

अगवा हुई नाबालिग घर से 130 किलोमीटर दूर बरामद: दोनों बदमाश गिरफ्तार

पूर्णिया में घर के बाहर से किया था किडनैप

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में 6 फरवरी की शाम अगवा की गई नाबालिग (16) को 96 घंटे बाद पुलिस ने बरामद कर लिया है। घटना के बाद पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। इस दौरान टीम ने पूर्णिया से 130 किलोमीटर दूर सहरसा से नाबालिग को बरामद किया है। बाइक सवार 2 बदमाशों सुमित कुमार (21) और सुजीत कुमार (23) को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला बड़हरा कोठी थाना क्षेत्र के बासुदेवपुर गांव का है।

दरअसल, 6 फरवरी गुरुवार की शाम 5.30 बजे नाबालिग बाजार से घर लौट रही थी। 1 मिनट 54 सेकेंड के सीसीटीवीफुटेज में देखा जा सकता है कि वो अपने घर के पास पहुंची ही थी कि सुमित और सुजीत वहां पहले से ही घात लगाकर बैठे हुए थे। एक ने उसे उठाकर गाड़ी पर बैठाने की कोशिश की, लेकिन वो गली की ओर भाग गई। थोड़ी देर बाद वो लड़की उसे जबरदस्ती उठाकर लाया और बाइक पर बैठाकर फरार हो गया।

वहीं घटनास्थल के पास कुछ युवक खड़े होकर सारा घटनाक्रम अपनी आंखों से देखते रहते हैं, मगर किसी ने कुछ नहीं बोला। नाबालिग की मां को आसपास के लोगों ने सूचना दी। फुटेज में कैद तस्वीरों के आधार पर लड़की की मां ने दोनों बदमाशों की पहचान की। इसके बाद मां ने पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया था।

पड़ोसियों ने मुझे जानकारी दी थी– लड़की की मां ने बताया कि 10 साल पहले मेरे पति का बीमारी के कारण निधन हो गया था। सिलाई-कढ़ाई का काम कर अपनी बेटी का पालन-पोषण कर रही हूं। घटना के समय मैं घर पर नहीं थी।

बिहार का मोस्ट वांटेंड मंगलू बंगाल से गिरफ्तार, 9 साल से पुलिस को चकमा देकर चल रहा था फरार

किशनगंज, एजेंसी। बिहार का मोस्ट वांटेड मंगलू को पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है. काफी लंबे समय से कई आपराधिक मामले में फरार चल रहा था. किशनगंज पुलिस की टॉप 10 लिस्ट में मोस्ट वांटेड था. किशनगंज पुलिस और पूर्णिया एसटीएफ ने रविवार की रात इसकी गिरफ्तारी की.

पुलिस ने घर से गिरफ्तार कियाः मंगलू उर्फ मंगल उर्फ जमशेद आलम बंगाल के ग्वालपोखर थाना क्षेत्र के मोनीभिट्ठा का रहने वाला है. किशनगंज एसपी सागर कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मंगलू अपने घर आया हुआ है. किशनगंज पुलिस और पूर्णिया एसटीएफ ने ग्वालपोखर थाना के सहयोग से छापेमारी की. वह पुलिस टीम को देखकर भागने लगा, इसके बाद पुलिस बल के द्वारा खदेड़ कर पकड़ लिया गया.

9 साल से चल रहा था फरार– एसपी ने बताया कि

इसके विरुद्ध कई अपराधिक मामले दर्ज हैं. किशनगंज सदर थाना में वर्ष 2015 में कांड संख्या 183/15 के आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं में मामला दर्ज था. बीते 9 सालों से पुलिस को चकमा देकर गिरफ्तारी के भय से फरार चल रहा था. कई बार छापेमारी की गई थी, परंतु ये भागने में सफल हो जाता था. 2018 में मोस्ट वांटेड अपराधी मंगलू के घर कुर्की जब्ती की कार्रवाई होने के बाद भी फरार चल रहा था.

किशनगंज के एसपी सागर कुमार का कहना है कि ÷किशनगंज पुलिस को फरार अपराधी मंगलू अपने बंगाल के ठिकाने पर होने की सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही गठित टीम व पूर्णिया एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई कर बंगाल पुलिस की मदद से कार्रवाई की गयी. मोस्ट वांटेड अपराधी के ठिकाने छापेमारी कर गिरफ्तार कर किशनगंज लाया गया.÷

बैंक डकैती योजना में था शामिल

पस्चिम्पल्ली स्थित एसबीआई बैंक में 2015 में डकैती की योजना बनाते हुए चर्चा में आया था. 25 मई 2015 को सदर थाना क्षेत्र के पश्चिमपाली स्थित एसबीआई शाखा में डकैती की घटना को अंजाम देने के लिए 6 व्यक्ति दो मोटरसाइकिल से बैंक के पास पश्चिम पाली में एकत्रित हुए थे. इसकी सूचना पर पुलिस द्वारा कार्रवाई कर एक मोटरसाइकिल सवार तीन व्यक्ति को अवैध पिस्टल, कारतूस एवं देसी बम के साथ गिरफ्तार किया गया था.

किशनगंज पुलिस की बड़ी सफलता

दूसरे मोटर साइकिल पर सवार तीन व्यक्ति में से दो का सत्यापन संबंधित थाना द्वारा नहीं किया जा सका था. इस मामले में गिरफ्तार अपराधी मंगलू उर्फ मंगल के विरुद्ध भी केस दर्ज हुआ था. गिरफ्तार मंगलू के खिलाफ किशनगंज में और कई अपराधिक केस दर्ज है. मंगलू की गिरफ्तारी को किशनगंज पुलिस बड़ी सफलता मान रही है.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, बुधवार, 12 फरवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

जेलर ने तीन लड़कियों की जिंदगी कर दी बर्बाद, मेरे साथ भी...युवती ने लगाए घिनौने आरोप

एटा , एजेंसी। एटा में एक युवती ने सोमवार की शाम जेलर के आवास पर पहुंचकर हंगामा कर दिया। जेलर पर शारीरिक और मानसिक रूप से शोषण करने का आरोप लगाया। इसके अलावा यह गंभीर आरोप भी लगाया कि जेलर की वजह से तीन अन्य लड़कियों का जीवन खराब हो गया। इनमें से एक ने तो जान दे दी है।

हंगामा कर रही युवती ने बताया कि जिला कारागार में तैनात जेलर प्रदीप कश्यप की तैनाती आगरा में रही थी। उस समय वहां इन्होंने मुझे अपने साथ रखा। जब मैंने कहा कि आपसे काफी छोटी हूं और आपकी पत्नी भी है तो मुझसे क्या मतलब लेकिन यह नहीं माने।

गोरखपुर में तैनाती के दौरान भी अपने साथ रखा। इसके बाद जब एटा में इनका स्थानांतरण होकर आया, तबसे तीन बार जेल के अंदर भी गई हूं। इन्होंने हर बार कहा कि तुम मेरे लिए सब कुछ हो। जब मैंने साथ में रहने से इन्कार कर विरोध किया तो बुरी तरह से मारते थे।

युवती ने यह भी आरोप लगाया कि मेरे अलावा तीन अन्य लड़कियों के साथ इन्होंने ऐसा ही किया है। जिसके बाद एक लड़की ने परेशान होकर जान दे दी। मुझे वह जान से मारने की धमकी देते हैं। हर जगह गुहार लगा ली मगर मेरी कोई नहीं सुनता।

जेलर प्रदीप कश्यप ने बताया कि युवती की ओर से लगाए गए सारे आरोप गलत हैं। घर पर आकर इसने बेवजह गाली-गलौज, धक्कामुक्की और हंगामा किया। इसके खिलाफ मैं कानूनी कार्रवाई करूंगा।

खेत में मिला युवक का अधजला शव, टहलने निकले लोगों ने देखा तो बुलाई पुलिस

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में लोहता थाना क्षेत्र के कोटवा पुलिस चौकी के पास मंगलवार की सुबह एक युवक का सरसों के खेत में अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर साक्ष्य इकट्ठा किया। हालांकि शव का शिनाख्त नहीं हो सका।

मंगलवार की सुबह गांव के लोग टहलने निकले। इस दौरान सरसों के खेत में एक युवक की कमर से उपर जली हुई लाश पड़ी थी। लोगों ने इसकी सूचना तत्काल कोटवा चौकी इंचार्ज को दी। उन्होंने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी।

घटनास्थल पर डीसीपी वरूणा जोन सीपी मीणा, एसीपी रोहनिया तथा थाना प्रभारी पहुंचे। वहीं आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव का शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन पता नहीं चल पाया।

सिद्धार्थनगर में की थी लूट, संतकबीर नगर में मुठभेड़- 2 लुटेरे गिरफ्तार; 1 आरोपी के पैर में लगी गोली

संत कबीर नगर , एजेंसी। बेलहर कला थानाक्षेत्र में सिद्धार्थनगर के मोबाइल व्यवसाई के सेल्समैन से हुई लूट के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने दो लुटेरों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान एक लुटेरे के पैर में गोली भी लगी है। इस लूट में व्यवसाई का सेल्समैन भी मिला हुआ था। उनके पास से लूट के 2.52 लाख रुपए भी बरामद किए गए हैं।

एसपी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि लूट के सुराग में लगी पुलिस को यह पता चला कि लुटेरे रुधौली दुर्गजोत मार्ग पर जा रहे हैं। इस दौरान बेलहरकला और एसओजी की संयुक्त टीम ने घेरेबंदी की । अमरडोभा के पास पुलिस को सुबह 5 बजे के करीब मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते दिखे।

पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का इशारा किया तो वह मोटरसाइकिल लेकर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। तभी बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। फायरिंग के दौरान पुलिस की तरफ से भी जबावी फायरिंग की गयी। नतीजा यह हुआ कि उनकी पल्सर मोटरसाइकिल गिर गई और वह पैदल भागने लगे। पुलिस की फायरिंग में एक को गोली लग गयी। टीम ने दोनों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

सीएम योगी बोले: सड़कों पर न लगे वाहनों की कतारें

मेला क्षेत्र में अनाधिकृत वाहनों का प्रवेश वर्जित

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर रात शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रयागराज, कौशाम्बी, कानपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, अयोध्या, मीरजापुर, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, भदोही, रायबरेली, गोरखपुर, महोबा और लखनऊ आदि जनपदों/ज़ोन/रेंज में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और मंडलायुक्तों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष बैठक कर महाकुम्भ की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ मार्ग पर यातायात थमने न देने और पार्किंग स्थलों का सही उपयोग करने का निर्देश दिया। देर रात वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने प्रयागराज समेत कई जिलों में ट्रैफिक जाम का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिया कि हर दिशा से वाहन प्रयागराज आ रहे हैं। सड़कों पर वाहनों की कतार नहीं लगनी चाहिए। कहीं भी जाम की स्थिति नहीं हो।

सीएम ने शासन के अधिकारियो के साथ महाकुंभ की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि विशेष सतर्कता और सावधानी बरतना जरूरी है। लिहाजा बसंत पंचमी की तरह व्यवस्था लागू की जाए। बेहतर ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट लागू करें। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं का सहयोग करें। पार्किंग स्थल से मेला परिसर के लिए शटल बसों की संख्या बढ़ाई जाए। मेला परिसर में कोई भी अनाधिकृत वाहन का प्रवेश नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक-एक श्रद्धालु को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।

टोल के नाम पर नहीं लगे जाम

योगी ने कहा कि टोल के नाम पर वाहनों का जाम नहीं लगना चाहिए। रेलवे स्टेशन पर भीड़ नहीं लगने दी जाए। स्वच्छता प्रयागराज महाकुंभ की पहचान है। नदी हो या मेला परिसर, लगातार सफाई कराएं। यह विश्व इतिहास का सबसे बड़ा मानव समागम है। उन्होंने प्रयागराज वासियों के संयम और सहयोग का अभिनंदन भी किया।

अनावश्यक न रोका जाए

सीएम ने कहा कि मेला क्षेत्र में आवागमन चलता रहे। अनावश्यक लोगों को न रोकें। कहीं भी भीड़ का दबाव न बनने पाए। मार्गों पर जाम नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट वेंडर आदि को खाली एरिया में व्यवस्थपित करें।लाखों श्रद्धालु वाराणसी और अयोध्या में भी पहुंच रहे हैं। चित्रकूट और मीरजापुर में भी बड़ी संख्या में लोगों का आगमन हो रहा है। अगले दो दिनों में भीड़ बढ़ने की संभावना है। इसके दृष्टिगत सतर्कता-सावधानी बनाये रखें। होल्डिंग एरिया बनाकर लोगों को रोकें। भ्रामक सूचना/गलत जानकारी को प्रसारित करने वाले अराजक तत्वों टर कड़ी कार्रवाई करें। आम जन को तत्काल सही सूचना उपलब्ध कराई जाए।

- सड़कों पर वाहन की कतार न लगे। कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए। कहीं भी सड़क पर वाहन खड़ा नहीं होने दें। वाहनों का मूवमेंट लगातार बना रहना चाहिए।

- प्रयागराज से सीमा साझा करने वाले सभी जिलाधिकारी लगातार प्रयागराज प्रशासन से संपर्क-समन्वय बनाये रखें। वाहनों का मूवमेंट परस्पर समन्वय के साथ किया जाना सुनिश्चित करें। मेला क्षेत्र में भीड़ का दबाव न बने, आवश्यकता के अनुसार बैरीकेडिंग लगाई जाए। टोल के नाम पर जाम न लगने पाए।

- प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति है। यह वो श्रद्धालु हैं जो अब स्नान करके अपने घर लौट रहे हैं। एक-एक श्रद्धालु को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना, हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए रेलवे से संपर्क-समन्वय बनाकर ट्रेनों का लगातार संचालन सुनिश्चित कराया जाए। परिवहन निगम की अतिरिक्त बसें भी लगाई जाएं।

-महाकुम्भ मेला क्षेत्र में आवागमन लगातार चलता रहे। अनावश्यक लोगों को न रोकें। कहीं भी भीड़ का दबाव न बनने पाए। मार्गों पर जाम नहीं होना चाहिए। यदि कहीं स्ट्रीट वेंडर आदि मार्गों पर हों, तो उन्हें खाली एरिया में व्यवस्थपित करें। आवागमन लगातार जारी रहना चाहिए।

-प्रयागराज से संबद्ध सभी मार्गों पर पुलिस पेट्रोलिंग जारी रखें। क्रेन, एम्बुलेंस की उपलब्धता रहे। रीवा मार्ग, अयोध्या-प्रयागराज, कानपुर-प्रयागराज, फतेहपुर-प्रयागराज, लखनऊ-प्रतापगढ़-प्रयागराज, वाराणसी-प्रयागराज जैसे सभी मार्गों पर कहीं भी यातायात अवरुद्ध नहीं होना चाहिए। प्रयागराज से वापसी के सभी मार्गों को लगातार खुला रखा जाना चाहिए।

कानपुर में इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह की अगुवाई में अपराधियों पर भारी गोविंद नगर पुलिस, कई गिरफ्तार

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां गोविंद नगर पुलिस द्वारा पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही मिलने वाली सूचनाओं पर अपराधियों के खिलाफ तत्काल प्रभावी कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है ,जिसके क्रम में अतिरिक्त इंस्पेक्टर अभय सिंह के साथ ही पीड़ितों की सहायता और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में अग्रणी पुलिस इंस्पेक्टर्स में से एक गोविंद नगर के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह की अगुवाई वाली टीम रतनलाल नगर के चौकी प्रभारी मनीष चौहान, गोविंद नगर के चौकी प्रभारी शिवा सिंह और सब इंस्पेक्टर सूरज कुमार द्वारा नाबालिक बच्चों को बेचने और उनसे काम कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर संबंधित सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने, ट्रेन से जा रहे अपराधी को जान जोखिम में डाल कर अदम्य साहस के साथ कार से डेढ़ सौ किलोमीटर तक पीछा करके गिरफ्तार करने, चौकी प्रभारी शिवा सिंह ,सब इंस्पेक्टर रेलवे कॉलोनी अमित फौजदार ,कांस्टेबल नीलम सिंह और अनुराग शुक्ला की टीम द्वारा ही नंदलाल चौराहे के पास भाजपा नेता विकास दुबे के मकान में हुक्काबार संचालकों प्रियांशु दुबे और मोहनिस पांडेय उर्फ जीतू के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही सब इंस्पेक्टर सुदेश कुमार और उप निरीक्षक यूटी मनीष सिंह आदि की टीम द्वारा घर से लापता संजय नगर के लगभग 10 साल के नाबालिग बच्चे हनी उर्फ बंटा को 6 घंटे के अंदर ही सकुशल बरामद करने आदि की कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई भी आम जनता से पुलिस की भूरि - भूरि सराहना भी करा रही है।

कुल मिलाकर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह की नेतृत्व कुशलता वाले चिनौतीपूर्ण गोबिन्द नगर में नियुक्त चल रहे पुलिस वालों का परिश्रम योगी सरकार की मंशा के अनुरूप पीड़ितों के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ सफल है। जहां तक किसी की भी किसी भी

पद या स्थान पर नियुक्ति का सवाल है। इसके आध्यात्मिक पक्ष के मुताबिक स्थानांतरण या किसी भी पद पर नियुक्ति के रूप में आपके कदम धरती के उस स्थान पर भी पड़ते हैं ,जहां जन्म के बाद पहले कभी नहीं पड़े होते और उन लोगों से भी मुलाकात होती है ,जिनसे पहले कभी नहीं मिले होते।

खास बात यह भी कि किसी भी पीड़ित की परेशानी का निस्तारण संबंधित के प्रति दुआओं का भी सृजक होता है जो कि उसके जीवन में फलित भी अवश्य ही होती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी के प्रति भी दुआओं और बद्दुआओं के रूप में बोले गए शब्द कभी नष्ट नहीं होते। ....और अगर होते तो हमारी या किसी की भी मोबाइल से बात नहीं होती ,क्योंकि अजर, अमर, अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से बने वाक्य ही लिखने, पढ़ने और बोलने के रुप में ही इस संसार का संचालन करते हैं। मतलब अगर कुछ लिखा न जाए , पढ़ा ना जाए या कुछ कहा और बोला ना जाए तो इस संसार का संचालन हो ही नहीं सकता।

इसी के साथ साधारण या फिर किसी सक्षम पद के रूप में पुलिस विभाग में सेवारत होना भी संसार के अन्य सभी पदों और विभागों की अपेक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में जितनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका पुलिस विभाग की है, उतनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका संसार के किसी अन्य विभाग अथवा किसी अन्य सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं , पुलिस विभाग में किसी भी पदधारक के रूप में यह महत्वपूर्ण भूमिका संसार में इंसान के जन्म के पहले शुरू होती है और मरने के बाद भी जारी रहती है। यहां जन्म से पहले मतलब शिकायत पर इस आशय की जांच और विवेचना के रुप में कि पेट में बच्चा किसका है और मृत्यु के बाद भी इस आशय से कि हत्या किसने की है? मतलब जन्म के पहले से लेकर मृत्यु के बाद तक जैसी इतनी बड़ी भूमिका पुलिस के अलावा संसार के किसी भी विभाग या उसके सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं है।

यही नहीं जन्म से लेकर मृत्यु तक के बीच के समय यानी जीवन को व्यक्ति के कर्मों के अनुरूप सुख या दुख में बदलने के साथ ही उचित पात्र लोगों के जीवन को बचाने और अपराध के रूप में जनहित के विपरीत आचरण करने वाले के जीवन को मृत्यु (मुठभेड़) के रूप में समाप्त करने की भी क्षमता , सक्षमता और समर्थता शरीर धारी के रूप में वह रखता है ,जिसे पुलिस कहते हैं।

सेहत: बर्गर-नूडल्स खाने से सिकुड़ रहा जबड़ा

32 के बजाय बची 28 दांतों की जगह

कानपुर , एजेंसी। नरम चीजें (बर्गर, नूडल्स आदि) खाने की आदत से सिकुड़ रहे जबड़ों में अब 32 के बजाय 28 दांतों की ही जगह बच रही है। जबड़ा ढंग से फैल न पाने से दांतों को निकलने की जगह नहीं मिलती, जिससे क्राउडिंग हो रही है। एक दांत दूसरे के ऊपर चढ़कर निकल रहा है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के दंत रोग विभाग की ओपीडी में महीने में 200 रोगी आ रहे हैं।

इनका जबड़ा फैलाने के लिए ब्रेस लगाए जा रहे हैं। क्राउडिंग की वजह से मुंह में संक्रमण भी हो रहा है। इससे कुछ रोगियों के दांतों को भी निकालना पड़ता है। मेडिकल कॉलेज के दंत रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अशरफुल्लाह ने बताया कि विभाग की ओपीडी में महीने में औसत 200 रोगी दांत दिखाने के लिए आते हैं। जबड़ों में सिकुड़न रहती है, जिसकी वजह से दांत पूरी तरह नहीं निकल पाते।

13 से 20 वर्ष के बीच है रोगियों का आयु वर्ग: कुछ दांत अंदर की तरफ ही अटके रहते हैं। दांतों के एक-दूसरे के ऊपर चढ़े रहने से दांत बाहर की तरफ आ जाते हैं। सफाई ढंग से नहीं हो पाती, जिससे संक्रमण हो जाता है। जड़ों तक संक्रमण पहुंचने और दांत खराब होने की वजह से निकालना भी पड़ता है। क्राउडिंग वाले रोगियों का आयु वर्ग 13 से 20 वर्ष के बीच है। किशोरावस्था की शुरुआत में दिक्कत सामने आ जाती है।

एक से डेढ़ साल लगाना पड़ता है: दांतों को दुरुस्त करने और जबड़े को चौड़ा करने के लिए रिमूवल एप्लाएंस लगाया जाता है। इसे छह महीने लगाना पड़ता है। व्यक्ति इसे बाहर निकाल कर साफ कर सकता है। इसके अलावा ब्रेसेस भी लगाए जाते हैं। इन्हें एक से डेढ़ साल लगाना पड़ता है। ब्रेसेस को निकाला नहीं जाता है। जबड़ा चौड़ा होने से दांतों को जगह मिल जाती है, जिससे वह आसानी से निकल आते हैं और सीधे भी हो जाते हैं।

नरम चीज खाने से नहीं हो पाता विकास

डॉ. अशरफुल्लाह ने बताया कि बच्चों के नरम चीज खाने की वजह से जबड़ों का ढंग से विकास नहीं हो पाता। इसमें सिकुड़न आ जाती है। इसके साथ ही मुंह का व्यायाम भी नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि यह दिक्कत लड़कों और लड़कियों दोनों में है। ब्रेसेस और रिमूवल एप्लाएंस दूध के दांत गिरने के बाद लगाए जाते हैं। स्थायी दांतों के निकलने के बाद इलाज किया जाता है। क्राउडिंग वाले रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है।

दो बच्चों संग ट्रेन के आगे कूदी महिला, तीनों की मौत, मानीराम रेलवे पुल के पास की घटना

गोरखपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में मानीराम रेलवे पुल के पास सोमवार को एक महिला दो बच्चों संग ट्रेन के आगे कूद गई, जिसमें तीनों की मौत हो गई। महिला गोंडा-गोरखपुर डेमू ट्रेन के आगे कूदी। वह डोहरिया बाजार की रहने वाली थी। जान गंवाने वाले बच्चों में एक आठ साल का बेटा और पांच साल की बेटी थी। चिलुआताल क्षेत्र में मानीराम रेलवे पुल के पास सोमवार शाम के समय एक महिला दो बच्चों के साथ ट्रेन के आगे कूद गई। ट्रेन की चपेट में आए महिला समेत दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस की जांच में मौत की वजह गृह कलह बताई जा रही है। सास-ससुर के साथ महिला बच्चों को लेकर रहती थी। उसका पति हैदराबाद में रहकर कारपेंटर का काम करता है।

काशी हाउसफुल: आबादी 15 लाख, बाहर से आए 12 लाख लोग

हाईवे और शहर की सड़कें ठसाठस

वाराणसी , एजेंसी। महाकुंभ के पलट प्रवाह के बीच हाईवे और शहर में चौतरफा जाम है। पुलिस के मुताबिक सोमवार को शहर में 12 लाख लोग बाहर से आए और 60 हजार से ज्यादा गाड़ियां आईं। यह पहला मौका रहा जब इतनी भीड़ और गाड़ियां एक दिन में काशी आ गई। जिला प्रशासन के मुताबिक शहर क्षेत्र (नगर निगम की सीमा) की आबादी करीब 15 लाख है। ऐसा लग रहा था मानो महाजाम हो। हाईवे से लेकर शहर की सड़कें ठसाठस रहीं। बच्चों को स्कूल से घर पहुंचने में तीन घंटे तक लग गए। शाम तक होटलों और ढाबों में खाना खत्म हो गया। सीमा सील होने से लोग होटल, गेस्ट हाउस में बुकिंग के बाद भी नहीं पहुंच सके। शहर में जाम के कारण ऑटो, ई-रिक्शा तक नहीं चल सके।

यातायात व्यवस्था ध्वस्त रही। स्कूली बसें भी जहां-तहां फंसी रहीं। भीड़ ऐसी कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। प्रयागराज-वाराणसी हाईवे मार्ग एक क्षण भी खाली नहीं हुआ। शाम 4 बजे कैथी टोल प्लाजा पर वाराणसी, गाजीपुर, गोरखपुर, देवरिया, मऊ के गाड़ियों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया।

गाजीपुर से शहर को जोड़ने वाली सीमा को चौबेपुर टोल प्लाजा से पहले सील कर दिए गए। इससे गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। इसी तरह प्रयागराज से वाली गाड़ियों को जंसा में रोका गया।

अखरी से मोहनसराय और मिर्जामुराद तक हाईवे पूरा चोक रहा। सर्विस लेन भी पैदल चलने लायक भी स्थिति नहीं रही। उधर, हरहुआ रिंग रोड चौराहे से लोहरापुर तक रिंग रोड पर गाड़ियों की लंबी लाइन लगी रही। रथयात्रा-गुरुबाग मार्ग पर दो एंबुलेंस एक साथ जाम में फंसी रहीं।

गलियों में भी जाम, फ्लाईओवर भी ओवरलोड: शहर के अंदर तो स्थिति बहुत ही खराब रही। मैदागिन से चौक और गोदौलिया तक श्रद्धालुओं की कतार रही। भीड़ भोर से शुरू हुई तो देर रात तक वैसी ही रही। रामापुरा से जंगमबाड़ी, लक्सा से रामपुरा मार्ग, लक्ष्मी कुंड से लक्सा गली भीड़ से पटी रही। लहरतारा से माधवपुर, महमूरगंज मार्ग पर गाड़ियों की कतार रही। रथयात्रा-गुरुबाग मार्ग पर दो एंबुलेंस भी आधे घंटे तक

फंसी रही। मंडुवाडीह फ्लाईओवर पर स्कूली बसें फंसी तो बच्चे उतरकर पैदल ही घर की ओर गए। कमच्छा से रथयात्रा तक लोग जाम में फंसे रहे। लंका से सामनेघाट और रामनगर चौक और टेंगरा मोड़ तक जाम से लोग बेहाल रहे। सामनेघाट-रामनगर फ्लाईओवर, महमूरगंज फ्लाईओवर, चौकाघाट-लहरतारा फ्लाईओवर और पांडेयपुर फ्लाईओवर, ककरमत्ता फ्लाईओवर भी ओवरलोड रहा।

दलाली नहीं थमी दो हजार में कराए दर्शन: सोम प्रदोष के कारण काशी विश्वनाथ में दर्शन की लाइन सड़क के साथ साथ गलियों तक में लग गई। मंदिर क्षेत्र से सटे सभी गलियां चोक रहीं। अभी भी दर्शन के नाम पर दलाली हो रही है। गुजरात से आए शिवम जोशी और उनके भाई ने बताया कि गेट नंबर चार से महज आधे घंटे में दर्शन मिल गया। वीआईपी लाइन में एक कांस्टेबल को दो हजार रुपये दिए तो उसने वीआईपी लाइन में लगवाकर दर्शन करवा दिए।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

शेख हसीना के घर हिंसा करने वाले 1300 लोग गिरफ्तार, बांग्लादेश सरकार ने चलाया ऑपरेशन डेविल हंट

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के पहले राष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर्रहमान के आवास पर तोड़फोड़ करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ ऑपरेशन डेविल हंट शुरू किया है। इस अभियान के तहत 1300 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दरअसल बांग्लादेश में बुधवार को उपद्रवियों ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान के ढाका स्थित धनमंडी-32 आवास पर तोड़फोड़ की थी। इसके साथ ही शेख हसीना के घर 'सुधा सदन' में भी आग लगा दी थी। इन घटनाओं के बाद अंतरिम सरकार को चौतरफा आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इसके बाद अंतरिम सरकार ने देश में अस्थिरता पैदा करने वाले सभी शैतानों को उखाड़ फेंकने का वादा किया था। ऑपरेशन डेविल हंट का मकसद पूरे देश में अशांति को रोकना और सार्वजनिक सुरक्षा तय करना है। बांग्लादेश सरकार के सलाहकार मोहम्मद जहांगीर आलम ने कहा कि यह तब तक जारी रहेगा जब तक सभी शैतानों को कटघरे में नहीं खड़ा कर दिया जाता।

हिंसा क्यों भड़की?: शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 6 फरवरी को अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को सड़क पर उतरने की अपील की थी। पार्टी पूर्व PM हसीना पर लगे कथित मामले दर्ज करने और अल्पसंख्यकों पर हमले के विरोध में मार्च निकालने का आह्वान किया था। यह मार्च शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के 6 महीने पूरे वाले दिन निकाला जाना था। इसी दिन शेख हसीना अपने समर्थकों को ऑनलाइन भाषण देने वाली थीं। इससे पहले '24 रिवोल्यूशनरी स्टूडेंट-जनता' नाम के छात्र संगठन ने इसके विरोध में रात 9 बजे 'बुलडोजर मार्च' निकालने का ऐलान किया। इसके लिए सोशल मीडिया पर प्रचार किया गया।

मुकेश अंबानी बेटे और मां के साथ महाकुंभ पहुंचे, विदेशी श्रद्धालुओं ने गुरु दीक्षा ली

प्रयागराज। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने बेटे अनंत अंबानी और मां कोकिलाबेन अंबानी के साथ महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचे। महाकुंभ में कल 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा का स्नान है। संगम पर सुबह 8 बजे श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए जाएंगे। महाकुंभ में विदेशी श्रद्धालु भी भक्ति में लीन हैं। सेक्टर-17 स्थित शक्ति धाम शिविर में विदेशी श्रद्धालुओं ने गुरु दीक्षा ली। आज महाकुंभ का 30वां दिन है। दोपहर 2 बजे तक 95.58 लाख श्रद्धालुओं संगम में स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक 45.70 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। संगम में जबरदस्त भीड़ है। हर जगह लोग ही लोग नजर आ रहे हैं। शहर में जाम जैसे हालात हैं। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए कमिश्नर प्रयागराज विजय विश्वास पंत और DIG अजय पाल शर्मा सड़क पर उतर गए हैं। इसके अलावा CM योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की शाम STF चीफ अमिताभ यश को विशेष विमान से प्रयागराज भेजा। 52 नए IAS , IPS और PCS अफसरों को तैनात किया गया है। सभी को तत्काल प्रयागराज पहुंचकर ड्यूटी जॉइन करने को कहा गया है। इधर, एक्टर आशुतोष राणा ने संगम में डुबकी लगाई। 12 फरवरी को होने वाले माघ पूर्णिमा स्नान को लेकर प्रयागराज में नई ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। 11 फरवरी की शाम 5 बजे से 12 फरवरी तक मेले में कोई भी वाहन नहीं चलेगा। योगी ने सोमवार शाम को महाकुंभ को लेकर समीक्षा बैठक की। कहा- माघ पूर्णिमा पर ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट के नियम सख्ती से लागू करें। सड़कों पर वाहनों की कतार नहीं लगनी चाहिए, न ही जाम की स्थिति होनी चाहिए।

महाराष्ट्र में GB सिंड्रोम से 7वीं मौत, 37 साल के युवक की जान गई

मुंबई। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (GBS) के मरीजों के संदिग्ध मरीजों की संख्या 192 पर पहुंच गई है। 167 मरीजों में सिंड्रोम की पुष्टि हुई है। बीमारी से अबतक 7 लोगों की मौत हुई है। सोमवार को पुणे में 37 साल के युवक की मौत हुई। 48 मरीज ICU में हैं और 21 वेंटिलेटर पर हैं। एक्टिव केसों में 39 मरीज पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, 91 पुणे से लगे गांवों से, 29 पिंपरी चिंचवाड़, 25 पुणे ग्रामीण से और 8 अन्य जिलों से हैं। इससे पहले 7 फरवरी को GB सिंड्रोम के मरीजों की संख्या 180 थी। एक अधिकारी ने बताया था कि GB सिंड्रोम के सबसे ज्यादा मामले नांदेड़ के पास स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी से सामने आए। यहां पानी का सैंपल लिया गया था, जिसमें कैंपिलोबैक्टर जेजुनी पॉजिटिव पाया गया। यह पानी में होने वाला एक बैक्टीरिया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (NIV) ने पुष्टि की है कि नांदेड़ और उसके आसपास के इलाकों में GB सिंड्रोम प्रदूषित पानी के कारण फैला है। पुणे नगर निगम ने नांदेड़ और आसपास के इलाके में 11 निजी आरओ सहित 30 प्लांट को सील कर दिया है। फरवरी को 63 साल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया था कि बुखार और पैरों में कमजोरी की शिकायत के बाद बुजुर्ग को सिंहगढ़ रोड क्षेत्र के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में पता चला कि उन्हें GB सिंड्रोम है। इस्केमिक स्ट्रोक के कारण उनकी मौत हो गई थी।

बेंगलुरु एयरो इंडिया शो में पहुंचे 30 देशों के मिनिस्टर, राजनाथ सिंह बोले- ये शो एक और महाकुंभ

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एशिया के सबसे बड़े एयर शो एयरो इंडिया 2025 की शुरुआत हो चुकी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को रक्षा मंत्रियों के BRIDGE कॉन्क्लेव में कहा कि कमजोर रहकर कोई देश कभी भी शांति नहीं ला सकता, केवल मजबूत होकर ही हम बेहतर दुनिया के लिए काम कर सकते हैं। राजनाथ ने कहा कि बॉर्डर सुरक्षा और देश की आंतरिक सुरक्षा के बीच का फर्क खत्म होता जा रहा है। अब हाईब्रिड वॉरफेयर की मदद से शांतिकाल में भी देश के अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया जा सकता है। इसलिए हमें तैयार रहने की जरूरत है। सिंह ने कहा, 'शांति का वट वृक्ष केवल शक्ति की जड़ों पर ही खड़ा हो सकता है। भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मुझे लगता है कि एयरो इंडिया के रूप में एक और महाकुंभ शुरू हुआ है। प्रयागराज महाकुंभ आत्म-खोज का कुंभ है, वहीं एयरो इंडिया रिसर्च का कुंभ है।' राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद, साइबर अपराध, मानवीय संकट और जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाएं भारत के लिए बड़ी चुनौती हैं, जो सीमाओं से परे जाकर दुनिया को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने BRIDGE पहल के जरिए वैश्विक सहयोग और सुरक्षा साझेदारी को मजबूत करने की बात कही। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच 'स' के सिद्धांत- सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति और समृद्धि को भारत की अंतरराष्ट्रीय नीति का आधार बताया।

जम्मू-कश्मीर में अगले 48 घंटे बर्फबारी-बारिश की संभावना, पहाड़ी इलाकों में 3-6 इंच बर्फ गिरी

जम्मू/भोपाल/नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में 3 बाद सोमवार को बर्फबारी हुई। इस दौरान गुलमर्ग, सोनमर्ग, दूधपटरी और दूसरे ऊंचे इलाकों में 3-6 इंच तक बर्फबारी दर्ज की गई। श्रीनगर में मिनिमम टेम्परेचर 3.0°C और अधिकतम तापमान 10.0°C दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटों में कश्मीर के कई स्थानों और जम्मू के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। आसमान छाए रहेंगे। कोल्डवेव का भी असर रहेगा। दिल्ली में सोमवार को दिन का पारा 28°C तक पहुंचा। जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। ये सामान्य से 4.6°C ज्यादा था। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को हल्का कोहरा रहेगा और बादल भी छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने आज केवल पश्चिम बंगाल में घने कोहरे की संभावना जताई है। इसके अलावा असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में बिजली, गरज और बारिश का अनुमान है। मध्यप्रदेश के गुना में एक ही दिन में पारा 5.4 डिग्री बढ़ गया। रतलाम-सिवनी में 33 डिग्री और मंडला में 33.5 डिग्री रहा। अधिकांश शहरों में पारा 30 डिग्री से ज्यादा ही रहा। वहीं, राजस्थान के बीकानेर, अलवर समेत कई शहरों में बूंदाबांदी भी हुई।

एमपी में ट्रक-ट्रैवलर, कार टकराई, 7 लोगों की मौत

एजेंसी, जबलपुर

- टायर फटने से सड़क की दूसरी साइड घुसा ट्रक, ट्रैवलर में हैदराबाद के 9 कुंभयात्री थे

कुंभ स्नान कर प्रयागराज से लौट रहे हैदराबाद के 7 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबलपुर में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे उनकी ट्रैवलर को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक और सड़क की रेलिंग के बीच फंसी ट्रैवलर बुरी तरह पिचक गई। इसमें 9 लोग सवार थे।

ट्रैवलर सवार सभी लोग अंदर बुरी तरह फंस गए थे, जिन्हें पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला। दो गंभीर रूप से घायल हैं। इस हादसे के बाद सामने से आ रही एक कार ट्रैवलर और ट्रक से टकरा गई। हालांकि, कार सवार सभी लोग एयरबैग खुलने से सुरक्षित हैं। हादसा नागपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर मोहला बरगी गांव के पास पुल पर हुआ। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। जाम के हालात बने तो पुलिस ने वाहनों को दूसरे रास्ते से निकाला।

सड़क की दूसरी ओर जाकर मारी टक्कर: पुलिस ने बताया कि ट्रक नंबर MP20 ZL 9105 जबलपुर से पुट्टी लेकर कटनी की ओर जा रहा था। मोहला बरगी के पास ट्रक का टायर फट गया। अनियंत्रित होकर वह सड़क की दूसरी साइड पहुंच गया और प्रयागराज से लौट रही ट्रैवलर नंबर AP29 W 1525 को टक्कर मार दी। ट्रैवलर सवार सभी 9 लोग तेलंगाना के रहने वाले हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

लोकसभा में झारखंड में हिंदुओं पर हिंसा का मुद्दा गूंजा

नई दिल्ली: हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने लोकसभा सत्र के दौरान झारखंड में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष मामले को रखते हुए कहा कि राज्य में हिंदू त्योहारों और जुलूसों के दौरान लगातार हिंसा की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन पीड़ितों को न्याय देने के बजाय उल्टा हिंदुओं पर ही कार्रवाई कर रहा है।

सरस्वती पूजा विसर्जन जुलूस पर पथराव- सांसद ने बताया कि रामगढ़ जिले के सोसोकला गांव में सरस्वती पूजा विसर्जन के दौरान विशेष समुदाय द्वारा जुलूस पर पथराव किया गया, जिसमें एक नाबालिग बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि प्रशासन ने हिंसा करने वालों पर कार्रवाई करने के बजाय, हिंदू समुदाय के लोगों पर ही दंगा भड़काने का काउंटर केस दर्ज कर दिया।

रूपेश पांडे हत्याकांड का जिक्र मनीष जायसवाल ने 2022 में हुई रूपेश पांडे की हत्या का भी जिक्र किया, जिसमें एक विशेष समुदाय के लोगों ने रूपेश की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि यह कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि झारखंड में हिंदुओं के खिलाफ ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं।

महूदी गांव में जुलूस पर प्रतिबंध सांसद ने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के महूदी गांव में विशेष समुदाय के लोग वर्षों से हिंदू जुलूसों को सड़क से गुजरने नहीं देते। यह धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का सीधा उल्लंघन है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग मनीष जायसवाल ने लोकसभा में केंद्र सरकार से मांग की कि झारखंड में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर तत्काल संज्ञान लिया जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि हर हिंदू पर्व के दौरान होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

क्या केंद्र सरकार झारखंड में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी? यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

ट्रम्प ने विदेशों में भ्रष्टाचार विरोधी कानून स्थगित किया

एजेंसी, वॉशिंगटन

- विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देने वाले अमेरिकियों पर मुकदमा रोकने का आदेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए करीब 50 साल पुराने फॉरेन करप्ट प्रैक्टिसेस एक्ट (FCPA) को स्थगित कर दिया है। इसके जरिए जस्टिस डिपार्टमेंट को उन अमेरिकी नागरिकों पर मुकदमा चलाने पर रोक लगा दी गई है, जिन पर किसी अन्य देशों में व्यापारिक फायदे के लिए उस देश के सरकारी अधिकारियों को देने का आरोप है। रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस कानून के तहत दिए गए फैसलों की समीक्षा करने के लिए गाइडलाइन्स बनाने का निर्देश दिया है। ट्रम्प ने आदेश दिया जस्टिस डिपार्टमेंट उन अमेरिकियों पर मुकदमा चलाना रोक दे, जिन पर अन्य देशों में व्यापार के लिए विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। ट्रम्प के इस फैसले का भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी के मामले पर भी असर पड़ सकता है, जिन पर भारत में भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट हासिल करने के लिए रिश्वत देने की प्लानिंग का आरोप है। ट्रम्प ने यह फैसला PM मोदी के अमेरिका दौरे से 2 दिन पहले लिया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट पर इस बात की जांच कर रहा है कि क्या अडानी समूह ने FCPA का उल्लंघन किया है।

ट्रम्प की धमकी- हमास शनिवार तक सभी बंधक रिहा करे, नहीं तो गाजा में सब बर्बाद हो जाएगा

एजेंसी, वॉशिंगटन

- सीजफायर रद्द करने सुझाव दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास के धमकी देते हुए कहा कि अगर शनिवार तक इजराइली से किडनैप किए गए सभी बंधक रिहा नहीं हुए तो गाजा में सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि अगर शनिवार 12 बजे तक सभी बंधकों को नहीं लौटाया जाता है तो मुझे लगता है कि सीजफायर समझौते को रद्द कर देना चाहिए।

ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में मीडिया से कहा सीजफायर जारी रखने या बंद करने का फैसला इजराइल को ही लेना है। लेकिन बाकी के सभी बंधकों को एक साथ रिहा किया जाना चाहिए, न की तीन-चार के ग्रुप में। हम सभी बंधकों की एक साथ रिहाई चाहते हैं। हालांकि मैं यह बात सिर्फ अपनी तरफ से बोल रहा हूं। इससे पहले हमास ने भी इजराइल के साथ सीजफायर रद्द करने की धमकी दी थी। उसका कहना था कि इजराइल समझौते का उल्लंघन कर रहा है।

हमास को पता चल जाएगा कि मैं क्या कहना चाहता हूं: ट्रम्प का कहना है कि वो शनिवार तक की समय सीमा को लेकर वो इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात करेंगे। हालांकि इस बारे में ज्यादा डिटेल नहीं दी। ट्रम्प का कहना था कि हमास खुद समझ जाएगा कि कि मैं क्या कहना चाहता हूं। इससे पहले उन्होंने गाजा पर कब्जा करके वहां सिटी रिसॉर्ट बनाने की बात कही थी। तब उनका कहना था कि फिलिस्तीनी लोगों को गाजा से विस्थापित करके जॉर्डन और मिस्र में बसाया जाना चाहिए। हालांकि जॉर्डन और मिस्र दोनों ने इस प्लान का विरोध किया था।

जॉर्डन और मिस्र की मदद रोकने की धमकी: इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी दी कि अगर जॉर्डन और मिस्र फिलिस्तीनियों लोगों को अपने यहां जगह नहीं देते हैं तो अमेरिका इन्हें दी जाने वाली मदद रोक देगा। ट्रम्प इस हफ्ते राजधानी वॉशिंगटन में जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात करने वाले हैं। ट्रम्प ने इससे पहले फॉक्स न्यूज से कहा कि अमेरिका के गाजा टेक ओवर के बाद फिलिस्तीनियों को वहां लौटने का हक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि वहां उनके पास बेहतर घर होंगे। दूसरे शब्दों में कहूं तो मैं उनके लिए एक स्थायी घर बनाने की बात कर रहा हूं।

केजरीवाल पंजाब के AAP विधायकों से मिले, कहा- दिल्ली में पैसे-गुंडागर्दी से हारे

एजेंसी, पंजाब/नई दिल्ली

- कांग्रेस का दावा- 30 विधायक हमारे संपर्क में

दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद पंजाब कांग्रेस के 30 AAP विधायकों के उनके संपर्क में होने के दावे से उथल-पुथल मची हुई है। इसी बीच AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सबको एकजुट रखने के लिए पंजाब के पार्टी विधायकों के साथ मीटिंग की। दिल्ली स्थित पंजाब CM के कपूरथला हाउस में हुई यह मीटिंग आधे घंटे चली। मीटिंग में दिल्ली चुनाव को लेकर अरविंद केजरीवाल ने कहा, ''हमने दिल्ली में मजबूती से लड़ाई लड़ी है। पैसा, बेइमानी और गुंडागर्दी से कोई जीत भी गया तो अपने आप को कमजोर नहीं समझना है। हमें और मजबूत होकर अगला इलेक्शन लड़ना है।'' केजरीवाल ने विधायकों को एकजुट रहकर 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर काम करने को कहा। पंजाब CM भगवंत मान ने कहा कि हम पंजाब को ऐसा मॉडल स्टेट बना देंगे कि इसे पूरा देश देखेगा। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि दिल्ली और पंजाब सरकार के बीच जो नॉलेज शेयरिंग एग्रीमेंट हुआ था, वह एग्रीमेंट जारी रहेगा।

दिल्ली चुनाव में गुंडागर्दी-पैसा चला: मीटिंग के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पंजाब के CM भगवंत मान ने कहा- ''दिल्ली चुनाव में गुंडागर्दी और पैसा चला। हमें हर घंटे चुनाव आयोग के पास जाना पड़ा। उन्हें बताना पड़ता था कि जैकेट बांट रहे हैं, पैसा बांट रहे हैं।''

पंजाब कांग्रेस पौने 3 साल से बोल रही: मान ने कांग्रेस के विधायकों के पार्टी बदलने और अरविंद केजरीवाल के पंजाब का CM बनने की कोशिश के आरोप पर हंसते हुए कहा- ''विपक्ष पौने 3 साल से ऐसा बोल रहा है। उनसे पूछ लो, दिल्ली में उनके कितने विधायक हैं? वह तो शुरू से कह रहे हैं कि 30 आ रहे हैं, 40 आ रहे हैं। हमने अपने खून पसीने से पार्टी बनाई है। इन्हें बोलने दो। उनके पास पार्टियां बदलने का कल्चर है। हमारे यहां ऐसा नहीं है।''

इस मीटिंग के शुरू होने से पहले AAP के विधायकों ने साफ कर दिया था कि उन्हें मीटिंग का एजेंडा नहीं बताया गया था। मगर इतना तय है कि न तो पंजाब में CM भगवंत मान को बदला जाएगा और न ही कोई विधायक टूटेगा।

पंजाब AAP प्रधान के बयान से हमलावर हुई थी कांग्रेस: दरअसल, पंजाब के आम आदमी पार्टी प्रधान अमन अरोड़ा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि CM की पोस्ट को हिंदू-सिख चेहरे से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। इसके लिए सरकार चलाने की क्षमता ही आधार होना चाहिए। इसी के बाद कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने दावे करने शुरू कर दिए कि केजरीवाल भगवंत मान को हटाकर खुद CM बनना चाहते हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगी ममता

एजेंसी, नई दिल्ली

- संजय राउत बोले- तृणमूल कांग्रेस INDIA ब्लॉक का हिस्सा, कांग्रेस से बातचीत करनी चाहिए

दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद एक बार फिर INDIA ब्लॉक की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दिल्ली के नतीजों के बाद ममता बनर्जी ने भी कहा कि वे 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगी। इस पर शिवसेना उद्धव गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने दिल्ली में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और TMC प्रमुख ममता बनर्जी की पार्टी राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनाव हमेशा अकेले लड़ती आ रही हैं। ममता बोलीं- गठबंधन को एक होना चाहिए, लेकिन इसमें फूट TMC सूत्र ने सीएम ममता बनर्जी के हवाले से कहा, 'कांग्रेस ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) की मदद नहीं की। हरियाणा में AAP ने कांग्रेस की मदद नहीं की। इसी वजह से भाजपा दोनों राज्यों में जीत गई। सभी को एक साथ होना चाहिए, लेकिन बंगाल में कांग्रेस का कुछ भी नहीं है। इसलिए अकेले चुनाव लड़ेंगे।' सिब्बल बोले- गठबंधन के मसले सुलझाने होंगे राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने मंगलवार को कहा कि गठबंधन को साथ बैठकर सोच-समझकर आगे बढ़ने की जरूरत है। कांग्रेस हमेशा सहमति से आगे बढ़ने की कोशिश करती है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि कभी-कभी गठबंधन में समस्याएं आती हैं।

कर्नाटक BJP अध्यक्ष को हटाने की मांग, पार्टी का इनकार

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष के बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ राज्य के कुछ विधायकों और नेताओं ने असंतोष जाहिर करते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है। हालांकि, पार्टी हाईकमान ने उन्हें हटाने से इनकार करते हुए विजयपुरा के विधायक को नोटिस जारी किया है। विजयेंद्र, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे हैं।

पार्टी हाईकमान ने शिकायत करने वाले नेताओं को फटकार लगाते हुए विजयेंद्र के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई से इनकार किया है। पार्टी ने विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतमल को नोटिस जारी कर कहा कि आप अनुशासन भंग नहीं कर सकते। नोटिस का 72 घंटे में जवाब मांगा गया है। पूर्व CM को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की मांग शिकायत करने वाले नेताओं की मांग है कि विजयेंद्र को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाकर पूर्व CM और सांसद बसवराज बोम्मई को कमान दी जाए।

ये नेता बोम्मई से मिलकर अपनी बात रख चुके हैं। हालांकि, बोम्मई ने पार्टी हाईकमान के फैसले के साथ रहने की बात कही है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही विजयेंद्र का विरोध सूत्रों के मुताबिक विजयेंद्र को हटाने की कवायद लोकसभा चुनाव के बाद से ही शुरू हो गई थी। हालांकि, पार्टी ने इस पर अब जाकर ध्यान दिया और शिकायत करने वालों को ही नोटिस जारी कर दिया।

- केजरीवाल-संजय सिंह पर एक्शन लेगा एंटी-करप्शन ब्यूरो

विधायकों को 15 करोड़ के ऑफर के दावे पर नोटिस भेजा था, अब तक जवाब नहीं मिला

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में है। इनमें दिल्ली के पूर्व CM अरविंद केजरीवाल, मुकेश अहलावत और संजय सिंह शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, ACB की तरफ से भेजे गए नोटिस का जवाब न मिलने पर यह कदम उठाया जा सकता है। अगर AAP की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया तो ACB दिल्ली पुलिस को लेटर लिखकर इन नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश करेगी। इससे पहले 7 फरवरी को ACB की टीम अरविंद केजरीवाल, सांसद संजय सिंह और मुकेश अहलावत के घर जांच के लिए पहुंची थी। करीब डेढ़ घंटे तक केजरीवाल के घर में जांच की, लीगल नोटिस दिया और रवाना हो गई। दिल्ली चुनाव नतीजों से एक दिन पहले केजरीवाल ने दावा किया था कि भाजपा उनके विधायकों और कैंडिडेट्स को फोन पर 15-15 करोड़ के ऑफर दे रही है। इसके बाद भाजपा ने दिल्ली के LG वीके सक्सेना को पत्र लिखकर आरोपों की जांच की मांग की थी। LG ने जांच का जिम्मा ACB को सौंपा था। नोटिस में 16 आप विधायकों की जानकारी मांगी थी ACB ने नोटिस में केजरीवाल से उन 16 आप विधायकों की जानकारी मांगी थी, जिनके बारे में दावा किया गया था कि उन्हें रिश्वत की पेशकश की गई थी।

इसके अलावा इन विधायकों के सोशल मीडिया पोस्ट और रिश्वत की पेशकश करने वालों की पहचान से संबंधित जानकारी भी मांगी गई थी। ACB ने आरोपों पर आप नेताओं से आरोप से जुड़े सारे सबूत मांगे हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

विराट के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी इंग्लैंड को हराकर 3-0 से सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। पहले दोनो ही मैचों में जीत से भारतीय टीम को मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे इस मैच में मिलेगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी दूसरे एकदिवसीय में आक्रामक शतक लगाकर लय में आ गये हैं जिसका लाभ भी भारतीय टीम को मिलेगा। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले होने वाले इस मैच में सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर सभी की नजरें रहेंगी। विराट पहले दोनो ही मैच में असफल रहे हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। भारतीय टीम ने पहले दोनो मैचों के साथ ही सीरीज पर कब्जा कर लिया है। ऐसे में इस मैच में बदलाव भी हो सकता है। ऐसे में पहले दोनो ही मैचों में विफल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की जगह पर ऋषभ पंत को शामिल किया जा सकता है। कप्तान रोहित ने दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की है। ऐसे में विराट भी इस बार बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। कोहली के पास इस मैच में अपने 14000 रन परे करने का भी अवसर है। उन्हें इसके लिए केवल 89 रन की जरूरत है। भारतीय टीम ने का प्रदर्शन अब तक इस सीरीज में सभी क्षेत्रों में अच्छा रहा है। नये स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने भी प्रभावित किया है हालांकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी दूसरे एकदिवसीय में लय में नहीं दिखे और उनकी गेंदों पर काफी रन गये। ऐसे में वह भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खेलने की संभावना नहीं है। बुमराह को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद में होने वाले इस एकदिवसीय से वापसी करनी थी पर वह अभी तक बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में ही हैं। वहीं मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर भी अच्छी पारी खेलना चाहेंगे।

ऑलराउंडर अक्षर पटेल का प्रदर्शन भी पांचवें नंबर पर अच्छा रहा है। वहीं गेंदबाजी में रविंद्र जडेजा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक सीरीज में छह विकेट लिए हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने स्पिन गेंदबाजों के सहायक विकेटों पर अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड के पास ये जीत दर्ज करने का अंतिम अवसर है। उसने दूसरे एकदिवसीय में जोस बटलर की कप्तानी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और 300 से ज्यादा रन बनाये थे पर इसके बाद भी उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाये थे।

उसे इस मैच में जीत के लिए सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ऑलराउंडर जैकब बैथेल के चोटिल होने के कारण बाहर होने से भी उसकी संभावनाओं को झटका लगा है। पिछले मैच में फिल साल्ट और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई थी इस बार भी से ऐसा ही करना चाहेंग। जो रूट भी बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। गेंदबाजी में स्पिनर आदिल रशीद के साथ ही मार्क वुड ओर जोफ्रा आर्चर को भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं : भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जड़ेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जो रूट, फिलिप साल्ट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, ब्रायडन कार्स, लियाम लिविंगस्टोन, जेमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, साकिब महमूद, आदिल रशीद और मार्क वुड।

इंग्लैंड दौरे में फिर मिल सकता है सरफराज खान को अवसर

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला पर वह चोटिल हो गए हैं। ऐसे में अब वह रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में भी नहीं खेल पायेंगे हालांकि उनके नॉकआउट मैचों के लिए फिट होने की संभावना है। उन्हें पसलियों में हल्का फ्रेक्चर है। यह चोट उन्हें ऑस्ट्रेलिया में फील्डिंग करते समय लगी। भारत लौटने पर उनका स्कैन कराया गया जिसमें पसली में हल्का फ्रेक्चर है।

भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं। सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है। इसके अलावा 54 फर्स्ट क्लास मैचों में सरफराज खान के नाम 4593 रन दर्ज हैं।

राष्ट्रीय खेलः तलवारबाजी में जेटली चिंगाखाम और मीना नाओरेम ने लहराया परचम

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में तलवारबाजी प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों में सर्विसेज के जेटली चिंगाखाम और मणिपुर की मीना नाओरेम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुषों की एपे स्पर्धा के फाइनल में जेटली चिंगाखाम (सर्विसेज) ने कड़े मुकाबले में जम्मू-कश्मीर के वहीद सुफयान को 11-10 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। सेमीफाइनल में जेटली चिंगाखाम ने अपने ही राज्य के पंकज कुमार को 15-11 से हराया था, जबकि वहीद सुफयान ने सर्विसेज के रॉबर्ट श्रीमयम को 15-12 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस स्पर्धा में जेटली चिंगाखाम ने स्वर्ण, वहीद सुफयान ने रजत और पंकज कुमार तथा रॉबर्ट श्रीमयम ने कांस्य पदक जीते। महिला फॉयल स्पर्धा के फाइनल में मणिपुर की मीना नाओरेम ने तमिलनाडु की अशिथा जॉइस को 15-13 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

सेमीफाइनल में अशिथा जॉइस ने मणिपुर की सोनिया वैखम को 15-12 से हराया था, जबकि मीना नाओरेम ने हरियाणा की कनुप्रिया को 15-11 से मात दी थी। इस स्पर्धा में मीना नाओरेम को स्वर्ण, अशिथा जॉइस को रजत और सोनिया वैखम तथा कनुप्रिया को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय खेल की इस तलवारबाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे यह प्रतियोगिता बेहद रोमांचक और दर्शनीय बन गई।

आईसीसी ने मेन्स और वुमेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ के विजेताओं की घोषणा की

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को जनवरी 2025 के लिए आईसीसी मेन्स और वुमेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। वेस्टइंडीज के स्पिनर जोमेल वारिकन ने भारतीय टीम के स्पिन खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती और पाकिस्तान के नोमान अली को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता। वारिकन ने पिछले महीने टेस्ट प्रारूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। बाएं हाथ के स्पिनर वारिकन ने पाकिस्तान टीम के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में गेंबदाजी के साथ बल्ले से भी कमाल का प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया था। वारिकन ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में कुल 10 विकेट (पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 7 विकेट) और दूसरे टेस्ट में कुल 9 विकेट (पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 5 विकेट) लिए थे। बल्लेबाजी में उन्होंने सीरीज में कुल 85 रन बनाए थे। दो मैचों की यह टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई थी। प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने पर जोमेल वारिकन ने कहा कि यह पुरस्कार जीतना सम्मान की बात है। इस साल मेरा एक लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लेना था, लेकिन मैंने नहीं सोचा था कि यह इतना शानदार होगा। उन्होंने कहा कि मैं इसे अपने क्रिकेट करियर में एक छोटा कदम मानता हूं और मैं आगे भी कई कदम उठाने की उम्मीद करता हूं। मैंने अपने कप्तान से इस सीरीज में कुछ विशेष करने का वादा किया था, खासकर तब जब मेरे पिता, जो मेरे सबसे बड़े समर्थक हैं, ने मेरे लिए एक शानदार प्रदर्शन की भविष्यवाणी की थी। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज बेथ मूनी भारत की त्रिशा गोंगाडी और वेस्टइंडीज की करिश्मा रामहरैक को पीछे छोड़ते हुए प्लेयर ऑफ द मंथ बनीं। मूनी ने जनवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों और इतने ही टी20 मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 3 वनडे मैचों में 90 रन बनाए थे। वहीं 3 टी-20 मैचों में शानदार 213 रन बनाए थे।

डब्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करेंगी दीप्ति शर्मा

एजेंसी, मुम्बई

14 फरवरी से शुरु होने वाली महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा (डब्यूपीएल) में दीप्ती शर्मा यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करती दिखेंगी। इसका कारण है कि एलिसा हीली फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। दीप्ति ने पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है। 14 फरवरी से महिला प्रीमियर लीग शुरु होगी। महिला प्रीमियर लीग के पहले दो सत्र में खास प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली यूपी वॉरियर्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना है। इसी कारण उसने दीप्ति को कप्तानी सौंपी है। दीप्ति महिला प्रीमियर लीग में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। उनका पिछले दो सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वह टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक है।दीप्ति की इस टीम में ताहलिया मैक्ग्रा, चमारी अट्टापट्टू, ग्रैस हैरिस जैसी कुछ शानदार खिलाड़ी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा : शास्त्री

एजेंसी, दुबई

पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। इसलिए अन्य टीमों को जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पाक टीम मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में उतरेगी। शास्त्री के अनुसार घरेलू हालातों में पाक टीम खतरनाक साबित हो सकती है। पाक1996 में विश्व कप के बाद पहली बार किसी सीनियर आईसीसी इवेंट की सह-मेजबानी करेगा। शास्त्री ने कहा, जब आप उपमहाद्वीप में अपने घरेलू मैदान पर खेलते हैं तो हमेशा ही दबाव होता है। फिर चाहे वह भारत हो, श्रीलंका हो, बांग्लादेश हो या पाकिस्तान क्योंकि सभी को अपनी टीमों से काफी उम्मीदें होती हैं पर मुझे लगता है कि पाक ऐसी टीम है, जिसने पिछले छह से आठ महीनों में सफेद गेंद वाले क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिसका उसे लाभ मिल सकता है। शास्त्री ने कहा कि पाक टीम इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। साथ ही कहा कि एक बार नॉकआउट में पहुंचने के बाद वह खतरनाक साबित होगी। शास्त्री ने कहा, उन्हें शीर्ष पर युवा सलामी बल्लेबाज सैम अयूब की कमी खलेगी पर उसके बल्लेबाज क्रम में पर्याप्त गहरायी है। मैं कहूंगा कि उन्हें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना चाहिए और वहां से, यह किसी का भी खेल हो सकता है। पाकिस्तान अभी भी बहुत, बहुत खतरनाक है, और यदि वे क्वालीफाई करते हैं, तो वे काफी अधिक खतरनाक होंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की शास्त्री की बातों से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी इकाई टूर्नामेंट में बदलाव ला सकती है। साबित हो सकती है। पोंटिंग ने कहा कि पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूत करने में बाबर आजम और रिजवान की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा, बाबर हाल के वर्षों में बेहतर नहीं खे पाये हैं पर अगर वह और रिजवान अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा सकते हैं, तो पाकिस्तान अविश्वसनीय रूप से खतरनाक बन जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने यह भी स्वीकार किया कि घरेलू दर्शकों के सामने खेलने से उसके अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

साइकिलिंग को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने साइकिल निर्माताओं संग की बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने सोमवार को देशभर में साइकिलिंग को प्रोत्साहित करने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए प्रमुख साइकिल निर्माताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में "फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल" पहल को और गति देने तथा साइकिलिंग को एक लोकप्रिय और टिकाऊ परिवहन विकल्प के रूप में स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान डॉ. मंडाविया ने कहा, "साइकिल चलाने के अपने जुनून के कारण मैं नियमित रूप से साइकिल से संसद जाता था। यह मोटापे और प्रदूषण जैसी कई समस्याओं का समाधान है। हमें साइकिल को फैशनेबल बनाने, इसके स्वास्थ्य लाभों को उजागर करने और इसे प्रभावी ढंग से बाजार में लाने की जरूरत है।" केंद्रीय मंत्री ने सभी आयु समूहों में साइकिलिंग को लोकप्रिय बनाने के लिए निर्माताओं से विभिन्न प्रोत्साहनों पर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि साइकिल चालकों के लिए कार्बन क्रेडिट, मुफ्त हेलमेट और विशेष सदस्यता सुविधाएं जैसे लाभ दिए जा सकते हैं, जिससे लोग स्वाभाविक रूप से साइकिल चलाने के लिए प्रेरित होंगे। डॉ. मंडाविया ने यह भी कहा कि बढ़ती साइकिलिंग संस्कृति से देश में बुनियादी ढांचे का विकास भी होगा। उन्होंने कहा, "हमें सिर्फ साइकिलें बेचने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि एक साइकिलिंग संस्कृति विकसित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। साइकिल चलाने से कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाई जा सकती है, और इसके लिए कार्बन क्रेडिट जैसे विकल्पों की भी खोज होनी चाहिए।" बैठक में हीरो साइकिल्स, अल्फावेक्टर 91 साइकिल्स, डेकाथलॉन और कल्ट.फिट जैसी प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने सरकार की "संडे ऑन साइकिल" पहल को अपना समर्थन देने और भारत में एक मजबूत साइकिलिंग संस्कृति विकसित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। हीरो साइकिल्स के मुख्य विपणन अधिकारी रोहित शर्मा ने कहा, "हमें सिर्फ साइकिल बेचने के बजाय एक साइकिलिंग संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए, क्योंकि यह स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए फायदेमंद है। हमें उत्पाद नहीं, बल्कि संस्कृति बेचनी है।" अल्फावेक्टर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट विकास जैन ने बैठक को सकारात्मक बताते हुए कहा, "यह पहली बार है कि सरकार और साइकिल निर्माता एक साथ इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं। हम इस पहल को और प्रभावी बनाने के लिए नवाचार लाने की दिशा में काम करेंगे।" बता दें कि केंद्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया ने 17 दिसंबर 2023 को राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से साइकिल अभियान की शुरुआत की थी। बीते नौ हफ्तों में यह पहल देशभर के 3,500 से अधिक स्थानों पर पहुंच चुकी है, जिसमें 2 लाख से अधिक सवारों ने हिस्सा लिया है। "फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल" कार्यक्रम का आयोजन युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS) द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (CFI) और माय भारत के सहयोग से किया जाता है। इसमें भारतीय सेना, भारतीय डाक, CRPF, ITBP जैसे संगठनों के अलावा लवलीना बोरगोहेन, संग्राम सिंह, शैंकी सिंह, नीटू घनघस, स्वीटी बूरा, प्रीति पवार, रूबीना फ्रांसिस जैसी खेल हस्तियां और अमित सियाल, राहुल बोस, गुल पनाग जैसी सेलिब्रिटीज भी शामिल हो चुकी हैं।

राष्ट्रीय खेलः जूडो के पहले दिन रोमांचक मुकाबले, उत्तराखंड ने जीते 3 पदक

एजेंसी, देहरादून

38वें राष्ट्रीय खेलों में जूडो प्रतियोगिताओं की शुरुआत शानदार रही, जहां देशभर के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट कौशल और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। मेजबान राज्य उत्तराखंड ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न भार वर्गों में पदक हासिल किए। महिला -48 किग्रा वर्ग में उत्तर प्रदेश की अस्मिता डे ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की, जबकि महाराष्ट्र की आकांक्षा शिंदे ने रजत पदक प्राप्त किया। कांस्य पदक उत्तर प्रदेश की अंतिम यादव और पंजाब की पल्लवी को मिला।

पुरुष -60 किग्रा वर्ग में उत्तराखंड के सिद्धार्थ रावत ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के लक्की ने रजत पदक हासिल किया, जबकि हरियाणा के अजय और उत्तर प्रदेश के मनी शर्मा को कांस्य पदक मिला। 66 किग्रा लड़कों की प्रतियोगिता में गुजरात के रोहित ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि हरियाणा के गर्वित ने रजत पदक जीता। कांस्य पदक उत्तराखंड के आयुष मावरी और दिल्ली के अभिजीत मलिक ने प्राप्त किया। महिला -52 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र की श्रद्धा चोपड़े ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गुजरात की महेरुके मकवाना ने रजत पदक जीता, जबकि छत्तीसगढ़ की मेहक सिंह और मणिपुर की मतुलेइबी ने कांस्य पदक जीता। पुरुष -73 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के अरुण कुमार ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तराखंड के प्रदीप रावत ने रजत पदक जीता, जबकि अरुणाचल प्रदेश के कामडोन बाई और गुजरात के विपुल चौधरी को कांस्य पदक मिला। महिला -57 किग्रा वर्ग में हरियाणा की अंकिता ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि गुजरात की शाहिन दरजादा ने रजत पदक पर कब्जा किया। मणिपुर की अनिता चानू और कर्नाटक की समता राणे ने कांस्य पदक जीता। जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ रही है, जूडो खिलाड़ियों का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। दर्शक आगामी मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, बुधवार, 12 फरवरी, 2025

दुनिया का सबसे रहस्यमय जीव, जो कभी नहीं मरता, मिला है अमरता का वरदान

कहते हैं कि इस धरती पर जितने भी जीव-जंतु हैं, उनकी आयु निश्चित है। यानी उस आयु को पूरा करते ही उनकी मृत्यु हो जाएगी, लेकिन इसी धरती पर एक ऐसा भी जीव है, जो कभी नहीं मरता या यूं कहें कि उसे अमरता का वरदान मिला हुआ है। इसे जेलीफिश कहते हैं, जो अपने अजीबोगरीब गुण की वजह से दुनियाभर में प्रसिद्ध है। दरअसल, जेलीफिश एक प्रकार की मछली है। दुनियाभर में इसकी 1500 से भी ज्यादा प्रजातियां हैं। यह दिखने में पारदर्शी होती हैं, लेकिन इंसानों के लिए यह बेहद ही खतरनाक भी होती हैं। यह अपने डंक से किसी भी इंसान को पलभर में मौत की नींद सुला सकती है।

जेलीफिश समुद्र की अथाह गहराइयों में पाई जाती हैं, जहां सूरज की रोशनी भी नहीं पहुंच पाती, इसलिए इंसानों को इनसे ज्यादा खतरा महसूस नहीं होता। कहा जाता है कि धरती पर जेलीफिश का अस्तित्व सदियों पुराना है। यह डायनासोर के काल से ही धरती पर मौजूद हैं। जेलीफिश दुनिया की इकलौती ऐसी मछली है, जिसमें 95 फीसदी तक पानी होता है। इसी गुण के कारण यह मछली पारदर्शी दिखाई देती है। कहा जाता है कि जेलीफिश के पास दिमाग नहीं होता है, इसी कारण उसके आसपास हमेशा छोटी-बड़ी मछलियों का झुंड जमा रहता है, क्योंकि वो इसके आसपास खुद को सुरक्षित महसूस

जेलीफिश की लंबाई औसतन छह फीट तक होती है और इसका वजन 200 किलोग्राम तक होता है। अब तक की सबसे बड़ी जेलीफिश अमेरिका के समुद्र में मिली थी, जिसका लंबाई 7.6 फीट थी और उसकी मूंछें 120 फीट लंबी थीं। जेलीफिश दिखने में तो बहुत खूबसूरत लगती हैं, लेकिन अगर उनकी मूंछें किसी इंसान की त्वचा से छू जाएं तो उनका तत्काल इलाज कराना पड़ता है, क्योंकि उनकी मूंछें इतनी जहरीली होती हैं कि वो त्वचा को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। जेलीफिश को कभी न मरने वाला जीव कहा जाता है, क्योंकि इसके अंदर ऐसी खासियत होती है कि इसको अगर दो भागों में भी काट दिया जाए तो यह मरती नहीं है, बल्कि उन दोनों भागों से अलग-अलग जेलीफिश का जन्म होता है।

कर्नाटक का बेक्कालेले गांव जहां होती है बिल्लियों की पूजा

हिंदू धर्म हमेशा से ही पशुओं को देवी-देवताओं की सवारी के रूप में दर्शाया गया है. भारत में आज भी देवी-देवताओं के प्रतीक चिह्न और सवारी के रूप में इन जानवरों को अहमियत दी जाती है. गणेश जी की सवारी चूहा, दुर्गा मां की सवारी शेर, ब्रह्मा जी की सवारी सात हंस, इन्द्र भगवान की सवारी हाथी, भगवान कार्तिक की सवारी मोर है. वहीं लक्ष्मी मां की सवारी 'उल्लू' को माना जाता है. बिल्ली एक एकमात्र ऐसा पालतू जानवर है जिसे अशुभता का प्रतीक माना जाता रहा है. लेकिन देश में एक जगह ऐसी भी है जहां बिल्लियों की पूजा की जाती है.

भारत में आज भी बिल्ली का रास्ता काटना अशुभ माना जाता है. कई लोग बिल्ली के रास्ता काटने पर खुद का रास्ता तक बदल लेते हैं. ये अंधविश्वास देश में सदियों से चला आ रहा है. सिर्फ़ इतना ही नहीं, कई लोग तो बिल्ली की आवाज़ निकालने को भी अशुभ मानते हैं. लेकिन देश का एक ऐसा गांव ऐसा भी है जहां 'बिल्ली' की पूजा होती है. इस गांव में एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां बिल्ली की पूजा की जाती है. इस मंदिर में पिछले 1000 सालों से बिल्ली की पूजा की जा रही है. कर्नाटक के मांड्या ज़िले में स्थित इस गांव का नाम बेक्कालेले है. गांव का नाम कन्नड़ शब्द 'बक्कू' से लिया गया है, जिसका अर्थ 'बिल्ली' होता है. इस गांव के लोग मानते हैं और विधि-विधान से उसकी पूजा करते हैं. दरअसल, इस गांव के लोग बिल्ली को 'देवी मंगम्मा' का रूप मानते हैं.

भारत में यहां बिल्ली की पूजा की जाती है

बेक्कालेले गांव में एक मंदिर है जहां पिछले 1000 साल से हो बिल्लियों की पूजा होती आ रही है. इस गांव के लोग बिल्ली को 'देवी मंगम्मा' का रूप मानते हैं, जिसे वो अपनी कुलदेवी भी कहते हैं. इस गांव में अगर कोई बिल्ली को नुकसान पहुंचाता है तो उसे गांव से निकाल दिया जाता है. साथ ही बिल्ली की मौत के बाद उसे पूरे रीति-रिवाजों के साथ दफ़नाया भी जाता है.

आख़िर क्यों है ऐसी मान्यता?

पौराणिक कथाओं के मुताबिक़, सैकड़ों साल पहले ये गांव बुरी ताक़तों से परेशान था. इस दौरान 'देवी मंगम्मा' ने 'बिल्ली' का रूप धारण गांव में प्रवेश किया और ग्रामीणों को बुरी ताकतों से बचाया था. बिल्ली के रूप में अपनी शक्तियां दिखाकर 'देवी मंगम्मा' ग़ायब हो गई थीं और उस जगह पर एक निशान छोड़ गईं. बाद में उस स्थान पर एक 'बांबी' यानि 'मंदिर' का निर्माण किया गया.

तभी से यहां के लोग 'बिल्ली' की पूजा करते हैं. स्थानीय लोग आज भी 'बिल्ली' पर विश्वास करते हैं और उसे भगवान की तरह पूजते हैं.

संयुक्त राष्ट्र के कानून के मुताबिक भारत के नक्शे में श्रीलंका को दिखाना अनिवार्य है

दुनिया के हर एक देश का अलग-अलग मैप होता है और सभी देशों के आधिकारिक मैप में केवल उसी देश को दिखाया जाता है. लेकिन, भारत के मैप की बात ही अलग है. आपने अक्सर भारत के मैप के अंत में श्रीलंका को ज़रूर देखा होगा. जबकि दोनों अलग-अलग देश हैं. बावजूद इसके भारत के मैप के साथ हमेशा श्रीलंका जुड़ा होता है. दरअसल, भारत के नक्शे में श्रीलंका को दिखाना भारत के लिए बेहद अनिवार्य है. ऐसा न करना क़ानूनन अपराध है. समुद्री क़ानून के तहत श्रीलंका को अपने मैप में दिखाना भारत के लिए अनिवार्य है. इस क़ानून को बनाने की पहल संयुक्त राष्ट्र ने की थी. संयुक्त राष्ट्र के क़ानून लॉ ऑफ़ द सी के मुताबिक़, अगर किसी देश की सीमा समुद्र से लगती है तो सीमा से 200 नॉटिकल माइल यानी 370 किलोमीटर तक का इलाक़ा उस देश का समुद्री इलाका माना जाता है. श्रीलंका इस सीमा के भीतर आता है. भारत के धनुषकोडी से श्रीलंका की दूरी मात्र 18 मील है. इसलिए Law of the Sea के कारण श्रीलंका को भारत के मानचित्र में दिखाया जाता है. दरअसल, सन 1956 में संयुक्त राष्ट्र की तरफ़ से 'यूनाइटेड नेशन्स कॉनवेन्शन ऑन द लॉ ऑफ़ द सी' का आयोजन किया गया था. इस सम्मेलन में कई देश शामिल हुए थे. इसमें हुई बातचीत का नतीजा 1958 में आया था. इस दौरान सभी देशों के समुद्री सीमाओं को लेकर संधियों और समझौतों पर क़ानून बनाए गये. सन 1973 से 1982 तक तीसरा सम्मेलन आयोजित किया गया और इसमें समुद्र से जुड़े अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों को मान्यता दी गई. इन्हीं क़ानूनों में से एक है लॉ ऑफ़ द सी जिसके तहत किसी देश के नक्शे में उस देश की बेस लाइन से 200 नॉटिकल माइल तक की सीमा को दिखाना अनिवार्य है. बता दें कि एक नॉटिकल माइल में 1.824 किलोमीटर होता है. ऐसे में 200 नॉटिकल माइल 370 किलोमीटर होता है.

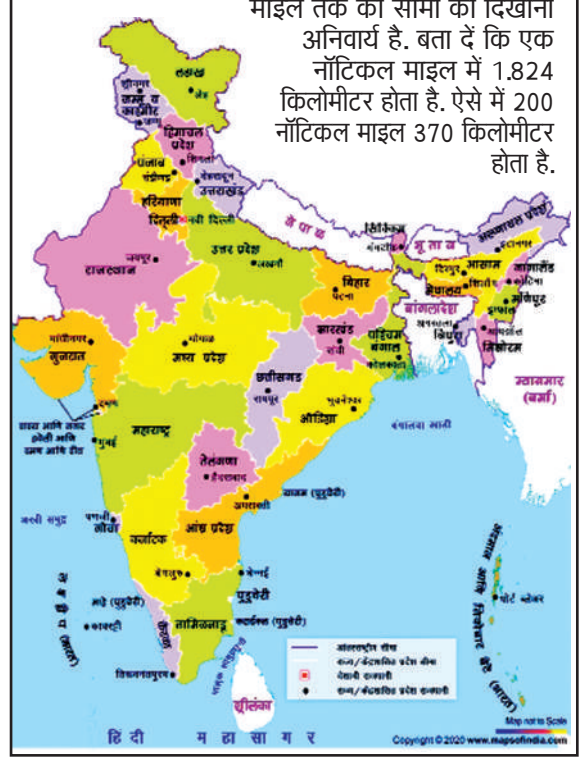

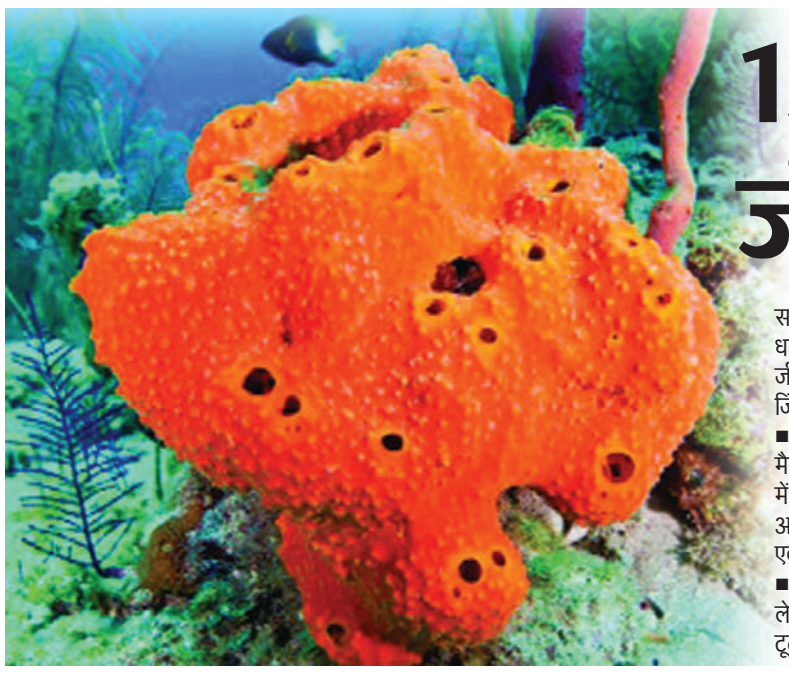

15 हजार साल जीता है स्पन्ज

समुद्र में तरह-तरह के जीव हैं, जिनकी अपनी-अपनी खूबियां हैं। धरती का सबसे बड़ा जीव भी समुद्र में ही रहता है तो सबसे अधिक जीने वाला जीव भी समुद्र की गहराई में रहता है। सबसे लंबे समय तक जिंदा रहने वाले इस जीव को स्पन्ज के नाम से जाना जाता है।

- हमारी पृथ्वी पर तरह-तरह के जीव रहते हैं, जिनमें से कुछ समतल मैदानी क्षेत्र में रहते हैं तो कुछ समुद्र की गहराई में। समतल मैदानी क्षेत्र में जहां खेती होती है और बड़े-बड़े पेड उगते हैं, वहीं समुद्री तल पर भी अनेक तरह के पेड़-पौधों के साथ कई तरह के जीव रहते हैं, जिनमें एक प्रमुख जीव है सबसे ज्यादा जीने वाला स्पन्ज।
- इस जीव के शरीर में कोई इंद्रियां नहीं होतीं, कोई ऊतक नहीं होते, लेकिन अनेक स्वतंत्र कोशिकाएं होती हैं। अगर ये कोशिकाएं कहीं से टूट जाए तो उनसे एक नया स्पन्ज तैयार हो जाता है।
- वैज्ञानिकों ने शोध में पाया है कि इनकी 15 हजार से भी अधिक प्रजातियां होती हैं, जिनका रंग, रूप, आकार व आकृतियां अलग-अलग होती हैं।
- इनमें से कुछ प्रजातियां तो 15 हजार से भी अधिक साल तक जीवित रह सकती हैं। ये प्रजातियां अंटार्कटिक महासागर के तल में रहती हैं और ये काफी धीरे-धीरे बढ़ती हैं। 15 हजार साल तक जीवित रहने वाली ज्यादातर प्रजातियां समुद्र के अंदर ज्वालामुखी वाले क्षेत्रों में रहती हैं।
- वैज्ञानिकों ने सन 1700 के मध्य में ही यह साबित कर दिया था कि समुद्री स्पन्ज कोई पौधा नहीं, बल्कि जानवर है, जो अनेक जानवरों का घर भी बन जाता है। ग्लास स्पन्ज एक ऐसा ही जानवर है, जिसके अंदर कुछ मछलियां अपना घर बना लेती हैं।
- इसका आकार 1 इंच से लेकर 6 फीट तक होता है और इसका फैलाव यानी चौड़ाई 10 फीट तक हो सकती है।
- अपनी सुरक्षा के लिए यह जीव अपने शरीर से एक ऐसा रसायन निकालता है, जो अन्य जीवों से उसकी रक्षा करता है।
- वह रसायन उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। वह रसायन एंटी बैक्टीरियल और एंटी कैंसर गुण से भरपूर होता है, जिससे उसकी स्वस्थ कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं होता। वैज्ञानिक मानते हैं कि इस रसायन से हमारी अनेक तरह की बीमारियों का उपचार हो सकता है।

दुनिया के हर रेगिस्तान में कोई न कोई रहस्य देखने को मिल ही जाएगा. आज हम आपको मोरक्को के रेगिस्तान के एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं. जो संगीत के रूप में लोगों को सुनाई देता है.

ये है दुनिया का सबसे अद्भुत रेगिस्तान जिसमें सुनाई देता है रहस्यमयी संगीत

रेगिस्तान में दिन के वक्त जहां झुलसा देने वाली गर्मी होती है तो वहीं रात के वक्त हाड जमा देने वाली ठंड. दुनिया के रेगिस्तान में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिलता है. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे रेगिस्तान के बारे में बताने जा रहे हैं जो इनसे भी अलग है. क्योंकि इस रेगिस्तान में एक रहस्यमयी संगीत सुनाई देता है. जिसे लोग भूतिया संगीत के नाम से जानते हैं. इस संगीत का रहस्य क्या है इसके बारे में कोई सटीक जानकारी हासिल नहीं कर पाया. दरअसल, हम बात कर रहे हैं उत्तरी अफ्रीका महाद्वीप के मोरक्को के बारे में. दरअसल, ये रहस्यमयी संगीत मोरक्को के रेगिस्तान में सुनाई देता है. जहां आज-कल से नहीं बल्कि सदियों से इस तरह का रहस्यमयी संगीत सुनाई देता है. ये संगीत कभी ड्रम तो कभी गिटार की धुन के जैसा होता है. तो कई बार वायलिन या अन्य वाद्ययंत्रों की आवाज भी सुनाई देती है. इस रेगिस्तानी में आपको दूर-दूर तक लोगों का नामोनिशान दिखाई नहीं देगा. बावजूद इसके इस रहस्यमयी संगीत तो कोई भी सुन सकता है. इसी वजह से लोग इस संगीत को रहस्यमयी और भूतिया संगीत मानते हैं. इस संगीत को सुनकर हर कोई आश्चर्य में पड़ जाता है. जब कोई इस रेगिस्तान से गुजरता है तो उसे ये संगीत सुनाई देता है. तो ये लोग कहते हैं कि ये भूत-प्रेत हो जो यहां से गुजरने वाले लोगों को डराते हैं. ये सिलसिया सैकड़ों दशकों से मोरक्को के रेगिस्तान में चलता आ रहा है. लेकिन आज तक कोई इसकी सही वजह नहीं जान पाया. 13वीं शताब्दी में जब यात्री मार्को पोलो पहली बार चीन पहुंचे थे तो उन्होंने वहां के रेगिस्तानी इलाकों में भी इसी तरह के संगीत की धुनें सुनी थी. मार्को पोलो को भी लगा ये आत्माएं हो सकती हैं. जो रेगिस्तान में भटकती रहती हैं. लेकिन ये रहस्य आज भी है कि एक जैसी आवाजें हजारों किलोमीटर की दूर पर मौजूद दो रेगिस्तानों में हजारों साल बाद सुनी जाती है.

ये है रहस्यमयी संगीत को लेकर वैज्ञानिकों की राय

रेगिस्तान में सुनाई देने वाले संगीत को लेकर वैज्ञानिकों का कहना है. लैब में लंबे समय तक हुए परीक्षणों के बाद पता चला कि रेगिस्तान में बने रेत के टीलों के नीचे जब रेत खिसकती है. तो उसके वाइब्रेशन से ये संगीत पैदा होता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि इसके लिए रेत के कणों का आकार भी जिम्मेदार है. कणों का आकार और रेत के खिसकने की गति के चलते संगीत की धुन निकलती है. ऐसा कहा जाता है कि रेगिस्तान में जब तेज हवा चलती है तो रेत के खिसकने से प्रक्रियाएं वातावरण में संगीत की ध्वनि के रूप में फैलने लगती हैं.

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

ये सिर्फ फिल्म नहीं, इमोशन है, अल्लू अर्जुन ने पुष्पा 2 की सफलता पर की निर्देशक की तारीफ

तेलुगू स्टार अल्लू अर्जुन ने शनिवार को पुष्पा 2– द रूल की सफलता पर फैंस और निर्देशक का आभार व्यक्त किया। अल्लू अर्जुन ने कहा कि ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि एक इमोशन है। इसके अलावा अल्लू अर्जुन ने फैंस को और भी गर्व महसूस करवाने का वादा किया है।

पुष्पा 2 को लेकर बोले अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन ने कहा, मेरे लिए पुष्पा 2 एक फिल्म नहीं, बल्कि पांच साल की यात्रा और खूबसूरत सा इमोशन है। मैं फिल्म के पूरे प्रयास और सफलता को अपने सभी प्रशंसकों और अपनी सेना को समर्पित करना चाहता हूं। आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद, मैं आप सभी को और भी अधिक गर्व महसूस कराऊंगा, मैं वादा करता हूं। यह एक बहुत अच्छा कदम है। मैं आप सभी को गौरवान्वित महसूस करूंगा।

निर्देशक को दिया श्रेय

अल्लू अर्जुन ने इस समारोह में कहा कि पुष्पा की सफलता के पीछे एक ही आदमी है और वो हैं निर्देशक सुकुमार। यह पूरी तरह से उनकी सफलता है। यह सब उनकी कल्पना है, हम सब उनके पात्र हैं। कहा कि वे निर्देशक सुकुमार के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

सुकुमार की तारीफ की

अल्लू अर्जुन ने निर्देशक सुकुमार को लेकर कहा, हमें जीत दिलाने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया, हमें इतना गौरवान्वित महसूस कराने के लिए पूरे तेलुगु फिल्म उद्योग की ओर से आपका शुक्रिया। हम सभी आपके आभारी हैं। मेरे लिए सुकुमार भी एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक भावना है। मैं आपका सबसे बड़ा प्रशंसक हूं। आप एक अलग किस्म के व्यक्ति हैं। मैं अपने दोस्तों और परिवार को बताता रहता हूं कि मुझे खुशी है कि मैं आपके करीब हूं, आप एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं।

छावा का भी किया जिक्र

पुष्पा 2 ने छावा फिल्म का भी जिक्र किया। उन्होंने फिल्म का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म से टकराव न करवाने के लिए धन्यवाद। बता दें कि विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी।

लोग कहते थे मैं विदेशियों की तरह दिखती हूं

एक्ट्रेस श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात करती हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी नाक की सर्जरी और फिलर्स के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि अगर उन्होंने नाक की सर्जरी कराई है, तो उसमें गलत क्या है?

टूटी हुई नाक के साथ की थी पहली फिल्म

श्रुति हासन ने स्वीकार किया कि उन्होंने फिलर्स और नाक की सर्जरी करवाई थी, जो एक चोट के बाद जरूरी हो गई थी। उन्होंने बताया कि जब वह फिल्म इंडस्ट्री में आई थीं, तब उनकी नाक टूटी हुई थी, लेकिन कई लोग इसे बहाना समझ रहे थे। श्रुति ने कहा, मैंने अपनी नाक ठीक करवाई थी और यह साफ था कि मैंने सर्जरी करवाई। मेरी नाक पहले टूटी हुई और अलग थी। मैंने अपनी पहली फिल्म बिना सर्जरी के की थी, फिर लोग कहते थे कि मैं डिविएटेड सेप्टम का बहाना बना रही हूं। लेकिन मेरी नाक में वाकई डिविएटेड सेप्टम (नाक के अंदर स्थित सेप्टम का टेढ़ा या मुड़ा हुआ होना) था और वह बहुत दर्द देता था। अगर मैं इसे सुंदर बना सकती थी, तो मैंने बना लिया। श्रुति हासन ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने फिलर्स करवाए हैं और यह बताया कि अगर भविष्य में फेसलिफ्ट करवाने का सोचें, तो यह पूरी तरह से उनका फैसला होगा। श्रुति हासन की मानें तो यह उनका शरीर है और इस पर उनका हक है। हालांकि, एक्ट्रेस न तो ऐसी सर्जरी को बढ़ावा देती हैं और न ही इसका विरोध करती हैं। उनका मानना है कि हर किसी को वही करना चाहिए जो उनके लिए सही हो। वह चाहती हैं कि लोग उनके व्यक्तिगत फैसलों की आलोचना करने के बजाय उनके काम पर ध्यान दें।

विदेशियों की तरह लगता है मेरा फेस

श्रुति ने यह भी कहा कि शुरुआत में उनसे कहा गया कि वह एक हीरोइन की तरह नहीं दिखतीं। लोग उनके बारे में कहते थे, श्रुति का चेहरा विदेशियों की तरह दिखता है, उसके पास टैलेंट तो है, लेकिन वह इंडियन की तरह नहीं लगती। हालांकि, जब उन्होंने फिल्में करनी शुरू की, तो उन्हें एक गांव की लड़की का किरदार ज्यादा मिला।

श्रुति ने 1999 में शुरू किया था फिल्मी करियर

श्रुति ने 1999 में अपना करियर शुरू किया था। वह साउथ इंडियन सिनेमा की एक मानी जाती एक्ट्रेस हैं। श्रुति ने डी-डे, रमैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक और रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया है।

मुझे प्रैक्टिकल लाइफ पसंद है

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान अक्सर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करते हैं। एक बार शूटिंग से लौटते समय वे लोकल ट्रेन से भी यात्रा करके आए थे। इस किस्से के बारे में उन्होंने बताया है। बी-टाउन अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी फिल्म लवयापा को लेकर चर्चा में हैं। जुनैद खान के साथ लवयापा में खुशी कपूर भी नजर आने वाली हैं। जुनैद भले ही सुपरस्टार के बेटे हैं लेकिन वे कभी भी अपनी लग्जरी को लेकर चर्चा में नहीं रहते हैं। वे अक्सर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से ही यात्रा करते हैं। जुनैद खान ने बताया कि वे ज्यादातर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से यात्रा करते हैं। साथ ही इसका एक वाजिब कारण भी ही। उन्होंने कहा कि वे प्रेक्टिकल लाइफ पसंद करते हैं। गाड़ियां मुंबई के ट्रैफिक में फंस जाती हैं। ऑटो से कही भी आसानी से जाया जा सकता है। वहीं, जुनैद ने लोकल ट्रेन से भी यात्रा की है। उन्होंने बताया कि लेकिन क्या आप जानते हैं कि आमिर खान के बेटे ने भी लवयापा की शूटिंग खत्म करने के बाद ट्रेन से घर वापसी की थी?

लकी हूं कि सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म 'फतेह' से करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री कृष्णा प्रकाश पाटिल ने अभिनेता सोनू सूद के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की। उनका मानना है कि कहानी कहने के प्रति सोनू सूद का समर्पण प्रेरणादायक है। कृष्णा पाटिल खुद को लकी मानती हैं क्योंकि उन्हें न केवल अपनी पहली फिल्म में सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला, बल्कि सूद ने उन्हें गाइड भी किया। उन्होंने कहा, सोनू सर के साथ काम करने का मेरा अनुभव बढ़िया रहा। वह एक प्रतिभाशाली अभिनेता और निर्देशक हैं, जिनके काम में जुनून के साथ ऊर्जा भी है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में सह-कलाकारों से सर्वश्रेष्ठ अभिनय करवा सकने की उनकी क्षमता की प्रशंसा करती हूं। इसके अलावा, उन्होंने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की और कहानी कहने के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। मैं उनके साथ काम करके खुद को लकी मानती हूं। कृष्णा पाटिल विज्ञान में स्नातक करने के बाद एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में किस्मत आजमाने के लिए मुंबई आई थीं। उन्हें अपनी पहली फिल्म के लिए प्रोडक्शन कंपनी से सीधा फोन कॉल आया था। उन्होंने बताया, मैंने पहले सोनू सूद के साथ कुछ विज्ञापनों में काम किया था और उनकी प्रोडक्शन टीम ने मुझे फतेह के ऑडिशन के लिए संपर्क किया। मैं चुनी गई और इस तरह मुझे पहला रोल मिला। अपने बड़े ब्रेक से पहले कृष्णा पाटिल एक मॉडल के रूप में काम कर रही थीं। उन्होंने टीवी, विज्ञापनों, प्रिंट कैंपेन और म्यूजिक वीडियो में काम किया। उनका पहला टेलीविजन विज्ञापन अभिनेता बोमन ईरानी के साथ था। कृष्णा पंजाबी सिंगर और अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके म्यूजिक वीडियो 'नखरे' में भी काम कर चुकी हैं।

एक्टर नहीं आर्मी ऑफिसर बनना चाहते थे जयदीप

बीते कई दिनों से यह खबरें रही हैं कि एक्टर जयदीप अहलावत ने सीरीज पाताल लोक के दूसरे सीजन के लिए 20 करोड़ रुपए फीस चार्ज की है। जबकि पहले सीजन के लिए उन्होंने सिर्फ 40 लाख रुपए लिए थे। अब इन खबरों पर जयदीप अहलावत ने रिएक्शन दिया है।

फिल्म ज्वेल थीफ में सैफ के साथ दिखेंगे जयदीप

पाताल लोक 2 में जयदीप अहलावत ने इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी का रोल प्ले किया है। पहले सीजन में भी वे इसी किरदार में दिखे थे। सीरीज में उनके अलावा इश्वाक सिंह, तिलोत्तमा शोम जैसे कलाकार भी थे। यह सीरीज फिलहाल अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम कर रही है। वहीं आने वाले समय में जयदीप को नेटफ्लिक्स की फिल्म ज्वेल थीफ में देखा जाएगा। इसमें वे सैफ अली खान के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा जयदीप को सीरीज फैमिली मैन के तीसरे सीजन में भी देखा जाएगा। इस सीरीज में मनोज बाजपेयी लीड रोल में हैं। जयदीप के करियर की बात करें, तो उन्हें बचपन में थिएटर से लगाव था। हालांकि उनका सपना इंडियन आर्मी में जाने का था। लेकिन कई बार SSB का एग्जाम नहीं क्लियर कर पाने के बाद उन्होंने एक्टिंग में ही फ्यूचर बनाने के बारे में सोचा। जयदीप को गैंग्स ऑफ़ वासेपुर (2012), कमांडो- ए वन मैन आर्मी (2013), गब्बर इज बैक (2015), रईस (2017), राजी (2018), बागी 3 (2020) जैसी फिल्मों में भी देखा गया है।

'मसान', 'पीकू' जैसी फिल्में असली सिनेमा; सुरजीत सरकार संग काम करने की जताई ख्वाहिश

हाल ही में एक्टर परेश रावल की फिल्म द स्टोरी टेलर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ आदिल हुसैन और रेवती भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में परेश रावल ने एक कहानीकार की भूमिका निभाई है, जो अपनी जिंदगी की सच्चाई को दर्शाता है। खास बातचीत में उन्होंने इस फिल्म के बारे में विस्तार से बात की और अपने करियर के अनुभव भी साझा किए।

द स्टोरी टेलर का हिस्सा बनना बड़ी खुशी

परेश रावल कहते हैं, इतनी बेहतरीन कहानी का हिस्सा बनना बहुत खुशी की बात है। ऐसे मौके जिंदगी में बहुत कम आते हैं। जब अच्छे डायरेक्टर, राइटर, एक्टर और प्रोड्यूसर के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो मजा और बढ़ जाता है। फिल्म में काम करते हुए महसूस हुआ कि जब किसी महान लेखक की कहानी पर आधारित फिल्म में काम करने का मौका मिलता है, तो वह गर्व की बात होती है। मैं सत्यजीत रे के काम का गहरा सम्मान करता हूं और उनका बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उनके साथ काम करने का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी लिखी कहानी में काम करना भी मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

कोलकाता में शूटिंग का अनुभव

रावल ने कोलकाता में शूटिंग का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, कोलकाता की भीड़ में एक अलग ही एनर्जी महसूस होती थी। लोग बहुत वॉर्म और बेहतरीन हैं, वहां कोई पल डल नहीं लगता। यह शहर अपने आप में एक सांस्कृतिक नगरी है। यहां हर जगह आपको दिलचस्प किरदार मिल जाते हैं। जहां इतने महान कलाकारों ने काम किया हो, वो जगह अपने आप में खास होती है।

मुझे पीकू, मसान और जोरम जैसी फिल्में पसंद हैं

परेश रावल ने हाल ही में कुछ फिल्में देखीं, जो उन्हें बेहद पसंद आईं। उन्होंने कहा, जोरम और थ्री ऑफ अस दिल को छू लेने वाली फिल्में हैं। वहीं, मसान और पीकू सिर्फ मनोरंजन नहीं देतीं, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती हैं। मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो किसी दूसरी दुनिया में ले जाएं और हमेशा याद रह जाएं।

इंडस्ट्री में बदलाव

परेश रावल ने इंडस्ट्री में आए बदलाव पर भी बात की। उन्होंने कहा, आसपास के लोगों का बिहेवियर सबसे ज्यादा बदला है। वर्क एथिक्स में सुधार हुआ है। अब फिल्में एक लिमिटेड टाइम फ्रेम में पूरी होती हैं, सबका डिसिप्लिन बढ़ा है। हीरो भी अब वर्क ओरिएंटेड हो गए हैं। ये सब बहुत पॉजिटिव बदलाव हैं।

इन डायरेक्टर्स के साथ काम करने की ख्वाहिश

परेश रावल ने बताया कि उनकी विशलिस्ट में कुछ खास डायरेक्टर्स हैं, जिनके साथ वे काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, नीरज घायवान और सुरजीत सरकार के साथ काम करने की ख्वाहिश है। इनकी फिल्मों में गहराई और कंटेंट कमाल का होता है। अविनाश अरुण, जिन्होंने थ्री ऑफ अस बनाई, उनके साथ भी काम करना चाहता हूं। अभी मैं आदित्य सरपोतदार के साथ थामा कर रहा हूं और लगता है कि उनके साथ और भी फिल्में करनी चाहिए। मुझे वही कहानियां पसंद हैं, जो असली लगें, लॉजिकल हों और इमोशंस से भरी हों। ऐसी फिल्में जो कुछ नया सिखाएं और देखने के बाद लगे कि वाकई कुछ अच्छा देखा।